शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मूल्य वृद्धि सिद्धरामैया सरकार की छठी गारंटी है: बी.वाई. विजयेंद्र @नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 24 अप्रैल, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-112

पाकिस्तान को सता रहा बालाकोट जैसी स्ट्राइक का डर

कायरों की करतूत पर कहर का खौफ

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पूरे देश में पाकिस्तान के खिलाफ सीधा एक्शन लेने की मांग तेज हो गई है। यह स्पष्ट हो चुका है कि पहलगाम हमले में सीधे तौर पर पाकिस्तान एवं पीओके में बैठे आतंकी सरगनाओं का हाथ है। पाकिस्तान को अपनी इस हरकत की बालाकोट जैसी सख्त जवाबी कार्रवाई का डर सताने लगा है। भारत से सटी सीमा पर पाकिस्तान के टोही विमानों की गश्त पाकिस्तान का यह डर साफ-साफ दिखा रही है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आदेश पर भारतीय सेना के ध्रुव हेलीकॉप्टरों ने सीमा क्षेत्र में व्यापक पैमाने पर गश्त शुरू कर दी है।

भारत में पाकिस्तान के उच्चायुक्त रहे अब्दुल बासित ने कहा है कि पाकिस्तान इस समय खौफ में है, उसे जवाबी हमले का डर सता रहा है। उन्होंने कहा है कि भारत से सटी सीमा पर टोही विमान लगातार गश्त लगा रहे हैं और पाकिस्तान की

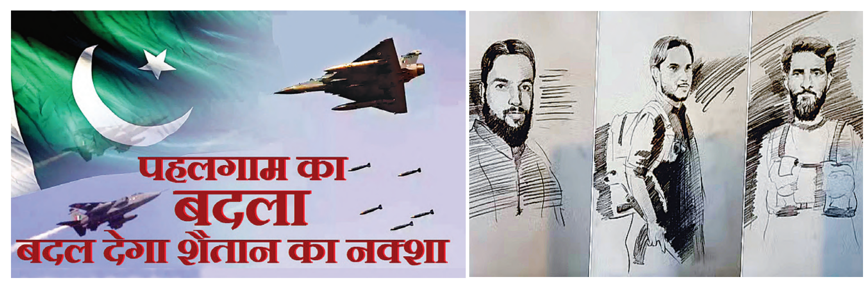

भारत की तैयारियां सूंघने में लगे पाकिस्तान के टोही विमान

सीमा क्षेत्र में भारतीय सेना के ध्रुव हेलीकॉप्टरों की गश्त शुरू

वायुसेना को अलर्ट पर रखा गया है। पुलवामा हमले के बाद भी ऐसा ही देखा गया था। तब भारतीय वायुसेना ने बालाकोट में एयर स्ट्राइक की थी, उसके बाद पाकिस्तान ने भी अपनी वायुसेना को एक्शन में ला दिया था। ऐसी स्थिति में भी पाकिस्तान अपनी घिनौनी हरकतों और बयानबाजियों से बाज नहीं आ रहा है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि भारत की सरकार अल्पसंख्यकों को परेशान कर रही है, इसीलिए लोगों का कत्लेआम किया जा रहा है। पहलगाम हमले की जिम्मेदारी द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली है, जिसका आका सज्जाद गुल और सैफुल्लाह खालिद पीओके में बैठा हुआ घटना को संचालित कर रहा था। टीआरएफ संगठन को लश्कर का ही छद्म संगठन माना जाता है, जिसे खतरनाक आतंकी सज्जाद गुल चला रहा है। सज्जाद गुल हाफिज सईद का राइट हैंड भी कहा जाता है। भारत की सुरक्षा एजेंसियों ने सज्जाद के खिलाफ बड़ा इनाम घोषित कर रखा है, उसकी तलाश लगातार जारी है। टीआरएफ को लश्कर का मुखौटा माना जाता है।

टीआरएफ के सरगना सज्जाद गुल को लेकर कहा जाता है कि वो पाकिस्तान में बैठकर ही ऑपरेट करता है, वो अपने आतंकियों को निर्देश देता रहता है, लेकिन खुद कभी सामने नहीं आता। पहलगाम हमले का मास्टरमाइंड आतंकी सैफुल्लाह खालिद को बताया जा रहा है। वह हाफिज सईद का करीबी है और पाकिस्तानी सेना के साथ उसके गहरे संबंध हैं। लश्कर-ए-तैयबा के डिप्टी चीफ सैफुल्लाह खालिद को सैफुल्लाह कसूरी के नाम से भी जाना जाता है। देश में हुए कई बड़े आतंकी हमलों में उसका नाम सामने आ चुका है। ▶10 पर

यात्रा अधूरी छोड़ लौटे पीएम मोदी, एयरपोर्ट पर ही बैठक की

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले के कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब का दो दिवसीय दौरा अधूरा छोड़कर जेद्दा से वापस दिल्ली लौट आए। प्रधानमंत्री मोदी ने एयरपोर्ट पर ही विदेश मंत्री एस जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल, रॉ प्रमुख रवि सिन्हा, इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के प्रमुख तपन डेका और विदेश सचिव विक्रम मिस्री के साथ अतिआवश्यक रणनीतिक मंत्रणा (स्ट्रैटेजिक मीटिंग) की। इसी सिलसिले में पीएम मोदी आज कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी की बैठक भी कर रहे हैं।

इससे पहले, सऊदी अरब में पीएम मोदी ने क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के साथ पहलगाम हमले पर चर्चा की। क्राउन प्रिंस ने हमले की कड़ी निंदा की और भारत के साथ आतंकवाद के खिलाफ मजबूत साझेदारी की बात दोहराई। पीएम ने सऊदी में आधिकारिक रात्रिभोज में हिस्सा नहीं लिया ▶10 पर

पाकिस्तान के पहलगाम का पाप भुगतने का कार्यक्रम शुरू

भारत ने खत्म किए पाकिस्तान से कूटनयिक रिश्ते

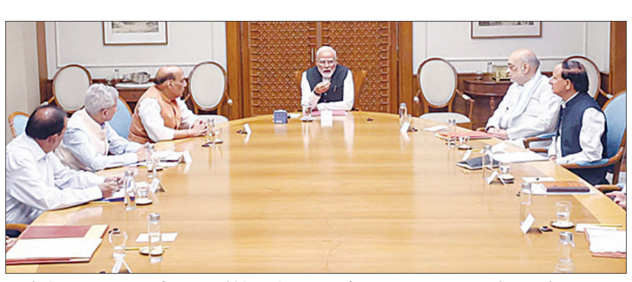

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में पाकिस्तान का सीधा हाथ पाए जाने के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान के साथ कूटनयिक संबंध खत्म करने का फैसला किया है। भारत सरकार ने पाकिस्तान में भारतीय दूतावास बंद करने का फैसला किया है। भारत में भी पाकिस्तानी दूतावास बंद कर दिया गया है। भारत सरकार ने पाकिस्तान के साथ 1969 में हुए सिंधु जल समझौते को भी तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दिया है। पाकिस्तान से जुड़े वाली अटारी सीमा बंद कर दी गई है और पाकिस्तान के लिए जारी होने वाले वीजा पर फौरन रोक लगा दी गई है। किसी भी पाकिस्तानी के भारत आने पर भी रोक रहेगी। पाकिस्तान के भारत स्थित राजनयिकों को दो दिन के अंदर भारत छोड़ देने का अल्टीमेटम जारी कर दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई भारत सरकार की सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) की बैठक में यह फैसला लिया गया। भारत आए पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे के भीतर भारत छोड़ने लिए कहा गया है। सीसीएस की बैठक में लिए गए फैसलों के बारे में आधिकारिक तौर पर विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 1960 की सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से स्थगित रखा जाएगा, जब तक कि पाकिस्तान विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से सीमा पार आतंकवाद के लिए अपने समर्थन को त्याग नहीं देता। एकीकृत चेक पोस्ट अटारी को भी तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है। जो लोग वैध तरीके के साथ सीमा पार कर चुके हैं, वे 1 मई 2025 से पहले उस मार्ग से वापस आ सकते हैं। पाकिस्तानी नागरिकों को सार्क वीजा छूट योजना के तहत भारत की यात्रा करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। पाकिस्तानी नागरिकों को अतीत में जारी किए गए ▶10 पर

- **1960 का सिंधु जल समझौता तत्काल प्रभाव से स्थगित**
- **अटारी एकीकृत चेक-पोस्ट को फौरन बंद करने का फैसला**
- **पाकिस्तानी नागरिकों के भारत आने पर पाबंदी लगाई गई**
- **पाकिस्तानी उच्चायोग में काम करने वाले अवांछित घोषित**
- **उन्हें भारत छोड़ने के लिए एक हफ्ता का समय दिया गया**
- **भारत आए पाकिस्तानियों को तत्काल भारत छोड़ना होगा**

तीन दिनों में कुछ बड़ी कार्रवाई होने का अंदेशा

जम्मू, 23 अप्रैल (ब्यूरो)। क्या कश्मीर के मोर्चे पर अगले तीन दिनों में कुछ बड़ा होने जा रहा है? यह सवाल प्रदेश सरकार के उस निर्देश के जारी होने के बाद उठने लगा है जिसमें पीएम पैकेज के तहत कश्मीर में सरकारी नौकरी कर रहे कर्मचारियों को 27 अप्रैल तक वर्क फ्रॉम होम करने के लिए कहा गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का 25 और 26 अप्रैल का लद्दाख दौरा स्थगित होने के कारण भी यह चर्चा तेज हो गई है कि भारत सरकार कहीं पाकिस्तान पर सीधी सैन्य कार्रवाई तो नहीं करने जा रहा? ▶10 पर

रक्षा मंत्री ने सेना के शीर्ष अफसरों के साथ की अहम बैठक

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकवादी हमले के बाद बुधवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और भारतीय सेना के तीनों प्रमुखों के साथ अहम बैठक की। बैठक में जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा स्थिति और आगे की कार्रवाइयों को लेकर मंथन हुआ। रक्षा मंत्री के साथ हुई बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह, सेना प्रमुख जनरल अनिल द्विवेदी, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी मौजूद थे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, पहलगाम घटना करने वाले आतंकियों के साथ-साथ हम पर्दे के पीछे बैठे उनके आकाओं को भी मारेंगे। आतंकवाद विरोधी अभियानों के मद्देनजर भारतीय सेना के एएलएच ध्रुव हेलीकॉप्टरों को श्रीनगर, जम्मू-कश्मीर और आसपास के क्षेत्रों में उड़ान भरने की ▶10 पर

35 वर्ष में पहली बार घाटी में रहा शटर-डाउन

हमले के विरोध में बंद रहा पूरा जम्मू-कश्मीर

श्रीनगर/जम्मू, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। 35 साल में पहली बार आतंकी हमले के खिलाफ कश्मीर घाटी में इतना बड़ा बंद रहा। श्रीनगर में अधिकांश दुकानें, पेट्रोल पंप और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे। पहलगाम पर्यटन स्थल में हुई हत्याओं के विरोध में बंद के आह्वान का सभी क्षेत्रों के संगठनों ने समर्थन किया।

श्रीनगर में केवल आवश्यक वस्तुओं की कुछ दुकानें ही खुली रहीं। सार्वजनिक परिवहन भी कम रहा, निजी वाहन भी सड़क पर कम निकले। घाटी में निजी स्कूल भी बंद रहे। सरकारी स्कूल खुले थे, लेकिन छात्रों की आमद नहीं के बराबर रही। कश्मीर घाटी के अन्य जिला मुख्यालयों में भी बंद का असर देखा गया। घाटी में कई स्थानों पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन भी हुए, जिसमें प्रदर्शनकारियों ने हमले की निंदा की। ▶10 पर

ताजमहल और आगरा का किला देखने पहुंचा वेंस परिवार

ताज की खूबसूरती देख वेंस ने कहा... अद्भुत

अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने परिवार के साथ खूब फोटो खिंचवाई

आगरा, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत दौरे पर आए अमेरिकी राष्ट्रपति जेडी वेंस, उनकी पत्नी उषा और उनके बच्चों ने आज ताजमहल का दर्शन किया। करीब डेढ़ घंटे तक परिवार के साथ जेडी वेंस ताज महल और आगरा का किला देखते रहे। उन्होंने विजिटर्स बुक पर लिखा, ताजमहल वास्तव में अद्भुत है। ताजमहल परिसर पहुंचते ही अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के चेहरे पर अलग ही ▶10 पर

आतंकी हमले के बाद सुप्रीम कोर्ट में याचिका

पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा गारंटी की मांग

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दाखिल की गई है। यह याचिका अधिवक्ता विशाल तिवारी ने दाखिल की है। याचिका में सुप्रीम कोर्ट से यह मांग की गई है कि देश के पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था करने के लिए वह केंद्रीय गृह मंत्रालय को सख्त निर्देश दे। पहाड़ी राज्यों और दूरदराज के स्थानों से आने वाले पर्यटकों की सुरक्षा के लिए सुरक्षा उपाय करने और उन स्थानों पर सशस्त्र बल तैनात करने के निर्देश देने की मांग की गई है। जहां बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। याचिका में पर्यटन स्थलों, विशेषकर दूरदराज के पहाड़ी और घाटी क्षेत्रों में उचित चिकित्सा सुविधाएं स्थापित करने के निर्देश देने की भी मांग की गई है, ताकि किसी भी आपातकालीन स्थिति के समय तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जा सके। ▶10 पर

शेयर मार्केट

बीएसई : 80,116.49
+520.90 +0.65%↑
एनएसई :24,328.95
161.70 (0.67%) ↑

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 38°
न्यूनतम : 27°

पहलगाम आतंकी हमले पर पूरी दुनिया में शोक

भारत के साथ एकजुट दिखे कई देश

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर दुनियाभर के राष्ट्राध्यक्षों ने भारत के प्रति एकजुटता दर्शाते हुए आतंकी घटनाओं के सभी प्रारूप की निंदा की है। साथ ही आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ मजबूती से खड़े रहने की बात भी दोहराई है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, कश्मीर से आ रही खबरें बेहद परेशान करने वाली हैं। अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ मजबूती से खड़ा है। हम इस हमले में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हैं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत के अद्भुत नागरिकों को हमारा पूरा समर्थन और गहरी संवेदनाएं हैं। हमारा दिल आप सभी के साथ है।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने आतंकी हमले पर संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, कृपया पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के दुखद परिणामों पर हमारी हार्दिक संवेदना स्वीकार करें, जिसके शिकार नागरिक थे

ट्रंप, वेंस, पुतिन, मेलोनी समेत कई हस्तियों ने दी संवेदना

विभिन्न देशों के नागरिक। इस क्रूर अपराध का कोई औचित्य नहीं है। हमें उम्मीद है कि इसके आयोजकों और अपराधियों को उचित सजा मिलेगी। मैं आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों से लड़ने में भारतीय भागीदारों के साथ सहयोग को और बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराना चाहता हूं। उन्होंने पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्ति करते हुए घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना भी की। इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने कहा, भारत में आज हुए आतंकवादी हमले से बहुत दुख हुआ, जिसमें अनेक लोग हताहत हुए। इटली प्रभावित परिवारों, घायलों, सरकार और सभी भारतीय लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता है। भारत में इजराइल दूतावास के प्रवक्ता ने कहा, जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए जघन्य आतंकवादी हमले से बहुत दुख हुआ है। मेरी संवेदनाएं पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में इजराइल भारत के साथ एकजुट है। इजराइल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने भी इस हमले की निंदा की। उन्होंने कहा, हम पहलगाम में पर्यटकों पर हुए अत्यंत निंदनीय आतंकवादी हमले से दुखी हैं। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

ब्यावर युवा कार्यकारिणी सदस्य जीरावला धाम कुर्ग में

प्राकृतिक शान्त वातावरण में परमात्मा की सेवा पूजा और भक्ति का लाभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री ब्यावर संघ युवा शाखा बेंगलूरु के कार्यकारिणी सदस्य जीरावला धाम कुर्ग की दो दिवसीय यात्रा पर पहुंचे। अध्यक्ष ललित डाकलिया ने बताया कि कुर्ग के प्राकृतिक माहौल में जंगलों के बीच स्थित परमात्मा जीरावला पार्श्वनाथ के जिनालय की ऊर्जा से ओतप्रोत जगह पर आपसी मेलजोल और सदस्यों के बीच परस्पर सद्भाव बढ़ाने हेतु यह यात्रा आयोजित की गई जिसमें कार्यकारिणी सदस्य और उनके परिवार जन शामिल हुए। धाम के भावेश भाई शाह ने पधारे हुए समस्त सदस्यों का भावभीना स्वागत अभिनन्दन किया और प्राकृतिक शान्त वातावरण में बनने जा रहे अद्भुत नक्काशी युक्त जिनालय का अवलोकन

करवाया।

जिनालय में प्रातः परमात्म पूजा, भक्ति आंगी के साथ सदस्यों ने रात्रि भक्ति भावना भी हर्षोल्लास से आयोजित की जिसमें नितेश बोहरा, सुशील बाफना, मनन बोहरा ने अपने सुन्दर भक्ति गीतों से सभी को झूमने के लिए मजबूर कर दिया। इसी के साथ सभी सदस्यों ने कुर्ग के प्राकृतिक दर्शनीय स्थलों का भ्रमण भी किया। महिला विंग की प्राची कक्कड़ ने सभी के लिए ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताएं आयोजित की। विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए।

महामंत्री कुलदीप छाजेड़ ने बताया कि इस यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि संघ के छोटे छोटे बच्चों द्वारा अपनी प्रतिभाएं संघ के समक्ष प्रस्तुत करना रही। यही प्रतिभाएं आगे चलकर ब्यावर संघ और युवा शाखा का कार्यभार संभालेंगी। इस यात्रा में ललित डाकलिया, विकास खटोड़, कुलदीप छाजेड़, नरेश बोहरा, भरत कोठारी, यश रांका, सुशील बाफना, अरिहंत छाजेड़, अल्केश हिंगड, मनीष बाफना, मनीष मेड़तवाल, अमित कोठारी, प्रवीण कक्कड, आशीष भंसाली, कुणाल मरलेचा, रोशन लोढ़ा, विनोद बाफना, जीतू खिंवसरा, लक्की बोहरा, अमित डांगी, महावीर गुगलिया, अंजन मेहता, महिला विंग के संयोजक चन्द्रकला डाकलिया, कंचन छाजेड़, सीमा बोहरा आदि सदस्यों की उपस्थिति के साथ सहयोग प्राप्त हुआ। यात्रा की व्यवस्थाओं में धाम के गोविन्द वैष्णव का सम्पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ।

महासती आगमजी एवं धैर्यजी का 2025 का चातुर्मास विल्सन गार्डन में

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
महासती आगम श्री जी एवं धैर्य श्री जी का 2025 का चातुर्मास विल्सन गार्डन स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के तत्वावधान में होगा। महावीर भवन, अलसूर में आयोजित प्रवचन सभा में श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, विल्सन गार्डन की ओर से संघ चेयरमैन मीठालाल मकाना ने संघ की विनती प्रस्तुत की। विनती को स्वीकार कर आगम श्री जी ने चातुर्मास स्थल की घोषणा की। उन्होंने बेंगलूरु महासंघ एवं जैन कॉफ्रेंस के प्रयासों की प्रशंसा की। स्वीकृति मिलते ही उपस्थित जन समुदाय ने जयकारों के साथ अपनी खुशी व्यक्त की और आपस में एक दूसरे को बधाइयां दी। इससे पूर्व अपने प्रवचन में आगम जी ने कहा कि हम मानव से इंसान बने और भगवान बनने का मार्ग प्रशस्त करें। हम अच्छा बने। अच्छा करें और अच्छाई बांटे। हमारा व्यक्तित्व ऐसा होना चाहिए कि हमें लोग पसंद करें। हम स्वयं को थोपे नहीं, बल्कि लोग स्वयं हमें चाहे। सभा का संचालन करते हुए अलसूर संघ

के मंत्री ने राष्ट्र के गम के साथ खड़े रहते हुए पहलगाम में हुई घटना में मारे गए असहाय निर्दोष जनों के लिए सद्गति की कामना की और घायलों के स्वास्थ लाभ के लिए प्रार्थना की। उन्होंने साध्वी द्वय का परिचय देते हुए साध्वी आगम श्री जी के आगामी वर्षीतप पारणा का लाभ अलसूर संघ को देने की विनती की। साध्वी जी का पारणा अलसूर संघ के तत्वावधान में होगा। साध्वी जी धैर्य श्री जी एवं सुरेश चंद बांठिया ने गीतिका प्रस्तुत की। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन महासंघ बेंगलूरु के अध्यक्ष डा.भीकमचंद सकलेचा एवं जैन कॉफ्रेंस के महामंत्री नेमीचंद दलाल ने विचार व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं व्यक्त की। प्रवचन सभा में विल्सन गार्डन महिला मंडल, बहुमंडल, युवा संगठन के सदस्यों के साथ नेमीचंद भंसाली, सज्जनराज बोहरा, गौतमचंद ओस्तवाल, किशोर दलाल, सुरेश छल्लानी, रतनलाल सिंघी, हस्तीमल बाफना, विजयराज चुत्तर, प्रकाशचंद बम, लादूलाल ओस्तवाल, धर्मीचंद खारिवाल, गौतमचंद नाहर आदि अनेक गणमान्य जन उपस्थित थे।

अलसूर संघ अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने आगंतुकों का स्वागत किया।

एक बूंद एक सागर जल संरक्षण कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार तेरापंथ महिला मंडल आरआर नगर द्वारा एक बूंद एक सागर जल संरक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। सामूहिक नमस्कार महामंत्र से कार्यशाला की शुरुआत हुई। अध्यक्ष सुमन पटावरी ने सभी बहनों का स्वागत किया।

मंडल की बहनों द्वारा प्रेरणा गीत का संगान किया गया। मुख्य वक्ता ईएमसीईई बिंदु मेहता का परिचय कार्यशाला की संयोजिका जया शामसुखा ने दिया। मुख्य वक्ता ने जल संकट की समस्या के समाधान में जैन धर्म के सिद्धांतों की उपयोगिता के बारे में बताया कि जल संरक्षण यानी

पानी के अनावश्यक उपयोग को कम करना और कुशलता पूर्वक पानी का उपयोग करना। देश के कई हिस्सों में पानी की समस्या विकराल रूप धारण कर रही है। जैन धर्म में तो पहले से ही पानी के संयम के बारे में बताया गया है। सभी ने जल संरक्षण के स्लो–गन बोले। बिंदु मेहता ने सभी को जल का दुरुपयोग नहीं करने का संकल्प करवाया। उन्होंने हर नल बोलेगा, मैं बंद हो सकता हूं, वर्षा जल संचयन, हर घर जल बैंक, ग्रे पानी का पुन: उपयोग, उपकरण और प्रौद्योगिकियाँ, युवा योद्धा, महिलाओं की अहम भूमिका, सरकार और समुदाय समेत अन्य विषय के माध्यम से लोगों को जल बचाने को लेकर जागरूक किया। अध्यक्ष सुमन पटावरी ने अपनी पूरी टीम के साथ में जल संरक्षण के पोस्टर का अनावरण किया। मंडल की बहनों ने जन जागरूकता हेतु पब्लिक प्लेस पर पोस्टर लगाए। इसके साथ ही महिला मंडल द्वारा भविष्य में पानी या भविष्य ही पानी विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बहनों ने निबंध लिखकर दिए। अंत में मंत्री पदमा महेर ने सभी का आभार जताया।

तीर्थों की पवित्रता की सुरक्षा के साथ हो तीर्थयात्रा: आचार्य

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
वी–वी–पुरम स्थित संभवनाथ जैन भवन में प्रवचन के दौरान आचार्य श्री अरिहंत सागरसूरीश्वरजी ने कहा कि श्रावक के लिए प्रति वर्ष कम से कम एक बार तीर्थयात्रा करने की बात शास्त्रों में बताई गई है, जो आत्मिक विकास की साधना में पुरक और सहायक साबित होती है। किसी भी क्रिया का प्राण भाव होता है और भावों को जागृत करने में अनुकूल द्रव्य, क्षेत्र और काल का सीधा संबंध है जो साधक के भावों को प्रभावित करते हैं।

इनमें तीर्थकरों की साधना से पवित्र बने तीर्थ क्षेत्र याने कल्याणक भूमि भी शामिल है। तीर्थों के पवित्र वातावरण की

सुरक्षा हेतु दर्शाई गई आचार संहिता का पालन प्रत्येक यात्री का कर्तव्य है, क्योंकि तीर्थस्थल पूजा–उपासना के धाम है न कि घूमने फिरने के पर्यटन स्थल। आज तीर्थों में विकास के नाम पर सरकारी हस्तक्षेप एवं अन्य परिबलों के कारण कई दूषण बढ़ने लगे हैं। जिनसे तीर्थों की पवित्रता पर जोखिम खड़ा हो रहा है। प्रथम तीर्थकर श्री ऋषभदेव की निर्वाण भूमि याने अष्टापद तीर्थ की सुरक्षा हेतु उनके पुत्र भरत चक्रवर्ती ने वहां यंत्रमानवों की स्थापना की थी। रावण की प्रभुभक्ति, गौतमस्वामी की यात्रा, भरत महाराजा द्वारा जिनालय निर्माण, आदि अनेक घटनाओं से अष्टापद तीर्थ जुड़ा हुआ है। इससे पूर्व अष्टापद तीर्थ से जुड़ी घटनाओं के विवेचन के माध्यम से आचार्य ने अष्टापद तीर्थ के विशाल चित्रपट के समक्ष भावयात्रा करवाई। मंजूदेवी सुभाष पगारिया के वर्षीतप के उपलक्ष्य में पांचीबाई जबरचंद पगारिया परिवार द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का संचालन निष्क्रित कंकुलोल और अमन सोमावत ने किया। कल्याण मित्र परिवार ने व्यवस्था संभाली। प्रसन्न पगारिया ने आभार व्यक्त किया। कल्याण मित्र परिवार के सदस्य अरविंद ओस्तवाल ने कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से विलुप्त हुए अष्टापद तीर्थ के प्रति आम लोगों में जागृति आएगी।

बचपन की यादों के साथ बैक टू स्कूल 2.0 कार्यक्रम का आयोजन

टीम वैभव पल्टन बनी विजेता

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
ट्रेमिस स्कूल के जीवंत परिसर में हंसी, ऊर्जा और बचपन की यादों के साथ बैक टू स्कूल 2.0 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह दिन स्कूल के पुराने खेल दिवस की यादों से प्रेरित था, जिसमें 170 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सात जोशपूर्ण टीमों ने एथलेटिक्स, रिले, मैराथन, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, बोरी दौड़ और रस्साकसी जैसे खेलों में प्रतिस्पर्धा की, जिससे स्कूल जीवन की प्यारी यादें फिर से जीवित हो उठीं। पूरा वातावरण जोश, मित्रता, प्रतिस्पर्धा और सामूहिक खुशी से भरा हुआ था। इस आयोजन को सफलतापूर्वक

संपन्न कराने का श्रेय प्रोजेक्ट संयोजकों दर्शन चोरडिया, अभिनंदन कटारिया और श्रेयांश सिंघवी को जाता है, जिनकी रचनात्मकता और समर्पण ने इस कार्यक्रम को यादगार बना दिया। आयोजन की समन्वय प्रक्रिया में यूथ कोऑर्डिनेटर प्रामित बाफना का भी विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के उत्कृष्ट संचालन के पीछे कोऑर्डिनेटर और सचिव दीपेश कटारिया का अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान रहा। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ यूथ की टीम के सामूहिक प्रयास, रचनात्मक दृष्टिकोण और टीमवर्क ने स्कूल के दिनों की सुंदर यादों को फिर से जीवंत कर दिया, और सभी प्रतिभागियों के लिए यह अनुभव एक आनंदमयी और भावुक स्मृति बन गया। इस कार्यक्रम के प्रेरणास्रोत और नेतृत्वकर्ता नार्थ यूथ के चेयरमैन अनीश भोजानी और मुख्य सचिव आशीष टपरावत रहे, जिनके दूरदर्शी नेतृत्व ने बीटीएस 2.0 की सफलता में अहम भूमिका निभाई। उपाध्यक्ष गौरव दलाल, निकिता बड़ेरा, कोषाध्यक्ष अक्षय दक, सचिव यश मेहता और समन्वयक दीपेश कटारिया के समर्पण और सहयोग के लिए विशेष आभार प्रकट किया गया। इस मौके पर विमल कटारिया (अध्यक्ष जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर), विजय सिंघवी (महामंत्री जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर) और सुमन सिंघवी (उपाध्यक्ष जीतो बेंगलूरु नॉर्थ महिला विंग) मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। साथ ही प्रमुख प्रायोजक किशोर कर्णावत (श्री पार्श्वनाथ इंडस्ट्रीज अशोका), स्थान प्रायोजक अभिषेक बलडोटा (एमसी बलडोटा ग्रुप), जर्सी प्रायोजक रिनी जैन और अमित जैन (मैजिकफेयरस) की गरिमामयी उपस्थिति ने इस आयोजन को और अधिक गरिमा प्रदान की। इस आयोजन में ऊर्जा से भरपूर युवा प्रबंधन समिति के सदस्यों खुशी ओस्तवाल, खुशी गादिया, राशि भंडारी, अर्हम जैन, लक्षित सोनेगरा, आरिहंत जैन, विधि बैद, भरतेश गांधी, ध्रुव जैन, जयेश जैन, वैशाली बेताला और ऋषभ बाफना का योगदान अत्यंत सराहनीय रहा। 12 घंटे की खेल प्रतिस्पर्धा और उत्साही मुकाबलों के बाद टीम गाल्वी (मालिक गौतम बांठिया) उपविजेता रही, और टीम वैभव पल्टन (मालिक पंकज बालर) को चैम्पियन घोषित किया गया। इस कार्यक्रम के सबसे मूल्यवान खिलाड़ी रहे राहुल ओस्तवाल और छवी भोजानी।

जयकारों के बीच हुई प्राण–प्रतिष्ठा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
इलेक्ट्रॉनिक सिटी के मैना मेन्सन में अमर प्लाजा के पास जैन मंदिर की प्राण–प्रतिष्ठा आयोजित की गई। गौतमचंद कटारिया ने बताया कि शनिवार को सुबह गाजे बाजे व वरघोड़ा के साथ पालकी से पधारे भगवान को सुनीता कटारिया ने आरती कर भगवान को प्रवेश कराने का लाभ लिया। दिन भर मंत्रों का जाप होता रहा। रविवार को सुबह भ्रम मुहुर्त से पूजा –अर्चना अभिषेक व प्राण–प्रतिष्ठा के साथ भगवान विराजमान हुए। जयपुर से आए ब्रह्मचारी गुरुवर के मार्गदर्शन में विधि–विधानपूर्वक पूजा–अर्चना हवन अनुष्ठान आदि सम्पन्न हुआ। जिसमें लाभार्थी परिवार व बड़ी संख्या में जैन

समाज के लोगों की उपस्थित रही। सभी जैन समाज के वरिष्ठ जनों ने मन्दिर की शानदार व्यवस्था होने पर गौतम चन्द कटारिया व उनके परिवार का सहर्ष मन्दिर परिसर में सम्मान किया व बहुत– बहुत अनमोदना के नारे लगाए। गौतमचंद कटारिया ने सम्मान समारोह में कहा कि सभी को अपने बुजुर्गो का आदर सम्मान करना व अपने धर्म की मान मर्यादा का आदर करना चाहिए। मैंने अपने माता पिता के संस्कारों का पालन किया है और परिवार में भी यही संस्कारों का पालन हो रहा है। संस्कार अच्छे होंगे तो मन्दिर जाने की जरूरत ही नहीं होगी।

लॉज में छापेमारी में 50 हजार रुपये की ड्रग्स के साथ तीन गिरफ्तार

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
मणिपाल पुलिस ने दशरथ नगर स्थित द डाउन टाउन लॉज में छापेमारी के दौरान 50,500 रुपये मूल्य के मादक पदार्थ रखने के मामले में तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान कौप निवासी मोहम्मद अज–हरुद्दीन, पुणे, महाराष्ट्र निवासी राजेश प्रकाश जाधव और मालपे निवासी नाजिल के रूप में हुई है। लॉज के कमरा नंबर 106 में मादक पदार्थ सेवन के लिए इस्तेमाल की जाने वाली सीरिंज रखने की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने इन लोगों को गिरफ्तार किया। सूचना के आधार पर पुलिस ने कमरे में छापा मारा और भारी मात्रा में नशीली दवाएं और अन्य सामान जब्त किया। जब्त की गई वस्तुओं में 40,000 रुपये मूल्य की 13.70 ग्राम एमडीएमए, 10,500 रुपये मूल्य की 225 ग्राम मारिजुआना, 15 छोटे प्ला–स्टिक कवर, पांच सिरिंज, स्टेराइल पानी की तीन 5 मिलीलीटर की बोतलें, 500 रुपये मूल्य का एक कीपैड मोबाइल फोन और 5,000 रुपये मूल्य का एक टचस्क्रीन मोबाइल फोन शामिल है। मणिपाल पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

मुनि पुलकित कुमारजी के दर्शन वंदन का लाभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के निर्देशन में अणुव्रत संगठन यात्रा दक्षिण क्षेत्र का शभारंभ बुधवार को अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य महाश्रमण जी के सुशिष्य मुनि पुलकित कुमार जी के आशीर्वचन एवं मंगल पाठ ग्रहण के साथ हुआ। इस अवसर पर अणुविभा के उपाध्यक्ष कैलाश बोराणा एवं संगठन मंत्री राजेश चावत ने अणुव्रत के सभी प्रकल्पों की जानकारी दी। मुनि ने फरमाया

अणुव्रत समस्त मानव जाति के लिए एक वरदान है। जो सकल समाज को मानवीय चेतना एवं नैतिकता का पाठ सिखाता है। अणुव्रत समिति का गठन आज के दौर में बहुत जरूरी है। इस अवसर पर स्कूल के प्रिंसिपल दीपा को अणुव्रत पुस्तक भेंट किया गया एवं अणुव्रत के उद्देश्य के बारे में समझाया गया।

सऊदी अरब से भागकर आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

मूल्य वृद्धि सिद्धरामैया सरकार की छठी गारंटी है: बी.वाई. विजयेंद्र

यादगीर/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद से गरीब परेशान हैं। जनाक्रोश यात्रा के सिलसिले में यहां एक विशाल जनसभा में बोलते हुए उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि सिद्धरामैया ने 5 गारंटी दी और छठी गारंटी का ज्यादा प्रचार नहीं किया, जो मूल्य वृद्धि की गारंटी है। उन्होंने आलोचना की कि राज्य की कांग्रेस सरकार ने 50 से अधिक आवश्यक वस्तुओं के दाम बढ़ा दिए हैं, जिससे आम लोगों, किसानों और गरीबों का गुजारा मुश्किल हो गया है। भाजपा सरकार ने कश्मीर में हिंदू पंडितों का अपमान करने वाले और सैनिकों की जान लेने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया है। विजयेंद्र ने बताया कि मंगलवार को हुए आतंकवादी हमले की जानकारी मिलने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब से भागकर आए हैं। हिंदुओं के नरसंहार के बारे में पता चलते ही अमित शाह ने अधिकारियों को भेजा। उन्होंने कहा कि हम सब पहले हिंदू हैं, न वो जाति, न ये जाति।

पाकिस्तान को 28 लोगों की हत्या की कीमत चुकानी होगी। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री आतंकवादियों के खिलाफ साहसिक कार्रवाई करेंगे। उन्होंने पेट्रोल और स्टांप ड्यूटी की दरों में वृद्धि की निंदा की। जब येदियुरप्पा मुख्यमंत्री थे, तब किसानों को अपने खेतों में बिजली कनेक्शन लेने के लिए 25 हजार का भुगतान करना पर्याप्त था।

आज कांग्रेस के सिद्धरामैया के शासन में उन्हें 2.5 लाख से 3 लाख का भुगतान करना पड़ रहा है। उन्होंने आलोचना की कि यह गरीबों और किसानों पर बोझ बन गया है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना के तहत केंद्र 6 हजार और येदियुरप्पा 4 हजार देते थे।

अब वह भी बंद कर दिया गया है। उन्होंने आपत्ति जताई कि ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबों को रक्त परीक्षण के लिए 3 से 4 गुना अधिक भुगतान करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि दूध में 9 रुपये की वृद्धि की गई है। विकास कार्य शून्य है। यह सरकार समाज के बीच जहर के बीज बो रही है। विजयेंद्र ने जातियों के बीच खाई पैदा करने के लिए सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार की आलोचना की। उन्होंने आपत्ति जताई कि यह सरकार 2 साल से सत्ता में है और विकास कार्यों के लिए कोई पैसा नहीं दे रही है। उन्होंने बताया कि जब भाजपा सरकार सत्ता में थी, तब येदियुरप्पा ने यादगीर जिले की घोषणा की और सैकड़ों करोड़ रुपये विकास के लिए दिए।

इस मौके पर विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी, पूर्व मंत्री बी. श्रीरामुलु, विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रविकुमार, राज्य पदाधिकारी, जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष और पार्टी नेता शामिल हुए।

पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए 28 लोगों में कर्नाटक के दो और लोग शामिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को पर्यटकों पर हुए क्रूर आतंकी हमले में मारे गए लोगों में बेंगलूरु के दो निवासी भी शामिल हैं। इस हमले में अब तक 28 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। मृतकों की पहचान मूल रूप से हावेरी जिले के रानेबेन्नूर के रहने वाले भारत भूषण (41) और आंध्र प्रदेश के नेल्लोर के मूल निवासी मधुसूदन राव के रूप में हुई है, जो बेंगलूरु के राममूर्ति नगर में बस गए थे। ये मौतें शिवमोगा के रियल एस्टेट कारोबारी मंजूनाथ राव की भीषण हत्या के बाद हुई हैं, जो अपनी पत्नी और 18 वर्षीय बेटे के साथ पहलगाम में छुट्टियां मना रहे थे। इस तरह कर्नाटक में अब तक कुल तीन लोगों की मौत हो चुकी है। शहर में एक निजी फर्म में काम करने वाले भारत भूषण अपनी पत्नी सुजाता (37) और तीन साल के बेटे के साथ छुट्टियां मनाने कश्मीर गए थे। परिवार यशवंतपुर में जेपी पार्क के पास रहता था। सुजाता द्वारा परिवार के सदस्यों को दी गई दर्दनाक जानकारी के अनुसार, एक बंदूकधारी उनके पास आया, उनका नाम और धर्म पूछा और जब उसे पता चला कि वे हिंदू हैं, तो उसने भरत को उसकी पत्नी और बच्चे के सामने सिर में गोली मार दी। अपने पिता की हत्या को देखकर सदमे में डूबा बच्चा कथित तौर पर चिल्लाया, पापा के सिर से लाल रंग निकल रहा है, जबकि सुजाता उसे लेकर भाग गई। घटना के बाद, भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने सुजाता से संपर्क किया और स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर उसे और बच्चे को सुरक्षा के लिए अनंतनाग में एक सैन्य शिविर में स्थानांतरित करने के लिए कहा। बेंगलूरु का दूसरा पीड़ित मधुसूदन राव भी एक पर्यटक यात्रा पर गया था, जब वह अंधाधुंध गोलीबारी का शिकार हो गया।

अधिकारियों ने पुष्टि की कि पहलगाम की बैसरन घाटी में लक्षित हमले के दौरान मारे गए लोगों में वह भी शामिल था। प्रत्यक्षदर्शियों की रिपोर्ट के अनुसार, हमलावरों ने गोलीबारी शुरू करने से पहले पर्यटकों से उनका नाम और धार्मिक पहचान पूछी। हिंदू पुरुषों को चुनिंदा तरीके से निशाना बनाए जाने से राष्ट्रीय आक्रोश फैल गया है, और घाटी में जवाबदेही और सुरक्षा बढ़ाने की मांग की जा रही है। इस हमले को 2019 के बाद से इस क्षेत्र में सबसे भीषण माना जा रहा है, जिसमें दर्जनों लोग घायल हुए हैं और पूरे देश में इसकी निंदा की गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण विदेश यात्राओं से लौटकर सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की आपातकालीन बैठक में भाग लेने आए हैं। गृह मंत्री अमित शाह पहले ही जम्मू-कश्मीर में सैन्य अधिकारियों के साथ चर्चा कर चुके हैं और सख्त प्रतिक्रिया के लिए निर्देश जारी कर चुके हैं। इस बीच, बेंगलूरु में शोक संतप्त परिवार इस त्रासदी से उबरने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जबकि शवों को घर वापस लाने की व्यवस्था की जा रही है। हमले की चौंकाने वाली प्रकृति, विशेष रूप से पहचान-आधारित हत्याओं ने लोगों के गुस्से को बढ़ा दिया है और कश्मीर घाटी में पर्यटकों की सुरक्षा को लेकर चिंताएँ फिर से जगा दी हैं।

बच्चे मोदी सरकार के सुरक्षा के आश्वासन पर भरोसा करके गए थे

आतंकी हमले में मारे गए कर्नाटक के व्यक्ति की सास ने कहा

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।
जम्मू-कश्मीर में पर्यटकों पर आतंकियों द्वारा हमला किए जाने के एक दिन बाद पहलगाम में आतंकियों द्वारा मारे गए मंजूनाथ राव की सास गीता ने जिला प्रभारी मंत्री मधु बंगारप्पा के समक्ष दुख व्यक्त करते हुए कहा हमारे बच्चे आपके (सरकार) द्वारा दिए गए सुरक्षा के आश्वासन पर भरोसा करके कश्मीर गए थे। अगर आपने उन्हें बताया होता कि वहां की स्थिति सुरक्षित नहीं है, तो मैं उन्हें नहीं भेजती। जिला प्रभारी मंत्री मधु बंगारप्पा, विधायक बेलूर गोपालकृष्ण, एस.एन. चन्नाबसप्पा, पूर्व मंत्री किम्माने रत्नाकर, डिप्टी कमिश्नर गुरुदत्त हेगड़े और एसपी जी के मिथुन कुमार बुधवार सुबह मंजूनाथ राव के घर पहुंचे और परिवार को सांत्वना दी। गीता ने अपना दर्द बयां करते हुए कहा कि मंजूनाथ ने अपनी मां सुमति को यह कहकर मना लिया था कि कुछ पड़ोसी कश्मीर आए हैं और उन्होंने कहा है कि स्थिति सुरक्षित है और पहले जैसी नहीं है। इस दौरान मधु बंगारप्पा ने मंजूनाथ राव की बहन दीपा से बात की और उन्हें मंजूनाथ राव के पार्थिव शरीर को शिवमोगा लाने के लिए राज्य सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की जानकारी दी। मधु बंगारप्पा ने मीडिया से कहा इस समय कहने के लिए और कुछ नहीं है। ऐसी घटना नहीं होनी चाहिए थी। यह हो चुकी है। हमें यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि यह फिर न हो। सरकार मंजूनाथ राव के परिवार के साथ है।

केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर से कन्नड़ सहित पर्यटकों की सुरक्षित निकासी सुनिश्चित कर रही: प्रहलाद जोशी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
केंद्रीय खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले मंत्री प्रहलाद जोशी ने कहा है कि कश्मीर के विभिन्न पर्यटन स्थलों से कर्नाटक के लोगों सहित पर्यटकों को निकालने के लिए उपाय शुरू कर दिए गए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं और उचित निर्णय ले रहे हैं। बुधवार को नई दिल्ली में मीडिया को संबोधित करते हुए जोशी ने कहा कि एयरलाइनों को निर्देश दिया गया है कि वे कश्मीर के पहलगाम से पर्यटकों को सुरक्षित निकालने में मदद करते हुए हवाई टिकट के किराए में वृद्धि न करें। मंत्री ने आगे जानकारी देते हुए कहा कि पर्यटकों को कश्मीर के संवेदनशील पर्यटन स्थलों से पहले ही सुरक्षित क्षेत्रों में स्थानांतरित किया जा रहा है। मारे गए लोगों के शवों को वापस लाने के लिए भी आवश्यक व्यवस्था की जा रही है। आतंकवादी हमले के स्थल और कश्मीर के अन्य पर्यटन स्थलों से पर्यटकों को निकालने के लिए बचाव अभियान सक्रिय रूप से चल रहा है। उन्होंने कहा कि एयरलाइनों को स्पष्ट रूप से निर्देश दिया गया है कि वे पर्यटकों को सुरक्षित स्थान पर ले जाने के लिए अधिक किराया न लगाएं। जोशी ने कहा मैंने नागरिक उड्डयन मंत्री से बात की है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हवाई टिकट के किराए में कोई वृद्धि न हो। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय को भी मामले पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। मंत्री जोशी ने कहा 2019 से जम्मू-कश्मीर में शांति स्थापित हुई है, जिसे इस जघन्य कृत्य को करने वाले कायरों द्वारा बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

केंद्र सरकार उचित जवाब देगी। पर्यटकों पर हमले की कड़ी निंदा करते हुए जोशी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में केंद्र की आतंकवाद विरोधी पहल की सफलता को स्वीकार करने में असमर्थ आतंकवादी इस तरह की कायराना हरकतों का सहारा ले रहे हैं। उन्होंने आगे आश्वासन दिया कि सरकार जल्द से जल्द घाटी में आतंकवादी गतिविधियों पर अंकुश लगाने और शांति बहाल करने के लिए और भी सख्त कदम उठाएगी। राज्य सरकार ने पहलगाम पर्यटक हमले में कर्नाटक के दो व्यक्तियों की मौत की पुष्टि की है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने घोषणा की है कि भारत भूषण का पार्थिव शरीर निर्धारित उड़ान से मुंबई के रास्ते बेंगलूरु लाया जाएगा। मंजूनाथ राव के शव को शाम 6 बजे नई दिल्ली के रास्ते शिवमोग्गा शहर ले जाया जाएगा। सीएमओ ने यह भी पुष्टि की कि एक अन्य पीड़ित, मधुसूदन राव, बेंगलूरु के राममूर्ति नगर का निवासी है, जो आंध्र प्रदेश का रहने वाला है। श्रम मंत्री संतोष लाड कश्मीर के पहलगाम पहुंच गए हैं और मृतक के परिजनों से संपर्क कर उनकी वापसी के लिए आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने में जुटे हैं। कर्नाटक सरकार के पर्यटन विभाग के निदेशक ने टूर ऑपरेटरों और ट्रैवल एजेंटों को जम्मू-कश्मीर की यात्रा करने वाले सभी पर्यटकों का विवरण देने का निर्देश दिया है। इसके अतिरिक्त, वर्तमान में इस क्षेत्र में आने वाले पर्यटकों के रिश्तेदारों, दोस्तों और परिवार के सदस्यों से अनुरोध किया गया है कि वे नामित हेल्पलाइन के माध्यम से अपना विवरण प्रदान करें।

पहलगाम आतंकी हमले में जीवित बची विधवा ने खौफनाक मुठभेड़ का किया जिक्र

जाओ मोदी से कहो

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले की दिल दहला देने वाली कहानी सुनाते हुए शिवमोग्गा की एक पर्यटक पल्लवी ने अपने पति मंजूनाथ को उनके और उनके किशोर बेटे के सामने गोली मारते हुए देखने के आघात को साझा किया। परिवार छुट्टी पर था जब यह त्रासदी घटी। पल्लवी ने 22 अप्रैल की भयावह घटनाओं के बारे में बताया, जब उनकी छुट्टियां एक बुरे सपने में बदल गईं। परिवार - पल्लवी, उनके पति मंजूनाथ और उनका 18 वर्षीय बेटा अभिजय - सैकड़ों पर्यटकों में से एक थे, जब बंदूकधारियों ने गोलीबारी की। उन्होंने कहा मंजूनाथ हमारे बेटे के लिए कुछ खाना लेने गए थे, जिसने सुबह से कुछ नहीं खाया था। कुछ ही देर बाद, हमने गोलियों की आवाज सुनी। पहले तो हमें लगा कि शायद सेना की गोलीबारी हो रही है। फिर लोग घबराकर भागने लगे। मैं घटनास्थल पर पहुंची और देखा कि मेरे पति खून से लथपथ पड़े थे। उनके सिर में गोली लगी थी। आंसू रोकने की कोशिश करते हुए पल्लवी ने बताया कि कैसे वह और उसका बेटा एक आतंकवादी से आमने-सामने आ गए थे। मैंने उस पर चिल्लाया, 'तुमने मेरे पति को मार दिया है, मुझे भी मार दो। मेरे बेटे ने भी उसका सामना किया और चिल्लाया, 'तुमने मेरे पिता को मार दिया है, हमें भी मार दो। हालांकि, आतंकवादी ने कथित तौर पर इनकार कर दिया और डरावने अंदाज में कहा मैं तुम्हें नहीं मारूंगा। जाओ और मोदी को बताओ। पल्लवी ने कहा कि उनका मानना है कि हमले में हिंदुओं को खास तौर पर निशाना बनाया गया था। आतंकवादियों ने सेना की वर्दी नहीं पहनी थी। उन्होंने ज्यादातर पुरुषों पर हमला किया - खासकर नवविवाहित पतियों पर - जबकि महिलाओं को छोड़ दिया। उस स्थान पर करीब 500 पर्यटक थे। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे 'बिस्मिल्लाह' का नारा लगाने वाले तीन व्यक्तियों ने उन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुंचने में मदद की और उनके कार चालक ने पहले ही उन्हें क्षेत्र में हिंदुओं के लिए बढ़ते खतरों के बारे में चेतावनी दी थी। अभी भी सदमे में, पल्लवी ने अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने की अपील की है कि उनके पति के शव को हवाई मार्ग से कर्नाटक वापस लाया जाए। उन्होंने कहा हम तीनों एक साथ कश्मीर आए थे। मैं अकेली वापस नहीं जाऊंगी। मैं अपने पति और बेटे के साथ शिवमोग्गा वापस जाना चाहती हूं। सरकार को जरूरी इंतजाम करने चाहिए। परिवार ने 19 अप्रैल को अपनी यात्रा शुरू की थी और 24 अप्रैल को वापस लौटना था। शिवमोग्गा में मंजूनाथ का परिवार सदमे में है। उनकी मां को अभी तक उनकी मौत की सूचना नहीं दी गई है और उन्हें सिर्फ इतना बताया गया है कि वे घायल हो गए हैं। मंजूनाथ पेशे से रियल एस्टेट एजेंट थे, जबकि पल्लवी बैंक मैनेजर के तौर पर काम करती हैं।

आतंकी हमले के बाद कश्मीर में फंसे पर्यटकों के लिए कर्नाटक ने हेल्पलाइन स्थापित की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जम्मू-कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में हुए घातक आतंकी हमले के बाद, जिसमें कर्नाटक के तीन पर्यटकों की जान चली गई, राज्य सरकार ने फंसे हुए पर्यटकों और उनके परिवारों की सहायता के लिए एक समर्पित हेल्पलाइन स्थापित की है। मृतकों की पहचान शिवमोग्गा के मंजूनाथ राव और बेंगलूरु के मत्तिकेरे के भारत भूषण समेत अन्य के रूप में हुई है। एक सरकारी बयान के अनुसार भूषण का पार्थिव शरीर बुधवार को दोपहर 3 बजे तक कश्मीर से बाहर ले जाया जाएगा, जबकि राव का पार्थिव शरीर शाम 6 बजे तक रवाना होगा।

कर्नाटक पर्यटन विभाग ने बुधवार को एक विज्ञप्ति जारी कर टूर ऑपरेटरों और ट्रैवल एजेंटों से कश्मीर में वर्तमान में राज्य के पर्यटकों का विवरण साझा करने का आग्रह किया। रिश्तेदार और मित्र निम्नलिखित हेल्पलाइन नंबरों के माध्यम से विभाग से संपर्क कर सकते हैं। 080-43344334, 080-43344335, 080-43344336, 080-43344342। इससे पहले मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने स्थिति का आकलन करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक आपातकालीन बैठक बुलाई। राहत प्रयासों का समन्वय करने और पीड़ितों के परिवारों को सहायता प्रदान करने के लिए श्रम मंत्री संतोष लाड के नेतृत्व में एक टीम श्रीनगर भेजी गई है। मंत्री संतोष लाड ने पुष्टि की कि मृतकों के शव श्रीनगर लाए गए हैं। उन्होंने मुस्कान होटल का दौरा किया, जहां कर्नाटक के कई पर्यटक ठहरे हुए हैं, ताकि उन्हें आश्वस्त किया जा सके और उनकी जरूरतों को पूरा किया जा सके।

पहलगाम आतंकी हमला

कांग्रेस ने कश्मीर में आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए सर्वदलीय बैठक की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले की निंदा की और केंद्र से आतंकवाद से निपटने के सामूहिक संकल्प को आकार देने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने का आग्रह किया। कांग्रेस अध्यक्ष ने इस हमले को देश की एकता और अखंडता पर सीधा हमला बताया।

इस मुद्दे पर चर्चा के लिए गुरुवार को नई दिल्ली स्थित एआईसीसी कार्यालय में कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक बुलाई जाएगी। यहां बुधवार को मीडियाकर्मियों से बातचीत में उन्होंने कहा भारत सरकार को जल्द ही एक सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए ताकि यह महसूस हो कि हम एकजुट हैं और सभी दल सरकार के साथ खड़े हैं। जम्मू-कश्मीर में निर्दोष लोगों की हत्या करने वाले आतंकवादियों को पकड़ने के लिए केंद्र से त्वरित कार्रवाई करने की मांग करते हुए खड़गे ने कहा यह पक्षपातपूर्ण राजनीति का समय नहीं है। यह उन परिवारों को न्याय सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक संकल्प का समय है जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है और आतंकवाद के अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस नेताओं से बात करने वाले खड़गे ने कहा कि अब्दुल्ला ने उन्हें बताया है कि 'पर्यटन राज्य की आय का प्रमुख स्रोत है, खासकर कश्मीर क्षेत्र में। मुख्यमंत्री को उद्धृत करते हुए, खड़गे ने कहा इस तरह के 'आतंकवादी हमले राज्य की अर्थव्यवस्था को ध्वस्त कर देंगे। अब्दुल्ला ने मुझसे कहा 'हम खत्म हो चुके हैं। पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों द्वारा निर्दोष लोगों की हत्या की जिम्मेदारी लेने का उल्लेख करते हुए, खड़गे ने कहा इस समय हम सब एक हैं। हमें देश की एकता और अखंडता को बचाने के लिए सामूहिक रूप से लड़ना होगा। हमें आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब देना होगा। इसलिए, हम निश्चित रूप से भारत सरकार के साथ सहयोग करेंगे। चूंकि अमरनाथ यात्रा जल्द ही शुरू होने वाली है, इसलिए खड़गे ने केंद्र से क्षेत्र में सुरक्षा कड़ी करने का आग्रह किया ताकि तीर्थयात्रा सुचारू और शांतिपूर्ण तरीके से हो सके। उन्होंने कहा केंद्र सरकार को तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी एहतियाती कदम उठाने चाहिए। केपीसीसी प्रमुख और कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार भी प्रेस वार्ता में मौजूद थे।

देश की एकता और एकजुटता को तोड़ने का प्रयास हमेशा से होता रहा है: अश्वथ नारायण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं विधायक डॉ. सी.एन. अश्वथ नारायण ने कहा कि वे धर्म के आधार पर भय फैलाने वाले आतंकवादियों के इस अत्याचार की निंदा करते हैं तथा मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हैं। भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने 28 लोगों की हत्या कर दी है। उन्होंने कहा कि वे इस घटना की निंदा करते हैं।

उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि देश की एकता और एकजुटता को तोड़ने का प्रयास हमेशा से होता रहा है। पाकिस्तान अपने देश को संभालने में विफल रहा है।

यहां गरीबी, आर्थिक समस्याएं और सामाजिक समस्याएं बहुत हैं। वे दिवालिया हो चुके हैं और आतंकवादियों की तरह व्यवहार कर रहे हैं जैसे कि वे दूसरों का अस्तित्व बर्दाश्त नहीं कर सकते। पाकिस्तान द्वारा अशांति पैदा करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार और उनके पसंदीदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस सबक को सिखाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

मोदी ने स्पष्ट रूप से कहा है कि पाकिस्तान के आतंकवादी प्रशिक्षण शिविर पहले ही नष्ट हो चुके हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आतंकवादियों को जड़ से उखाड़ फेंका जाएगा। उन्होंने कहा कि उन्हें उचित सबक सिखाया जाएगा। इस अवसर पर पूरे देश को एकजुट होना चाहिए। हम सभी भारतीयों को एकजुट होना चाहिए और शांति और सहिष्णुता बनाए रखना चाहिए। हमें गैर-पक्षपाती और गैर-धार्मिक कार्य करना चाहिए। मृतकों को श्रद्धांजलि देने के लिए पूरे राज्य में मोमबत्ती जलाकर जुलूस निकाला जाएगा। विपक्षी नेता आर अशोक ने आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की। प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष केसी मंजुला, पूर्व प्रदेश सचिव जगदीश हिरेमानी, प्रदेश प्रवक्ता डॉ नरेंद्र रंगप्पा ने भाग लिया।

अतिरिक्त 1 लाख मीट्रिक टन मक्का खरीदने का निर्णय: के.एच. मुनियप्पा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री के.एच. मुनियप्पा ने कहा कि राज्य भर में जिन जिलों में मक्का की सबसे अधिक खेती होती है और मानसून के मौसम में सबसे अधिक मक्का उगाया जाता है, वहां समर्थन मूल्य योजना के तहत खरीद केंद्रों के माध्यम से किसानों से सीधे एक लाख मीट्रिक टन मक्का खरीदने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने विधान सौधा में आवास मंत्री जमीर अहमद खान के नेतृत्व में बेल्लारी जिले के किसानों और अधिकारियों के साथ एक बैठक में बात की। उन्होंने कहा कि चालू वर्ष में समर्थन मूल्य योजना के तहत उन जिलों से एक लाख मीट्रिक टन मक्का खरीदा जाएगा, जहां मक्का की सबसे अधिक खेती होती है और जिन जिलों में राज्य भर में मानसून के मौसम में सबसे अधिक मक्का उगाया जाता है। हाइब्रिड मक्का के लिए प्रति क्विंटल मक्का की कीमत 3371 और मालदंडी मक्का के लिए 3421 रुपये प्रति क्विंटल है। उन्होंने कहा कि पहले से पंजीकृत किसानों और नए पंजीकृत किसानों से भी अनुरोध किया गया है कि वे विशिष्ट खरीद केंद्र स्थान पर अपनी उपज का मूल्य दर्ज करें और सरकार को भुगतान करें। अन्नभाग्य योजना के लाभार्थियों को प्रति व्यक्ति 5 किलो राशन अनाज दिया जा रहा है, और उत्तर कर्नाटक में 2 किलो चावल के साथ 3 किलो मक्का वितरित करने का निर्णय लिया गया है। इस अवसर पर विधान परिषद सदस्य बसनगौड़ा बदरली, आवास विभाग के सचिव नवीन राज सिंह, खाद्य विभाग के सचिव मनोज जैन और रघुनाथ, मदवरेड्डी करूर और किसान संघ के पदाधिकारी मौजूद थे।

मंत्री जमीर ने पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा की

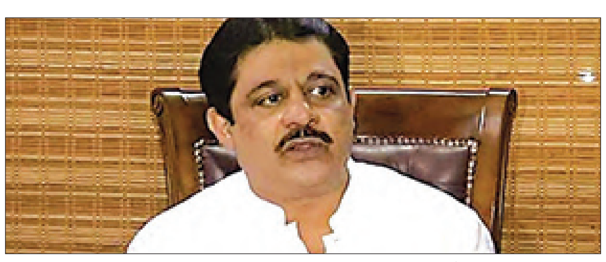

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आवास एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जमीर अहमद खान ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे बेहद घृणित और अमानवीय बताया है। इस हमले में तीन कन्नड़ लोगों समेत 28 लोगों की मौत होना बहुत दुखदायी है।

उन्होंने एक बयान में कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के पीछे की ताकतों के खिलाफ सभी भारतीयों को एकजुट होने की जरूरत है। केंद्र सरकार, जिसने कहा था कि अनुच्छेद 370 के हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में शांति कायम हुई है, को देश की सुरक्षा को लेकर सख्त कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि हमले के पीड़ित परिवारों को ईश्वर दुख सहने की शक्ति दे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री बंडी महाकाली अम्मा देवी युवक संघ संजीवनी नगर द्वारा देवी महाकाली उत्सव का आयोजन किया गया। विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। साथ ही अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की।

हिंदू पर्यटकों को निशाना बनाया गया

इस्लाम के नाम पर वैश्विक आतंकवाद को अंजाम दिया जा रहा: सीटी रवि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधान परिषद सदस्य सीटी रवि ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों को निशाना बनाकर उनका नाम और धर्म पूछकर और फिर उन्हें मार डालना, चाहे हिंदू हो या गैर-मुस्लिम, निंदनीय है।

यहां मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि इस्लाम के नाम पर वैश्विक आतंकवाद को अंजाम दिया जा रहा है और इसे क्यों अंजाम दिया जा रहा है, इसके लिए किसी और सबूत की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि हमले के दौरान आतंकवादियों ने यह नहीं पूछा कि आपकी भाषा क्या है। उन्होंने यह नहीं पूछा कि आपकी जाति क्या है। उन्होंने यह भी नहीं पूछा कि आप तमिलनाडु, केरल या कर्नाटक से हैं। उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि आतंकवादियों ने एक पति को उसकी पत्नी के सामने और एक पिता को उसके बच्चों के सामने मारकर राक्षसी रवैया दिखाया है। उनमें कोई मानवता नहीं है। उनका मानवता से कोई नाता नहीं है। जब कोई आतंकवादी गतिविधि होती है, तो हम उसकी निंदा करते हैं, अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं और फिर भूल जाते हैं। हम उन परिवारों को सांत्वना देते हैं और कुछ मुआवजा देते हैं और फिर भूल जाते हैं। हम हिसाब लगाते हैं कि कितने लोग किस राज्य से हैं और किस जाति से हैं। लेकिन, आतंकवादियों की नजर में इस्लाम को छोड़कर हर कोई काफिर है और इस आतंकवाद का इतिहास बहुत पुराना है। मोहम्मद गजनी, गोरी, खिलजी, औरंगजेब, टीपू सभी ने बड़े पैमाने पर नरसंहार किया जिससे डर पैदा हुआ और राजनीतिक शक्ति खत्म हो गई। उन्होंने यह भी आलोचना की कि उन्होंने लोगों को धर्मांतरित करने का काम किया था। हम इस घटना के लिए जिम्मेदार चार आतंकवादियों को ढूंढ कर मार सकते हैं। लेकिन क्या आतंकवाद रुकेगा? एक नए रूप में, एक नए संगठन के नाम पर, खून के प्यासे राक्षस की तरह नए लोग पैदा होंगे। तो उस खून के प्यासे राक्षस को वह ताकत कहां से मिली? अगर उस ताकत को खत्म नहीं किया गया। अगर उसे मिटाया नहीं गया। अगर उसे बदला नहीं गया, तो आतंकवाद नहीं रुकेगा। यह एक कठोर सत्य है। यह एक तथ्यात्मक सत्य है। अगर इसे नहीं बदला गया तो ये खूनी राक्षस नए-नए तरीकों से पैदा होते रहेंगे। तब तक दुनिया में शांति कैसे स्थापित हो सकती है? आज कर्नाटक के मंजूनाथ राव, भारत भूषण, मधुसूदन समेत विभिन्न राज्यों के 25 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। इससे पहले पुलवामा में जवान, रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर बम विस्फोटों में मारे गए बच्चे और कई बच्चे मारे गए हैं। उन्होंने पूछा कि ऐसा कब तक चलेगा। इन सभी को सिर्फ इसलिए मार दिया गया क्योंकि उन्होंने इस्लाम कबूल नहीं किया। क्या इस्लाम कबूल करने वाले खुश हैं? कम से कम अब तो हमें यह समझने की जरूरत है कि आपका अस्तित्व खतरे में है और मिलकर आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़नी चाहिए। उन्होंने मांग की कि किसी भी रूप में दया दिखाए बिना आतंकवादियों का सफाया किया जाना चाहिए।

1 मई से मेडिकल कॉलेजों में फैकल्टी की उपस्थिति के लिए फेस-आधारित आधार प्रमाणीकरण प्रणाली

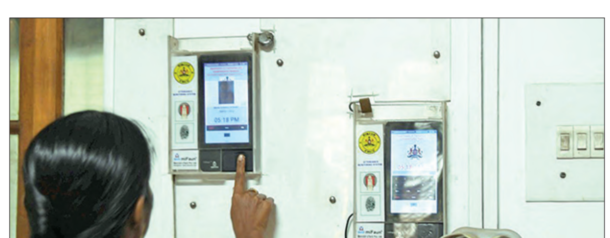

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भूतिया फैकल्टी जैसी गड़बड़ियों को प्रभावी ढंग से रोकने के उद्देश्य से, राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने सभी मेडिकल कॉलेजों में फैकल्टी की उपस्थिति दर्ज करने के लिए फेस-आधारित आधार प्रमाणीकरण प्रणाली (फेस एईबीएएस) को लागू करने के लिए कदम उठाए हैं।

एनएमसी ने कहा है कि नवीनतम तकनीक का लाभ उठाने और उपस्थिति प्रक्रिया को उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाने के लिए, उसने पूरी तरह से नई उपस्थिति प्रणाली को अपनाने का फैसला किया है। एनएमसी के आदेश के मद्देनजर, कर्नाटक के चिकित्सा शिक्षा निदेशालय ने 1 मई से राज्य भर के सभी सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों में फेस एईबीएएस को लागू करने के लिए कदम उठाए हैं।

वर्तमान में, सभी मेडिकल कॉलेज और संस्थान फैकल्टी की उपस्थिति के लिए आधार-सक्षम बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली (एईबीएएस) का उपयोग कर रहे हैं। डॉ. बी.एल. चिकित्सा शिक्षा निदेशालय की निदेशक सुजाता राठौड़ ने बताया, अभी तक सभी मेडिकल कॉलेजों में फैकल्टी की उपस्थिति के लिए एईबीएएस का इस्तेमाल किया जाता था। हालांकि, एनएमसी फेस एईबीएएस को लागू कर रहा है, जो अधिक उन्नत और प्रामाणिक है। यह नई प्रणाली भूतिया फैकल्टी को रोकने और फैकल्टी की उपस्थिति को सुव्यवस्थित करने में सक्षम होगी।

इसके बाद, एनएमसी सीधे मेडिकल कॉलेजों के फैकल्टी की उपस्थिति प्रणाली की निगरानी करेगा। विभिन्न कारणों से, भारत भर के कई मेडिकल कॉलेज एनएमसी के मानदंडों के अनुसार छात्रों की संख्या के अनुसार फैकल्टी नियुक्त करने में विफल रहे हैं। कॉलेज कथित तौर पर एनाटॉमी, बायोकेमिस्ट्री, फिजियोलॉजी, फोरेंसिक मेडिसिन, फार्माकोलॉजी और माइक्रोबायोलॉजी जैसे स्नातकोत्तर चिकित्सा पाठ्यक्रमों में भूतिया फैकल्टी के माध्यम से कक्षाएं चला रहे हैं, जहां छात्रों की संख्या कम है। तीन से चार कॉलेजों में कुछ भूतिया फैकल्टी का पढ़ाना आम बात है। 2024 में, एनएमसी ने कर्नाटक के 16 कॉलेजों पर 2 लाख से 16 लाख तक का जुर्माना लगाया था, जिनके पास पूर्ण फैकल्टी नहीं थी। फेस एईबीएएस के सुचारू क्रियान्वयन के लिए, कॉलेजों को जीपीएस लोकेशन साझा करनी होगी, यदि वे मोबाइल ऐप के माध्यम से उपस्थिति दर्ज करने की सुविधा चाहते हैं।

इसके बाद, कॉलेजों को कॉलेज के डीन या प्रिंसिपल के हस्ताक्षर और मुहर के साथ ईमेल के माध्यम से एनएमसी को जानकारी साझा करनी होगी। सभी शिक्षकों को अपने मोबाइल फोन पर फेस एईबीएएस ऐप इंस्टॉल करना होगा। यह ऐप 24 अप्रैल को सक्रिय हो जाएगा।

कश्मीर में फंसे 40 पर्यटकों को वापस लाने के लिए विशेष उड़ान व्यवस्था का दिया आदेश: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि कश्मीर की यात्रा पर गए 40 से अधिक कन्नड़ लोग आतंकवादी हमले में फंस गए हैं और उन्होंने अधिकारियों को उन सभी को सुरक्षित वापस राज्य में लाने के लिए विशेष विमान की व्यवस्था करने का निर्देश दिया है। उन्होंने आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों के परिवारों से फोन पर बात की और अपनी संवेदना व्यक्त की। मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों में कर्नाटक के दो लोग शामिल हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक बयान में कहा कि मुख्यमंत्री ने शिवमोग्गा के मंजूनाथ राव की पत्नी पल्लवी और बेंगलूरु के मत्तीकेरे के भारत भूषण की पत्नी सुजाता से बात की और अपनी संवेदना व्यक्त की। भारत भूषण की आतंकवादियों ने गोली मारकर हत्या कर दी, उनकी पत्नी सुजाता और उनका तीन वर्षीय बेटा सुरक्षित बच गए। रियल एस्टेट के दिग्गज मंजूनाथ राव की हत्या उनकी पत्नी और बेटे की मौजूदगी में की गई। सिद्धरामैया ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कश्मीर की यात्रा पर गए 40 से अधिक कन्नड़ लोग आतंकवादी हमले में फंस गए हैं, और मैंने अधिकारियों को उन सभी को सुरक्षित वापस उनके राज्य में लाने के लिए एक विशेष उड़ान की व्यवस्था करने का निर्देश दिया है। हमारी सरकार ने हर कन्नड़ व्यक्ति को सुरक्षित वापस राज्य में लाने के संकल्प के साथ कार्रवाई की है। किसी को भी चिंता करने की जरूरत नहीं है। जम्मू-कश्मीर में राज्य के सभी लोगों से शांत रहने का आग्रह करते हुए उन्होंने कहा कि कर्नाटक सरकार ने तुरंत टीमें तैनात की हैं और मंत्री संतोष लाड को मौके पर सहायता के लिए भेजा है। किसी भी सहायता के लिए, कृपया 112 पर कॉल करें - हमारे अधिकारी आपकी सुरक्षा और तत्काल सहायता सुनिश्चित करने के लिए जम्मू-कश्मीर अधिकारियों के साथ काम कर रहे हैं। हम आपके साथ हैं। आपकी भलाई हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

श्रद्धांजलि

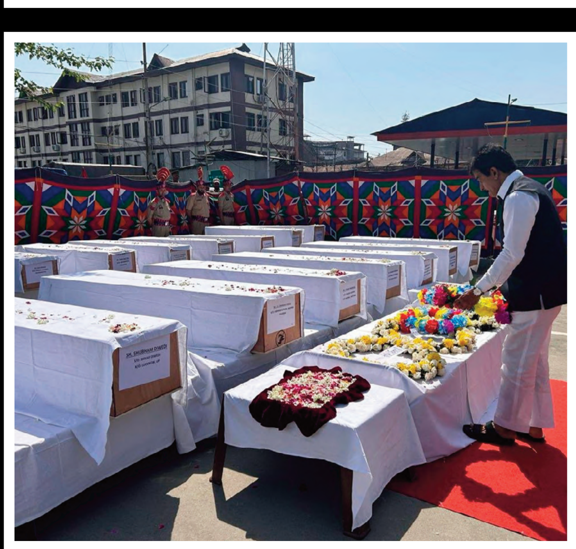

आखिर कब

WE MOURN, WE STAND, WE RESIST TERROR!
WE DEMAND ACCOUNTABILITY, NOT HOLLOW SPEECHES!

Pahalgam Attack
An Onslaught on Humanity
CANDLE MARCH
2025 April 23

DISTRICT BAR

LET'S ALL STAND FOR PEACE AND HUMANITY

NAAC

PAHALGAM MASSACRE
Justice will not sleep. Kashmiriyat will not surrender. The world must not stay silent.

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दे

पहलगाम आतंकी हमला : सीएम योगी ने जान गंवाने वाले कानपुर के शुभम द्विवेदी के पिता से की बात

लखनऊ, 23 अप्रैल (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले में कानपुर के शुभम द्विवेदी के निधन पर शोक जताया। उन्होंने टेलीफोन के जरिए उनके पिता संजय द्विवेदी से बातचीत भी की। उन्होंने परिवार वालों का ढाढ़स बंधाते हुए कहा कि दुख की इस घड़ी में उत्तर प्रदेश सरकार पूरी प्रतिबद्धता से उनके साथ खड़ी है।

सीएम योगी ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में कायरतापूर्ण आतंकी हमले में जनपद कानपुर के शुभम द्विवेदी का निधन अत्यंत दुःखद है। आज दूरभाष पर उनके पिता संजय द्विवेदी से बात कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। दुख की इस घड़ी में उत्तर प्रदेश सरकार पूरी प्रतिबद्धता से परिवार के साथ खड़ी है।

उन्होंने आगे लिखा, प्रदेश के संबंधित अधिकारियों को पार्थिव शरीर को ससम्मान कानपुर पहुंचाने हेतु निर्देशित किया है। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान व शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दुख सहने की शक्ति दें।

इससे पहले सीएम योगी ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा था, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुआ आतंकी हमला कायरतापूर्ण, अक्षम्य और घोर निंदनीय है। जिन लोगों ने इस दुखद घटना में अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति मेरी शोक संवेदनाएं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्माओं को सद्गति एवं घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

पहलगाम आतंकवादी हमले में आतंकियों की गोली का शिकार हुए शुभम द्विवेदी के घर शोक का माहौल है। अभी दो महीने पहले ही 12 फरवरी को उनकी शादी हुई थी। मंगलवार को पहलगाम में आतंकियों ने शुभम को उनकी पत्नी के सामने ही गोली मार दी थी। शुभम के पिता संजय द्विवेदी सीमेंट के कारोबारी हैं।

बता दें कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम इलाके के बैसरन घाटी में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की जान चली गई और कई घायल हो गए। जम्मू-कश्मीर सरकार ने पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए मुआवजे का ऐलान किया है। राज्य सरकार ने मृतकों के परिजनों के लिए 10 लाख रुपए और घायलों के लिए 2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने का ऐलान किया है।

आरसीसी सड़क में विस्फोट से महिला की मौत, निर्माण में धांधली की खुली पोल

कुशीनगर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)।

रामकोला से एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जिसने न केवल एक परिवार को मातम में डुबो दिया, बल्कि सरकारी निर्माण की साख पर भी बड़ा सवालिया निशान लगा दिया है। कुशीनगर जनपद के रामकोला नगर पंचायत क्षेत्र में एक आरसीसी सड़क में हुए तेज विस्फोट ने एक महिला की जान ले ली। हादसे की वजह तकनीकी नहीं, बल्कि घोर ला-परवाही और निर्माण कार्य में धांधली बताई जा रही है। एक महिला अपने मायके में शादी समारोह में शरीक होने जा रही थी। तभी अचानक आरसीसी सड़क फटी और उसमें से तेज धमाके के साथ गैस निकली। यह विस्फोट इतना जबर्दस्त था कि महिला का संतुलन बिगड़ा और सिर के बल गिरने से उसे गंभीर चोट आई।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, यह हादसा उस प्लास्टिक पाइप की वजह से हुआ जो सड़क के नीचे पानी निकासी के लिए डाला गया था। तेज गर्मी में पाइप के अंदर गैस बनी और वो पाइप बम की तरह फट गया।

घायल महिला को पहले रामकोला सीएचसी ले जाया गया, फिर हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल और अंत में गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। स्थानीय लोगों में आक्रोश है। उनका कहना है कि निर्माण कार्य में न केवल घटिया सामग्री का इस्तेमाल हुआ, बल्कि मानकों को भी पूरी तरह ताक पर रख दिया गया। घटना स्थल पर बिखरे प्लास्टिक पाइप और सड़क की फटी परतें सरकारी लापरवाही का खुला सबूत बनकर सामने हैं। इस मामले में राजस्व विभाग के एक कर्मी की भूमिका भी संदेह के घेरे में है, जिसने कथित रूप से पाइप डलवाया था।

संस्कृत को जन-जन तक पहुंचाने का योगी सरकार का संकल्प हो रहा साकार

लखनऊ, 23 अप्रैल (एजेंसियां)।

संस्कृत को जन-जन तक पहुंचाने का योगी सरकार का संकल्प साकार हो रहा है। युवाओं और छात्रों में संस्कृत के प्रति अनुराग जागृत करने, संस्कृत के प्रचार-प्रसार, संवर्धन व संरक्षण के लिए भी निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में युवा प्रतिभाओं को योगी सरकार पूरे राज्य स्तर पर पहचान दिलाएगी। संस्कृत प्रतिभा खोज और संस्कृत अध्ययन प्रोत्साहन वृत्ति के तहत युवाओं को इससे जोड़ा जाएगा। इसमें दो वर्ग कक्षा छह से 12 और स्नातक-स्नातकोत्तर के विद्यार्थी संस्कृत में अपना कौशल दिखा सकेंगे।

संस्कृत के उत्थान के लिए जनपद से लेकर राज्य स्तर तक युवा प्रतिभाओं की तलाश होगी। इसके लिए संस्कृत प्रतिभा खोज परीक्षा कराई जाएगी। जनपद स्तर पर यह परीक्षा 5 से 31 जुलाई तक होगी। ऑनलाइन परीक्षा 20 जुलाई से 31 जुलाई तक होगी।

मंडल स्तर पर 5 अगस्त से 13 अगस्त (ऑनलाइन परीक्षा 10 सितंबर से 20 सितंबर) तक होगी। इसके बाद राज्य स्तरीय परीक्षा भी होगी।

संस्कृत प्रतिभा खोज दो वर्गों में होगी। प्रथम वर्ग कक्षा 6 से 12 तक होगा। द्वितीय वर्ग के तहत स्नातक-स्नातकोत्तर के विद्यार्थी प्रतिभाग कर सकेंगे। वर्ग क में संस्कृत गीत, संस्कृत सामान्य ज्ञान, श्लोकान्त्याक्षरी, अष्टाध्यायी कंठस्थ पाठ, अमरकोश कंठस्थ पाठ, लघुसिद्धांतकौमुदी कंठस्थ पाठ और तर्क संग्रह कंठस्थ पाठ होगा। वर्ग ख में संस्कृत सामान्य ज्ञान, संस्कृत भाषण और श्रुतलेखन होगा।

उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान के पूर्व अध्यक्ष डॉ. वाचस्पति मिश्र ने बताया कि युवाओं को संस्कृत से निरंतर जोड़ा जा रहा है। इस वर्ष भी परीक्षा के माध्यम से युवाओं के भीतर छिपी प्रतिभा को निखारा जाएगा। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं को पुरस्कृत भी किया जाएगा। राज्य स्तर पर विजेता को 11,000 रुपए, द्वितीय पुरस्कार विजेता को 7,000 और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को 5,000 रुपए पुरस्कार स्वरूप प्रदान किए जाएंगे। साथ ही तीन सांत्वना पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को तीन-तीन हजार रुपए दिए जाएंगे।

अब टेक्निकली सशक्त हो रही सरकारी शिक्षा

डिजिटल इंडिया की ओर बढ़ रहे सरकारी स्कूल

सरकारी और निजी क्षेत्र की साझेदारी का प्रयोग सफल

लखनऊ, 23 अप्रैल (एजेंसियां)।

यूपी में सरकारी स्कूलों की तस्वीर अब बदल रही है। योगी सरकार में शिक्षा व्यवस्था में बदलाव शुरू है, जो दशकों से केवल निजी विद्यालयों की पहचान माना जाता था,तकनीक से युक्त, स्मार्ट, भागीदारी आधारित शिक्षा प्रणाली। परिवर्तन की नींव बनी 'कायाकल्प योजना', जिससे सरकारी विद्यालय तकनीकी और भौतिक स्तर पर सशक्त हुए है। बेसिक शिक्षा विभाग ने पिछले वर्षों में 40 से अधिक गैर-सरकारी संस्थाओं के साथ नॉन-फाइनेंशियल एमओयू किए हैं।इनका उद्देश्य , तकनीकी मदद, शिक्षक प्रशिक्षण, डिजिटल संसाधनों की आपूर्ति, सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देना। इस प्रयास में आईआईटी गांधीनगर आईआईटी कानपुर, खान अकदमी, एचसीएल फाउंडेशन संपर्क फाउंडेशन भारती फाउंडेशन एयरटेल प्रथम फाउंडेशन जैसे कई नाम जुड़े हैं, जिन्होंने राज्य के स्कूलों को सुविधाएं दीं। शिक्षा के प्रति समाज का विश्वास मजबूत किया।डालमिया भारत ग्रुप और सीखो सिखाओ फाउंडेशन की साझेदारी से शुरू हुए नव भारत उदय कार्यक्रम अंतर्गत प्रदेश के स्कूलों को डिजिटल टीवी से सुसज्जित करने का कार्य गतिशील है।सीएम योगी आदित्यनाथ ने स्वयं कहा था कि यह 'डिजिटल क्रांति की शुरुआत' है। डिजिटल टीवी तक सीमित न रहकर 2022 से 2024 के बीच सीतापुर जिले में 539 विद्यालयों में काम किया गया, जहां 59 स्मार्ट टीवी और 5 कंप्यूटर लैब स्थापित किए गए थे। इस साल 13 जिलों के 64 विद्यालयों में दक्षता आधारित शिक्षण, शिक्षक संकुल बैठकें और सामुदायिक सहभागिता के ज़रिए शिक्षा की गुणवत्ता में और अधिक सुधार किया जा रहा है।तकनीकी नवाचार के साथ कायाकल्प योजना ने सरकारी स्कूलों की भौतिक संरचना को नई पहचान दी।

स्कूल भवनों, कक्षाओं, शौचालयों, स्वच्छ पेयजल, बिजली जैसी मूलभूत आवश्यकताओं का विकास हुआ है। ढांचागत सुविधाओं में तकनीक और प्रशिक्षण का समावेश हो रहा है, तो सरकारी स्कूल केवल विकल्प नहीं बल्कि प्राथमिकता बनते जा रहे हैं।योगी सरकार की पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप पीपीपी आधारित नीति का उद्देश्य बिल्कुल स्पष्ट है-'हर बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण, समावेशी और तकनीकी शिक्षा पहुंचाना।' सरकारी और निजी क्षेत्र के साझा प्रयासों से न केवल शिक्षकों का प्रशिक्षण हुआ है, बल्कि संसाधनों का विस्तार और समुदाय की भागीदारी भी बढ़ी है। प्रदेश के सरकारी विद्यालय तकनीकी नव-चार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के केंद्र बन रहे हैं।

बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह कहते हैं कि सरकार ने पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप को प्राथमिकता दी है, जिससे शिक्षा व्यवस्था को मजबूती मिली है। डिजिटल संसाधनों, स्मार्ट क्लासरूम और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से हम हर बच्चे तक समावेशी, आधुनिक, प्रभावशाली शिक्षा पहुंचाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। यह सिर्फ बदलाव नहीं, एक नई शैक्षिक क्रांति की शुरुआत है।वही डीजी स्कूली शिक्षा कंचन वर्मा कहती है,तकनीकी सहयोग और सामुदायिक भागीदारी से सरकारी स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का आधार मजबूत हो रहा है। हमारा लक्ष्य है कि हर बच्चे तक आधुनिक और प्रभावशाली शिक्षा पहुंचे।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद यूपी में हाई अलर्ट

नेपाल सीमा पर कड़ी निगरानी

लखनऊ, 23 अप्रैल (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकी हमले के बाद उत्तर प्रदेश पुलिस को हाई अलर्ट पर रखा गया है। यूपी के डीजीपी प्रशांत कुमार ने राज्य के सभी पुलिस अधिकारियों को सतर्कता बरतने और सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के निर्देश दिए हैं।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के मद्देनजर उत्तर प्रदेश में नेपाल से सटी अंतराष्ट्रीय सीमा और सभी जिलों के बस स्टेशनों व रेलवे स्टेशनों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए यूपी पुलिस को अलर्ट पर रहने के लिए कहा गया है।

उल्लेखनीय है कि जम्मू एवं कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम हिल स्टेशन पर मंगलवार को आतंकियों ने हमला किया था। हमले में दो विदेशियों सहित 16 पर्यटकों की मौत हो गई और 20 अन्य पर्यटक और स्थानीय लोग घायल हो गए। हालांकि, मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। समूचे विश्व ने इस हमले की निंदा की है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस पर नजर बनाए हुए हैं।

इस घटना के तुरंत भारतीय सुरक्षा बल इलाके की निगरानी कर रहे हैं। सेना की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, संयुक्त बल स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। चिकित्सा टीमों को तुरंत तैनात किया गया और हताहतों को निकालने का काम शुरू किया गया। भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा बैसरन, पहलगाम, अनंतनाग के सामान्य क्षेत्र में एक संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया गया है, जो अभी भी जारी है। हमलावरों को न्याय के कटघरे में लाने पर पूरा ध्यान केंद्रित किया गया है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक तत्काल समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करने के लिए श्रीनगर पहुंचे और सुरक्षा बलों ने अपराधियों की तलाशी के लिए बड़े पैमाने पर अभियान शुरू किया। अधिकारियों द्वारा जारी सूची के अनुसार, मारे गए 16 लोगों में नेपाल और यूएई के एक-एक व्यक्ति भी शामिल हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, दिल्ली में मौजूद उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के साथ बीती रात करीब 8.20 बजे श्रीनगर पहुंचे और उन्हें उपराज्यपाल, डीजीपी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आतंकवादी घटना के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। इसके बाद गृह मंत्री उच्च स्तरीय सुरक्षा बैठक की अध्यक्षता करने के लिए राजभवन गए। वह श्रीनगर के अस्पताल में घायल पर्यटकों और स्थानीय लोगों से भी मिलेंगे, जहां उनका इलाज चल रहा है, और बुधवार को आतंकी हमले वाली जगह का दौरा करेंगे।

मिर्जापुर में पर्यटन विकास की 13151.06 लाख की 07 परियोजनाएं स्वीकृत

विंध्यधाम में बुनियादी सुविधाएं मिलने पर बढ़ेंगी श्रद्धालुओं की संख्या : जयवीर

लखनऊ, 23 अप्रैल (एजेंसियां)।

पर्यटन विभाग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 मिर्जापुर के पर्यटन विकास के लिए 13151.06 लाख की 7 परियोजनाएं स्वीकृत की। परियोजनाएं के जनप्रतिनिधियों एवं जिलाधिकारी के प्रस्ताव पर स्वीकृत की गई हैं। मिर्जापुर विंध्यवासिनी धाम के लिए प्रसिद्ध है। यहां पर वर्ष भर श्रद्धालु दर्शन और पूजन के लिए आते रहते हैं। पर्यटन विभाग का उद्देश्य है कि श्रद्धालुओं के लिए बुनियादी सुविधाएं सुलभ कराकर अधिक से अधिक पर्यटकों को आकर्षित किया जा सके। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि श्याम नारायण सिंह (विनीत सिंह) सदस्य के प्रस्ताव पर ग्राम मिलगौर स्थित प्राचीन शिवाला के पर्यटन विकास हेतु 62.54 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। जिलाधिकारी के प्रस्ताव पर विंध्याचल क्षेत्र में मल्टीलेबल पार्किंग एवं पर्यटक सुविधा केन्द्र का निर्माण 4562.96 लाख रुपये की लागत से किया जायेगा। जिलाधिकारी के प्रस्ताव पर विंध्यधाम स्थित माँ की पैढ़ी का पर्यटन विकास 4676.47 लाख रुपये की धनराशि से कराया जायेगा। उत्तर प्रदेश विंध्यधाम तीर्थ विकास परिषद कार्यालय का निर्माण 2372.99 लाख रुपये से किया जायेगा। मिर्जापुर में स्थित चुनार में गंगा नदी के दाहिने तट पर स्थित बालूघाट पर पक्का स्नान घाट का निर्माण 1179.43 लाख रुपये की लागत से, विकासखण्ड बलापुर के ग्राम डेरवा में स्थित प्रसिद्ध दुलारो माता मंदिर का पर्यटन विकास 48.90 लाख रुपये तथा विकासखण्ड हलिया के ग्राम महुगढ़ में स्थित कोटा घाट के पास कोटारानाथ मंदिर का पर्यटन विकास 47.77 लाख रुपये की लागत से कराया जायेगा। कार्यदायी संस्था को तय करते हुए आवश्यक शासनादेश जारी कर दिया गया है। निर्माण कार्यों में समयबद्धता एवं गुणवत्ता के निर्देश दिए हैं। निर्माण कार्य समय से पूरा होने पर लाभ स्थानीय निवासियों और श्रद्धाल-ओं को प्राप्त होने लगेगा।

मेरठ में पर्यटन विकास की 2232.74 लाख की 04 परियोजनाएं स्वीकृत

लखनऊ , 23 अप्रैल (एजेंसियां)। पर्यटन विभाग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 मेरठ के पर्यटन विकास के लिए 2232.74 लाख रुपये की 04 परियोजनाएं स्वीकृत की है। परियोजनाएं जनप्रतिनिधियों एवं पर्यटन निदेशालय के प्रस्ताव पर स्वीकृत की गई हैं। मेरठ का स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण योगदान है। ऐतिहासिक, पौराणिक स्थलों के लिए प्रसिद्ध है। पर्यटन विकास की योजनाएं पूरा कराकर पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं को बुनियादी सुविधाएं सुलभ करायी जा रही हैं। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि विकासखण्ड रोहटा के ग्राम पूठखास में महाभारत कालीन अति प्राचीन पाण्डेश्वर महादेव मंदिर के पर्यटन विकास हेतु 58.10 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। पर्यटन निदेशालय के प्रस्ताव पर 1857 के क्रांति स्थलों और मेरठ में शहीद स्मारक के पर्यटन विकास के लिए 452.87 लाख रुपये की धनराशि, मेरठ में सरधना के पर्यटन विकास के लिए 453.77 तथा हस्तिनापुर का समेकित पर्यटन विकास के लिए 1268.00 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। कार्यदायी संस्था प्रोजेक्ट कारपोरेशन लि. को कार्य की जिम्मेदारी दी गई है। कार्यों में गुणवत्ता एवं समयबद्धता का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। दिल्ली के समीप होने के कारण पर्यटकों और श्रद्धालुओं का महाभारत कालीन अवशेषों को देखने का क्रम लगा रहता है। पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के लिए बुनियादी सुविधाएं सृजित की जा रही हैं।

पहलगाम में मारे गए शुभम के घर पहुंचे स्पीकर व्यक्त की संवेदनाएं

लखनऊ, 23 अप्रैल (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश विधानसभा के स्पीकर सतीश महाना ने कश्मीर के पहलगाम में हुई आतंकी हमले की निंदा करते हुए हुए इसे कायराना हरकत कहा है। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने आज कश्मीर के पहलगाम में हुए नृशंस एवं बर्बर हत्याकांड में मारे गए शुभम द्विवेदी के परिजनों से भेंट कर अश्रुपूरित संवेदनाएं व्यक्त कीं।

संपादकीय

व्हाइट हाउस का घेराव

अमरीका में राष्ट्रपति आवास 'व्हाइट हाउस' का घेराव किया गया है। यह वाकई चौंका देने वाली, दुर्लभ घटना है। यह अमरीका में नागरिक आंदोलन की पराकाष्ठा है और राष्ट्रपति ट्रंप के सत्तावादी रवैये का घोर विरोध है। वैसे अमरीका में ही प्रदर्शनकारियों ने 'कैपिटल भवन' (संसद) पर हमला बोल दिया था। उसके भीतर घुस कर जबरदस्त तोड़-फोड़ की थी। उस प्रकरण में ट्रंप को 'खलनायक' करार दिया गया था, क्योंकि वह विपक्ष में थे और जो बाइडेन देश के राष्ट्रपति थे। अब अमरीका के सभी 50 राज्यों में 50 विरोध-प्रदर्शन किए जा रहे हैं, लेकिन आंदोलन एक ही है, लिहाजा उसे '50501' नाम दिया गया है। ट्रंप जनवरी, 2025 में ही अमरीका के राष्ट्रपति चुने गए। सिर्फ तीन माह में ही जनता का सामूहिक विरोध और मोहभंग के भाव स्पष्ट होने लगे हैं। बेशक यह आश्चर्यजनक है। इसके कई कारण हो सकते हैं। समझ नहीं आ रहा है कि राष्ट्रपति ट्रंप इस कार्यकाल के दौरान क्या करना और क्या हासिल करना चाहते हैं? उन्होंने संयुक्त राष्ट्र संघ, विश्व स्वास्थ्य संगठन, विश्व व्यापार संगठन आदि अंतरराष्ट्रीय महत्व के संस्थानों की 'आर्थिक मदद' पर पाबंदी लगा दी। यही नहीं, हार्वर्ड विश्वविद्यालय की 2.3 अरब डॉलर की फंडिंग पर विराम लगा दिया। दलील दी गई कि यह विश्वविद्यालय वामपंथी और विघटनकारी छात्रों की नस्लें तैयार कर रहा है। अमरीका ही नहीं, दुनिया भर में बौद्धिक संपदा के निर्माण में इस शैक्षिक संस्थान का अमूल्य तथा अप्रतिम योगदान रहा है। शायद राष्ट्रपति ट्रंप को यह तथ्य ब्रीफ नहीं किया गया कि अमरीका के 16 राष्ट्रपति (ट्रंप नहीं) हार्वर्ड के ही छात्र थे और सबसे अधिक 161 नोबेल पुरस्कार विजेता भी इसी विश्वविद्यालय ने दिए हैं। सवाल अमरीकी राष्ट्रपति से किए जाते रहे हैं कि जिन्हें अमरीकी प्रशासन परंपरागत रूप से वित्तपोषित करता रहा है, उनकी आर्थिक मदद छीन कर क्या होगा? क्या राष्ट्रपति ट्रंप अपने निर्णय पर प्रायश्चित करने की मुद्रा में हैं? कमोबेश कोई भी संगठन, संस्थान या यूनिवर्सिटी इस तरह बंद नहीं होते। अचरज जताया जा रहा है कि ट्रंप ने जो 'टैरिफ नीति' घोषित की थी और साझा कारोबार करने वाले प्रमुख देशों पर कर का बोझ लाद दिया था, क्या उससे अमरीका में नई फैक्टरियां खुलेंगी अथवा अमरीका अधिक समृद्ध देश बनेगा और महंगाई, बेरोजगारी की समस्याएं कम होंगी? इसके अलावा, राष्ट्रपति के खास सलाहकार, दुनिया के सर्वोच्च उद्योगपति एलन मस्क ने जिस योजना के तहत सरकारी नौकरियां छीनने की कवायद की है, क्या उससे अमरीका में सामाजिक सुरक्षा मजबूत और व्यापक होगी? अमरीका नागरिक स्वतंत्रता, वैचारिक स्वतंत्रता, मानवाधिकार, लोकतंत्र, सामाजिक सुरक्षा सरीखे मूल्यों की बुनियाद पर टिका है। इन मूल्यों के लिए वहां कई सार्वजनिक संघर्ष किए गए हैं। अब प्रदर्शन के दौरान बैनर-पोस्टरों पर लिखा है-ट्रंप को अल सल्वाडोर की जेल में डिपोर्ट कर दिया जाए। राष्ट्रपति पर नागरिक स्वतंत्रता और कानून के शासन को कमजोर करने के आरोप लगाए जा रहे हैं। 'व्हाइट हाउस' के अलावा मस्क की 'टेस्ला कार' के शोरूम का भी घेराव किया जा रहा है। उनमें आगजनी की घटनाएं हुई हैं। आंदोलनकारी दलील दे रहे हैं कि हमारा मकसद ट्रंप प्रशासन के तहत बढ़ते सत्तावादी और तानाशाहीपूर्ण रवैये से लोकतंत्र को बचाना है। आंदोलन अहिंसक ही रहेगा। इन विरोध-प्रदर्शनों में कई राजनीतिक दल भी शामिल हैं, लिहाजा ट्रंप के लिए नागरिक और राजनीतिक चुनौतियां दोनों ही हैं।

अमरीका ही नहीं, दुनिया भर में बौद्धिक संपदा के निर्माण में इस शैक्षिक संस्थान का अमूल्य तथा अप्रतिम योगदान रहा है। शायद राष्ट्रपति ट्रंप को यह तथ्य ब्रीफ नहीं किया गया कि अमरीका के 16 राष्ट्रपति (ट्रंप नहीं) हार्वर्ड के ही छात्र थे और सबसे अधिक 161 नोबेल पुरस्कार विजेता भी इसी विश्वविद्यालय ने दिए हैं। सवाल अमरीकी राष्ट्रपति से किए जाते रहे हैं कि जिन्हें अमरीकी प्रशासन परंपरागत रूप से वित्तपोषित करता रहा है, उनकी आर्थिक मदद छीन कर क्या होगा? क्या राष्ट्रपति ट्रंप अपने निर्णय पर प्रायश्चित करने की मुद्रा में हैं? कमोबेश कोई भी संगठन, संस्थान या यूनिवर्सिटी इस तरह बंद नहीं होते।

आप का नजरीया

सजातीय मीडिया

विज्ञापन के वृक्ष तले सियासी हरीतिमा खोज रहीं पार्टियों के लिए अब मसला एक समान हो गया है। यहां कांग्रेस का विज्ञापन, भाजपा के विज्ञापन के करीब हो गया या इस पैमाइश की जिरह में हिमाचल का अपना मीडिया कमजोर हो गया। आश्चर्य यह कि मीडिया से बड़ी विज्ञापन की शख्सियत हो गई है। दोनों ओर से दी जा रही चुनौतियों के बीच एक रिवायत सी दिखाई दे रही है, जो विज्ञापन का निर्यात करती है। सवाल यह नहीं कि कांग्रेस ने किसको क्या दिया या भाजपा ने किसे विज्ञापन के कितने गहने पहनाए, बल्कि यह जरूर है कि कई रास्ते हैं और जहां से गुजर जाते हैं अपनों के वास्ते। अंततः मीडिया की परिभाषा खुद से सवाल कर रही है। क्या सत्ता का कोई सजातीय मीडिया भी होता है। अगर यह दस्तूर है तो बहन भाजपा और मियां कांग्रेस को क्यों एक दूसरे पर मीन मेख निकालने का गुरूर। आश्चर्य यह कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने हिमाचली विज्ञापन से कीड़े निकाल दिए, लेकिन वायरस तो उनकी सरकार के दौर में भी पैदा हुआ। सरकारों के विशेषाधिकार, रिवायतें और तौर तरीके जिस तरह बजट को खिलौना बनाती हैं, वहां इस तू तू-मैं मैं से शायद निकलेगा कुछ नहीं। इस व्यवहार में भी एक रोशनी है कि सरकारें चाहें तो मीडिया नीति बना सकती हैं। मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार नरेश चौहान के आंकड़े भाजपा का किस हद तक मुंह बंद कर पाते हैं, लेकिन उन्हें अपनी सरकार की विज्ञापन नीति को बेहतर बनाने के लिए कुछ और उदाहरण भी सामने लाने होंगे। विज्ञापनों का चि_ा जब खुलता है, तो सवा दो करोड़ बनाम तीन करोड़ की पैमाइश नहीं, बल्कि संदेह यह है कि कहीं स्थानीय मीडिया की मेहनत, आधार, श्रम, साधना और राज्य के प्रति सरोकारों का आकलन कमजोर न हो जाए। हिमाचल में ही हर तरह का मीडिया शिरकत कर रहा है। अखबारें हैं, तो कुछ राज्य की भूमिका में श्रेष्ठ, कुछ राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में उज्ज्वल, तो कुछ स्थानीय परिदृश्य में एकलव्य हैं। इसी तरह कुछ इलेक्ट्रोनिक माध्यम और उनकी वकालत में राज्य का पक्ष जब किसी राष्ट्रीय सम्मेलन के मंच पर गूंजता है, तो उनके संदर्भों का खाका मजबूत होता है। अब नए और डिजिटल मीडिया के दौर में हर नेता का अपना सोशल मीडिया नेटवर्क है, तो दर्जनों पत्रकारों का अपना-अपना सुरूर है। यह मीडिया अगर हिमाचल के न्यूज चैनल के स्वरूप में चलें, तो मेहनत और मशक्कत का दस्तूर दिखाई देता है, वरना वीडियो चैनल के जाल में कौन किस तालाब में मछली और कौन तालाब की मछलियां पकड़ रहा है, इसका अंदाजा लगाने के लिए हिमाचल को मीडिया नीति में व्यवस्था परिवर्तन का ठोस आधार खोज कर लाना होगा। राज्य के संसाधनों में मीडिया का सशक्त होना, नागरिक समाज व लोकतांत्रिक अपेक्षाओं के लिए आवश्यक है। अगर हिमाचल के विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों में मीडिया की पढ़ाई का पाठ्यक्रम चल रहा है, तो युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए अखबारों, चैनलों और डिजिटल मीडिया का भी अहम रोल है। प्रदेश में मीडिया के आवरण में प्रत्यक्ष और परोक्ष रोजगार का जिक्र करें, तो करीब पांच हजार लोग इससे पारिश्रमिक, पगार या व्यवसाय चलाते हैं। ऐसे में सरकारों की भूमिका में अगर विज्ञापन का आबंटन ईमानदारी से होता है, तो राज्य के युवाओं को रोजगार देने में सहायक होता रहेगा। बहरहाल हिमाचल की आर्थिक स्थिति के वर्तमान में राज्य को संवारने की अहमियत होनी चाहिए। यह चाहे सार्वजनिक व्यय में कटौतियों को लेकर हो या आवश्यक खर्च के लिए संसाधन बचाने के लिए हो, लेकिन वित्तीय जवाबदेही के हर पहलू पर निगहबानी होनी चाहिए। हिमाचल के मंदिरों की आय, सांस्कृतिक समारोहों के आयोजन और पारंपरिक मेलों के प्रबंधन में इतना कौशल तो होना चाहिए कि राज्य मंदिर व सांस्कृतिक आर्थिकी के जरिए अपने कलाकारों को व्यवस्थित रोजगार दे सके। ऐसे में बहस यह नहीं कि किस पार्टी ने अपनी सत्ता के दौरान कितनी फिजूलखर्ची की, बल्कि यह है कि राज्य की व्यवस्था में पारदर्शिता के लिए मजबूत नीतियों का पदार्पण हो।

हिंदी का मराठी या अन्य किसी भाषा से कोई झगड़ा नहीं। क्या यह विचित्र नहीं कि हिंदी का विरोध उस महाराष्ट्र में हो रहा है, जिसकी राजधानी हिंदी फिल्म उद्योग का गढ़ है? हिंदी फिल्म उद्योग ने मुंबई को न केवल प्रतिष्ठित किया है

हिन्दी विरोध की संकीर्ण राजनीति के दंश

ललित गर्ग

महाराष्ट्र में हिन्दी का विरोध आश्चर्यकारी है। हिन्दी दुनिया का तीसरी सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा बनने की ओर अग्रसर है। हिन्दी विदेशों में सम्मान पा रहे हैं और अपने ही देश में उपेक्षा एवं विवाद का शिकार बन रही है। महाराष्ट्र और अन्य गैर हिंदी भाषी राज्यों में हिंदी की स्वीकार्यता इसलिए बढ़ रही है, क्योंकि उसकी उपयोगिता सिद्ध हो रही है। हिंदी का मराठी या अन्य किसी भाषा से कोई झगड़ा नहीं। क्या यह विचित्र नहीं कि हिंदी का विरोध उस महाराष्ट्र में हो रहा है, जिसकी राजधानी हिंदी फिल्म उद्योग का गढ़ है? हिंदी फिल्म उद्योग ने मुंबई को न केवल प्रतिष्ठित किया है, बल्कि महाराष्ट्र के लोगों को लाभान्वित भी किया है।

हिंदी को लेकर तमिलनाडु की राजनीति का आक्रामक होना कोई नयी बात नहीं है लेकिन तमिलनाडु के बाद महाराष्ट्र में हिंदी का विरोध यही बताता है कि संकीर्ण राजनीतिक कारणों से किस तरह भाषा को हथियार बनाया जा रहा है। विभिन्न राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी एवं केन्द्र सरकार को घेरने के लिये जिस तरह भाषा, धर्म एवं जातियता को लेकर आक्रामक रवैया अपनाते हुए देश में अशांति, अराजकता एवं नफरत को फैला रहे रहे हैं, यह चिन्ताजनक है। महाराष्ट्र में हिन्दी का विरोध आश्चर्यकारी है। हिन्दी दुनिया का तीसरी सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा बनने की ओर अग्रसर है। हिन्दी विदेशों में सम्मान पा रहे हैं और अपने ही देश में उपेक्षा एवं विवाद का शिकार बन रही है। महाराष्ट्र और अन्य गैर हिंदी भाषी राज्यों में हिंदी की स्वीकार्यता इसलिए बढ़ रही है, क्योंकि उसकी उपयोगिता सिद्ध हो रही है। हिंदी का मराठी या अन्य किसी भाषा से कोई झगड़ा नहीं। क्या यह विचित्र नहीं कि हिंदी का विरोध उस महाराष्ट्र में हो रहा है, जिसकी राजधानी हिंदी फिल्म उद्योग का गढ़ है? हिंदी फिल्म उद्योग ने मुंबई को न केवल प्रतिष्ठित किया है, बल्कि महाराष्ट्र के लोगों को लाभान्वित भी किया है। क्या राज ठाकरे, उद्धव ठाकरे आदि हिंदी फिल्म उद्योग का भी विरोध करेंगे? ऐसा करके वे अपने राज्य के लोगों के पैरों पर कुल्हाड़ी मारने का ही काम करेंगे। यह किसी से छिपा नहीं कि हिंदी विरोध के नाम पर लोगों की भावनाएं भड़काने का काम अपना राजनीतिक उल्लू सीधा करने के लिए किया जाता है। यह और कुछ नहीं, राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता को कमजोर करने और लोगों में वैमनस्य पैदा करने वाली क्षुद्र राजनीति है। त्रिभाषा फार्मूले में केन्द्र सरकार चाहती है कि भारत में प्रत्येक छात्र को तीन भाषाएँ सीखनी चाहिए, जिनमें से दो मूल भारतीय भाषाएँ होनी चाहिए, जिसमें एक क्षेत्रीय भाषा शामिल होनी चाहिए और तीसरी अंग्रेज़ी होनी चाहिए। यह सूत्र सरकारी और निजी दोनों स्कूलों पर लागू होता है और शिक्षा का माध्यम तीनों भाषाओं में से कोई भी हो सकता है। नेशनल एजुकेशन पॉलिसी के त्रिभाषा फार्मूले के तहत मराठी और अंग्रेजी के साथ हिंदी को पढ़ाए जाने के महाराष्ट्र सरकार के निर्णय पर विपक्षी दलों की राजनीतिक आक्रामकता का कारण वोट की राजनीति एवं भाजपा के बढ़ते वर्चस्व को विराम लगाने की स्वार्थी मानसिकता है। त्रिभाषा फार्मूले पर सबसे पहले महाराष्ट्र नवनिर्माण

सेना के राज ठाकरे ने आपत्ति उठाई। यह वही राज ठाकरे हैं, जो हिन्दुत्व का झंडा हाथ में लेकर स्व-संस्कृति की वकालत करते रहे हैं। इस पर हैरानी नहीं कि उद्धव ठाकरे भी राज ठाकरे के सुर में सुर मिला रहे हैं। उनकी शिवसेना ने एक समय दक्षिण भारतीयों को मुंबई से भगाने का अभियान छेड़ा था, फिर उसके निशाने पर उत्तर भारतीय आ गए थे। हैरानी इस बात की है कि शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता भी त्रिभाषा फार्मूले के तहत हिंदी पढ़ाए जाने का विरोध कर रहे हैं और इसके पीछे साजिश देख रहे हैं। अच्छा होता कि मराठी अस्मिता की रक्षा के बहाने हिंदी को निशाने पर ले रहे ये नेता यह बताते कि तीसरी भाषा के रूप में हिंदी का विरोध करने के क्या कारण है? केवल मोदी सरकार ने इसे प्रस्तुत किया है, इस कारण इसका विरोध मानसिक दिवालियापन का द्योतक है। तीसरी भाषा के रूप में हिंदी का चयन इसलिए सर्वथा उपयुक्त है, क्योंकि एक तो वह आधिकारिक राजभाषा एवं सबसे प्रभावी संपर्क भाषा है और दूसरे, महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में हिंदी बोलने-समझने वाले हैं। ये वे लोग हैं, जो काम-धंधे के सिलसिले में महाराष्ट्र गए और फिर वहीं बस गए। इन्होंने महाराष्ट्र के विकास में योगदान भी दिया है। इसकी अनदेखी करते हुए हिंदी का विरोध करना एक तरह का नस्लवाद ही है, एक तरह की संकीर्ण एवं स्वार्थी मानसिकता है। संचार और सूचना क्रांति तथा तेज आवागमन के चलते भाषायी स्तर पर तमिलनाडु एवं महाराष्ट्र आदि गैर हिन्दी भाषी राज्यों की स्थिति तीन-चार दशक पहले जैसी नहीं है। वहां हिंदी बोलने वालों की संख्या भले कम हो, पर उसे समझने और हिंदी में आने वाले सवालों का जवाब देने वालों की तादाद बढ़ी है। चाहे तमिलनाडु का निवासी हो या फिर महाराष्ट्र या फिर गैर हिन्दी भाषी राज्य का, उसके हाथ में यदि फोन है, उसमें इंटरनेट का कनेक्शन है, तो तय है कि उसकी अंगुलियों के नियंत्रण में हिंदी और अंग्रेजी ही नहीं, दुनियाभर की भाषाएं हैं, इसलिए हिंदी ही नहीं, किसी भी भाषा का विरोध अब दुनिया के किसी भी कोने में पूरी तरह न तो सफल हो सकता है और न ही कोई दीवार उसे रोक सकती है। फिर हिन्दी तो हिन्दुस्तान की अस्मिता एवं अस्तित्व से जुड़ी भाषा है। दुनिया में जहां कहीं भी लोग अन्यत्र जाकर बसते हैं, वे अपने साथ अपनी संस्कृति और भाषा भी ले जाते हैं। यदि कोई यह चाहता है कि ऐसा न हो तो ऐसा होने वाला नहीं है। महाराष्ट्र के विपक्षी दल इसका विरोध कर रहे हैं, तमिलनाडु में इसके रोकने के प्रयास हो रहे हैं, वहीं आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने एक अलग नजरिया दिया। उन्होंने हिंदी सहित कई भाषाओं की शिक्षा की वकालत की है। नायडू ने कहा कि भाषा केवल संचार का एक साधन है। आप सभी जानते हैं कि तेलुगु, कन्नड़, तमिल और अन्य भाषाएं विश्व स्तर पर चमक रही हैं। नॉलेज अलग है, भाषा अलग है। हिंदी भी देश में कम्युनिकेशन लैंग्वेज के तौर पर जरूरी है। हिन्दी हमारी मातृभाषा के साथ-साथ राजभाषा होने के बावजूद उसको उचित सम्मान न मिलना या हिन्दी के नाम पर विध्वसंक राजनीति होना अनेक प्रश्नों को खड़ा करती है, सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा भी हिन्दी ही है। गूगल के अनुसार हिन्दी दुनिया की ऐसी भाषा है जिसमें सर्वाधिक कंटेंट (पाठ्य सामग्री) का निर्माण होता है। सर आइजेक पिटमैन ने कहा है कि संसार में यदि कोई सर्वांग पूर्ण लिपि है तो वह देवनागरी है। निश्चित ही सशक्त भारत-विकसित भारत निर्माण एवं प्रभावी शिक्षा के लिए हिन्दी में शिक्षा की सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका है। तथ्य यह भी है कि उत्तर भारत के अलावा देश के अन्य राज्यों से जो राजनेता प्रधानमंत्री बने, उन्होंने कभी हिंदी का विरोध नहीं किया। दक्षिण भारत से पहले प्रधानमंत्री बने पी वी नरसिंह राव धाराप्रवाह हिंदी बोलते थे। कर्नाटक के नेता एच.डी. देवेगौड़ा जब पीएम बने तो उन्होंने लालकिले से हिंदी में ही अपना भाषण दिया था। हिन्दी राष्ट्रीयता एवं राष्ट्र का प्रतीक है, उसकी उपेक्षा एक ऐसा प्रदूषण है, एक ऐसा अंधेरा है जिससे छांटने के लिये ईमानदार प्रयत्न करने होंगे। क्योंकि हिन्दी ही भारत को सामाजिक-राजनीतिक-भौगोलिक और भाषायिक दृष्टि से जोड़नेवाली भाषा है। हिंदी को दबाने की नहीं, ऊपर उठाने की आवश्यकता है। भारत की गरिमा एवं गौरव की प्रतीक राष्ट्र भाषा हिन्दी को हर कीमत पर विकसित करना हमारी प्राथमिकता होनी ही चाहिए।

कुछ अलग

बदलेगा मनरेगा

भले ही मौजूदा केंद्रीय सरकार में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना यानी मनरेगा को लेकर उत्साहजनक प्रतिसाद नजर न आता हो, लेकिन बदलते वक्त में पैदा चुनौतियों में भी इसकी प्रासंगिकता कम नहीं हुई है। कोरोना काल ने इस योजना की उपयोगिता को साबित किया है। देश के ग्रामीण अंचल में जहां एक ओर लाखों श्रमिकों व महिलाओं को रोजगार मिला, वहीं अन्य राज्यों के लिये होने वाले पलायन पर रोक लगी। सही मायनों में देश के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिये एक उम्मीद बनकर उभरा है मनरेगा। खासकर अकुशल श्रमिकों को अपने घर के आसपास काम मिलने से लाखों घरों के चूल्हे जलते रहे हैं। लंबे समय से इस योजना के लिये धन आवंटन तथा काम के दिन व मजदूरी बढ़ाने की मांग होती रही है। जिस पर संसद की स्थायी समिति ने मोहर लगा दी है। दरअसल हाल ही में संपन्न बजट सत्र के अंतिम सप्ताह में संसदीय समिति ने मंदी की आहट व ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों के चलते श्रम दिवसों की संख्या डेढ़ सौ दिन करने के साथ मजदूरी चार सौ रुपये प्रतिदिन करने की सिफारिश की है। निस्संदेह, बढ़ती महंगाई व अदृश्य बेरोजगारी दूर करने में ये बदलाव लाभकारी साबित हो सकते हैं। मौजूदा दौर में कम मजदूरी में जीवन-यापन लगातार कठिन होता जा रहा है। यदि ये बदलाव सिरे चढ़ते हैं तो योजना के सार्थक परिणाम सामने आएंगे। जिसे मूर्तरूप देने हेतु मनरेगा के लिये आवंटित धन में वृद्धि भी जरूरी है। इसमें दो राय नहीं कि मनरेगा को लेकर अनेक विसंगतियां भी सामने आई हैं। इसमें भ्रष्टाचार और फर्जी प्रमाणपत्रों के जरिये लाभ उठाने के मामले हैं। लेकिन मानना चाहिए कि ग्रामीण इलाकों में कम पढ़े-लिखे लोगों व ऑनलाइन सेवाओं का उपयोग न कर पाने से भी कई तरह की विसंगतियां सामने आ सकती हैं। इसमें ठेकेदारों की मनमानी व अनियमितताओं की भी भूमिका हो सकती है।

देश दुनिया से

सतत विकास ही पृथ्वी दिवस का ध्येय

मानव जीवनयापन के दृष्टिकोण से पृथ्वी, सौरमंडल का सबसे उपयुक्त ग्रह है। पृथ्वी ब्रह्मांड का एक बिंदु मात्र है। खगोलविदों की मानें तो ब्रह्मांड का उद्भव आज से लगभग 13.8 अरब वर्ष पूर्व, बिग बैंग विस्फोट के कारण हुआ। बिग बैंग सिद्धांत के अनुसार ब्रह्मांड की उत्पत्ति एक बिंदु से हुई, जो आज भी फैलता जा रहा है। ब्रह्मांड इतना विस्तृत एवं विशाल है जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। सौरमंडल ब्रह्मांड का एक छोटा अंश है। सौरमंडल जैसे न जाने कितनी आकृतियां ब्रह्मांड में समा जाती हैं। सौरमंडल का एक महत्वपूर्ण ग्रह है पृथ्वी। पृथ्वी, सौरमंडल की वह स्थलाकृति है जहां मनुष्य जीवन के लिए अनुकूल परिस्थितियां उपलब्ध हैं जो अन्य ग्रहों में नहीं हैं। यहां जल, वायु एवं अनुकूल वातावरण सहित न जाने कितने ऐसे घटक हैं जो मनुष्य जीवन को दूसरे ग्रहों से आरामदायी एवं बेहतर बनाते हैं। इतना ही नहीं, पृथ्वी सौरमंडल का एकमात्र ग्रह है जिसकी सतह ठोस, तरल एवं गैस के अलावा वायुमंडल, बादल और मौसम जैसी अद्भुत क्रियाएं भी मौजूद हैं। इन प्राकृतिक सुख-सुविधाओं को मानव सदैव भोगता चला आ रहा है। आदिमानव से लेकर वर्तमान रोबोट के युग तक आते-आते मनुष्य ने न जाने कितने आयाम स्थापित किए हैं। ये आयाम मूलतः मनुष्य के विकास की गाथा को भी बयां करते हैं, ऐसा कहने में किंचित संशय नहीं किया जा सकता। लेकिन विकास की इस अंधी दौड़ में हमने कुछ पाने के उद्देश्य से बहुत कुछ खो दिया। यद्यपि परिवर्तन प्रकृति का नियम है, लेकिन परिवर्तन प्राकृतिक हो तो शोभनीय एवं लाभप्रद होता है। पिछले 500 से 600 वर्षों में होने वाले परिवर्तनों की तरफ यदि नजर दौड़ाएं तो जो परिवर्तन हम देखते हैं, वे भले ही विकास की गाथा

के द्योतक रहे होंगे, लेकिन कहीं न कहीं प्रकृति द्वारा तय मानकों पर खरे नहीं उतरते। परिणामस्वरूप, आज सम्पूर्ण विश्व की पृथ्वी के संरक्षण के प्रति एक सांझी समझ बनी है। चाहे पर्यावरण संरक्षण से संबंधित अंतरराष्ट्रीय पहल हो या जल एवं जलवायु परिवर्तन संरक्षण, ये चिंताएं वैश्विक मंच पर चर्चा का मुख्य मुद्दा बनी हुई हैं। इस वैश्विक चिंता एवं चर्चा के चलते ही 22 अप्रैल का दिन पूरे विश्व में पृथ्वी दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह शुरुआत संयुक्त राज्य अमेरिका के एक सीनेटर गेलार्ड नेल्सन ने वर्ष 1970 में की। उन्होंने पहली बार विश्व पर्यावरण संबंधी मुद्दों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए पूरे देश में रैलियों का आयोजन किया। उन्होंने न केवल पर्यावरण संरक्षण अपितु मानव एवं अन्य जीवित प्राणियों के बीच पारिस्थितिकी संतुलन को बनाने हेतु जनजागरण के लिए प्रयत्न किए। नतीजतन अमेरिकी सरकार ने इसी वर्ष पर्यावरण संरक्षण एजेंसी का गठन किया। इसी एक प्रयास के चलते ही वर्ष 1990 तक पृथ्वी दिवस का आयोजन विश्व के 140 देशों में होने लगा। भारत में पर्यावरण संरक्षण का यह बीड़ा अनेकों पर्यावरणविदों ने अनेक आंदोलन चलाकर उठाया। बल्कि, भारत में पर्यावरण संरक्षण का इतिहास काफी पुराना है। यहां पहला संगठित आंदोलन वर्ष 1730 में राजस्थान में खेजड़ी के पेड़ों को कटने से बचाने के लिए देखने को मिलता है जिसमें बिश्नोई समाज के 363 लोगों ने अपनी जान की बाजी लगा दी थी, जिसके कारण इसे बिश्नोई आंदोलन के नाम से जाना जाता है। वर्ष 1973 का उत्तराखंड राज्य में सुंदर लाल बहुगुणा का चिपको आंदोलन, साइलैंट वैली बचाओ आंदोलन, मेधा पाटकर का नर्मदा बचाओ आंदोलन व कर्नाटक के एपिको आंदोलन सहित न जाने कितने आंदोलन वनों को काटने से रोकने हेतु चलाए गए। हिमाचल प्रदेश की पर्यावरणविद व समाजसेवी किंकरी देवी का पर्यावरण संरक्षण हेतु आंदोलन कौन भूल सकता है, जिन्होंने वर्ष 1985 में पर्यावरण संरक्षण की लड़ाई आरंभ की और जीवनपर्यन्त इसे जारी रखा। उन्होंने न केवल पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक किया, बल्कि इसके अतिरिक्त खनन माफिया के प्रति भी जंग जारी रखी। पृथ्वी जिन कारकों के कारण मानव जीवन के लिए उपयुक्त ग्रह माना जाता है, वे सभी घटक एवं कारक आज कहीं न कहीं खतरे की जद में हैं। वर्तमान वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण व मृदा प्रदूषण मानव स्वास्थ्य व पर्यावरण दोनों को अपने आगोश में लिए हुए हैं। देश एवं प्रदेश में कैंसर, श्वास एवं हृदय संबंधी रोगियों की संख्या में निरंतर वृद्धि इस बात की पुष्टि करता है। पृथ्वी सदैव ही अपनी समृद्ध जैव विविधता के लिए जानी जाती है। जैव विविधता परिस्थितिकी तंत्र की महता किसी से छुपी नहीं, यह मनुष्य का आश्रय, खाद्य श्रृंखला व अन्य आवश्यक वस्तुओं का प्राकृतिक स्रोत है। परंतु आज हमारी पृथ्वी का पारिस्थितिकी असंतुलन व समृद्ध जैव विविधता का भी पतन हो रहा है, जो निश्चित तौर पर नीतिकारों के समक्ष गहन चिंतन का विषय है।

भारत की विरासत

मध्य प्रदेश

सांची स्तूप

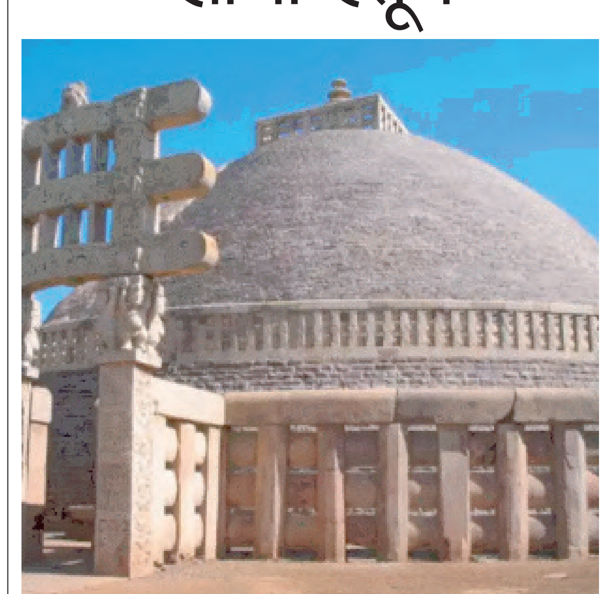

मध्य प्रदेश में स्थित सांची स्तूप में भगवान बुद्ध के अवशेष रखे हुए हैं और यह जगह बौद्ध धर्म का पालन करने वालों के लिए सबसे अहम धार्मिक स्थलों में से एक है। इस प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थल का निर्माण 3 शताब्दी ईसा पूर्व सम्राट अशोक ने करवाया था। इस स्तूप का गुंबद कानून के पहिए को सूचित करता है। साथ ही माना जाता है कि यह स्तूप बुद्ध के जीवन और मृत्यु से आजादी के नियम का भी प्रतीक है।

दृष्टि कोण

बदलती जीवन शैली से संकटमय पशु आबादी

पालतू पशुओं की संख्या कम होने का बड़ा कारण यह है कि लोग गांव छोड़कर शहरों की तरफ या विदेश जा रहे हैं। ऐसे में जब युवा ही नहीं होंगे साथ में तो पशुओं की देखभाल कौन करे। निःसंदेह, इनकी देखभाल में काफी समय और मेहनत भी लगती है। इनके रहने के लिए अतिरिक्त जगह भी चाहिए। शहरों के फ्लैट सिस्टम में तो दुधारू पशु पाले ही नहीं जा सकते। हां, सालों पहले कोलकाता में एक आदमी ने अपने आठवीं मंजिल के फ्लैट में गाय पाली थी। पशुओं की हो रही कमी सिर्फ पंजाब की ही बात नहीं है, पूरे भारत की बात है। रिपोर्ट चाहे कुछ भी कहती हो, पशु पालने में बहुत मेहनत लगती है। एक बार पंजाब के लोगों का ही एक साक्षात्कार पढ़ रही थी, जिसमें बताया गया था कि अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी जो महिलाएं विवाह करके आती हैं, उनकी रुचि खेती के कामों में नहीं है। हम जानते ही हैं कि पशुओं की देखभाल, उनकी सानी-पानी, उनका दूध दुहना आदि का काम बड़ी संख्या में महिलाएं ही करती रही हैं। लेकिन अब महिलाओं की यह पीढ़ी खत्म होने के कगार पर है। पढ़ी-लिखी लड़कियों की इस काम में इतनी दिलचस्पी भी नहीं। न ही उनमें इतनी मेहनत करने की ताकत है। उत्तर प्रदेश में भी यही हाल है। बल्कि कहें कि पूरे देश में ही अब घरों में पशु पालने का चलन कम होता जा रहा है। हालांकि उत्तर प्रदेश के बारे में कहा जाता है कि वहां सबसे अधिक पशु हैं। पशुओं को धन कहा गया है। गो धन, गज धन, बाज धन। यानी कि गाय, हाथी और घोड़े धन जैसे ही होते हैं। गाय के दूध से ही दही, मक्खन, छाछ मिलता है। पहले खेती के कामों के लिए बछड़े भी देती थी, जिनकी इन दिनों दुर्दशा है। ट्रैक्टर के आने के बाद चूंकि बैलों की जरूरत नहीं रही, तो अब वे मारे-मारे फिरते हैं। कोई उन्हें नहीं पालता। वैज्ञानिकों ने भी बैलों की पूरी प्रजाति को खत्म करने की ठान ली है। कुछ साल पहले बताया गया था कि वैज्ञानिकों ने ऐसी प्रविधि विकसित कर ली है, जिनमें गायें अब बस बछियों को ही जन्म देंगी। हमारे देखते-देखते एक पूरी प्रजाति नष्ट हो जाएगी। सिर्फ म्यूजियम्स में बचेगी। मनुष्य की स्वार्थपरता का यह एक नमूना भर है। दूसरे नम्बर का धन गज धन यानी कि हाथी। हाथी युद्ध से लेकर बहुत से कार्य में काम आता था। अमीर लोग अपनी अमीरी का प्रदर्शन करने के लिए दरवाजे पर हाथी बांधते थे। और घोड़े, उनकी उपयोगिता के तो कहने ही क्या। वे युद्ध में तो काम आते ही थे, परिवहन का साधन भी थे। माल की ढुलाई भी करते थे। लेकिन बदलते वक्त के साथ अब

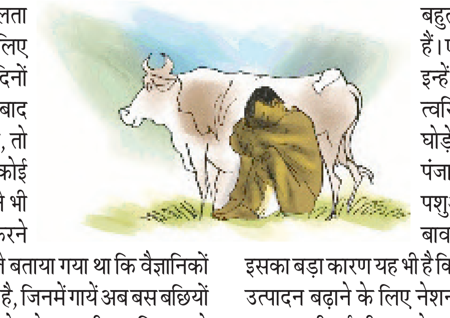

बहुत कम लोग पशु पालना चाहते हैं। एक-दो किलो दूध के लिए कौन इन्हें पाले। जब आने-जाने के इतने त्वरित साधन मौजूद हों, तो भला घोड़े की क्या जरूरत। जैसा कि पंजाब की रिपोर्ट में बताया गया कि पशुओं की संख्या कम होने के बावजूद देश में दूध की कमी नहीं है। इसका बड़ा कारण यह भी है कि अपने यहां 1970 में ही दूध का उत्पादन बढ़ाने के लिए नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड की स्थापना की गई थी। इससे जुड़े डॉ. वर्गीज कुरियन का मुख्य उद्देश्य दूध के उत्पादन को बढ़ाकर भारत को इस मामले में आत्मनिर्भर बनाना था। यह दुनिया का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादन प्रोग्राम था। गुजरात से शुरू हुआ यह प्रोग्राम पूरे भारत में छा गया था। डॉ. वर्गीज कुरियन को मिल्कमैन आफ इंडिया भी कहा जाता था। उन्होंने न केवल गुजरात में बनाए दूध और उससे जुड़े तमाम उत्पादों को भारत के घर-घर पहुंचाया बल्कि इस आंदोलन से किसानों और विशेषकर स्त्रियों को भी बहुत लाभ हुआ। उनकी आय बढ़ी। इसे अमूल का नाम दिया गया था। आज भी बहुत से लोग इन उत्पादों का उपयोग करते हैं। अमूल के विज्ञापन भी बहुत चर्चित रहते आए हैं। इसका मालिकाना हक भी दूध उत्पादन करने वालों के पास था। इसी विषय पर उन दिनों श्याम बेनेगल ने मंथन नाम से फिल्म बनाई थी। इसमें स्मिता पाटिल ने शानदार अभिनय किया था। इसके बाद तो बहुत-सी अन्य डेयरियां भी खुलीं। भारत की दस प्रमुख डेयरियों में अमूल (गुजरात), मदर डेयरी (दिल्ली), मिल्मा (केरल), दूधसागर (मेहसाणा, गुजरात), नंदिनी (कर्नाटक), पराग (महाराष्ट्र), स्रीबर (अमेरिका), वेरका (पंजाब) आवनि, (तमिलनाडु) आदि शामिल हैं। हालांकि, 1930 में ही अमूल के आने से पहले पोलसन ने भारत में दूध सप्लाई करने का काम किया था।

पहलगाम आतंकी हमला : पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने बलूचिस्तान का बदला बताने की कोशिश की!

इस्लामाबाद,23 अप्रैल (एजेंसियां)।

पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की जा रही है। इस हमले में भारत के 28 पर्यटकों की आतंकवादियों ने धर्म पूछकर हत्या कर दी है। जिसके बाद पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने जहर उगलते हुए इसे बलूचिस्तान हमले से जोड़ा है। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने इसे बलूचिस्तान में हो रहे स्वतंत्रता संग्राम से जोड़ा है। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने एक तरह से इसे बलूचिस्तान का बदला बताने की कोशिश की है। ख्वाजा आसिफ ने पाकिस्तान के एक टीवी चैनल से बात करते हुए कहा है कि हम एक नहीं कई सबूत दे चुके हैं कि बलूचिस्तान के अंदर और दूसरे इलाकों के अंदर हिंदुस्तान का हाथ है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री के जहर उगलने से कुछ ही समय पहले पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल असीम मुनीर ने हाल ही में एक बयान दिया था। जिसमें उन्होंने कश्मीर को पाकिस्तान की जुगुलर वेन यानि गले का नस बताया था। सूत्रों की मानें तो इस बयान के बाद ही लश्कर-ए-तैयबा ने पहलगाम में हमला किया है। यह हमला उस वक्त हुआ है जब अमेरिका के उप-राष्ट्रपति जेडी वेंस भारत के दौरे पर हैं। हालांकि अभी तक जांच एजेंसियां किसी नतीजे पर नहीं पहुंची हैं। लेकिन, कई इंटेलिजेंस अफसरों का मानना है कि जनरल मुनीर के बयान से आतंकियों को हौसला मिला है। उन्होंने अपने भाषण में मुसलमानों और हिंदुओं के साथ अलग व्यवहार की बात भी की थी। इससे टीआरएफ के गुर्गे उत्साहित हो गए। वहीं पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि बलूचिस्तान में जो हो रहा है, उसमें हिंदुस्तान का हाथ है, ये उनकी सरपरस्ती है, चाहे वो अफगानिस्तान में बैठकर कर रहे हैं या कहीं और बैठकर कर रहे हैं, लेकिन इसका एक लंबा इतिहास है कि हिंदुस्तान की सरपरस्ती है, पाकिस्तान के अंदर जहां भी आतंकी हमले हो रहे हैं। यानि पाकिस्तानी रक्षा मंत्री एक तरह से इसे बलूचिस्तान का बदला बता रहे हैं। जबकि भारत बलूचिस्तान में चल रहे आजादी के आंदोलन में किसी भी तरह के हाथ होने से इनकार करता रहा है। वहीं भारतीय खुफिया जानकारी के अनुसार, लश्कर ए तैइबा का टॉप कमांडर सैफुल्लाह कसूरी उर्फ खालिद इस साजिश में शामिल हो सकता है। इसके अलावा, रावलकोट के दो लश्कर कमांडरों, जिनमें से एक अबू मूसा है।

न्यूज ब्रीफ

पुतिन ने माना पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर पर नहीं करेंगे हमले

मास्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से उस प्रस्ताव पर बातचीत करने पर

सहमति जताई है, जिसमे कहा गया था कि दोनों ही देश एक दूसरे के पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर पर हमले नहीं करेंगे। सार्वजनिक क्षेत्रों व रिहायसी इलाकों में हमले रोकने की बात पर राजी होते पुतिन ने आगे और भी बातचीत के लिए रास्ते खुले होने की बात कही है। क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव का कहना था कि यह वाकई एक जटिल मसला है, जिस पर राष्ट्रपति पुतिन बातचीत करने के लिए तैयार हैं। यह अलग बात है कि पेस्कोव यह भी बताते हैं कि फिलहाल रूस और यूक्रेन के बीच किसी तरह की कोई बातचीत के लिए कोई ठोस योजना बनाई नहीं गई है। ऐसे में हमले कब और कैसे होंगे या नहीं होंगे इस पर शंका बरकरार है।

सुबह सुबह हुआ हमला: इजराइली हमले में एक ही घर के 11 लोग जिंदा जले

गाजा। एक बार फिर तबाही और मातम लेकर आई। इजरायली हमलों में कम से कम 25 फिलिस्तीनी मारे गए, जिनमें 11 लोग खान यूनिस में एक ही घर में जलकर मर गए। यह आग इजरायली हवाई हमलों की वजह से लगी बताई जा रहीं है। वहीं अस्पतालों में हालात इतने बदतर हैं कि इलाज की जगह अब वहां मौतें हो रही हैं। घायलों को दवा, ऑक्सीजन या प्राथमिक इलाज तक नहीं मिल पा रहा। डॉक्टरों के पास संसाधन नहीं हैं, न ही पर्याप्त स्टाफ। ऐसे में कई जख्मी बिना आवाज़ किए ही इस दुनिया से विदा ले रहे हैं। गाजा सिटी के पश्चिमी हिस्से में हवाई हमले में एक घर में 11 लोगों की जिंदा जलने जान चली गई, इसमें एक पति-पत्नी और उनके मासूम बच्चे भी शामिल थे। स्थिति और भी भयावह तब हो गई जब जबालिया नगर पालिका के गैराज पर हवाई हमले किए गए, जिससे मलबा हटाने वाले ट्रक और बुलडोजर भी तबाह हो गए। इससे राहत और बचाव कार्यों को भारी झटका लगा है। रिपोर्ट के अनुसार, राफा के उत्तरी हिस्से में कई परिवार अब भी फंसे हुए हैं। इज़रायली सेना ने रेड क्रॉस की गाड़ियों को उन इलाकों में जाने से रोक दिया है, जिससे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालना मुश्किल हो गया है।

एक्ट्रेस क्रिस्टन स्टीवर्ट ने अपनी मंगेतर से रचाई शादी

वॉशिंगटन (डीसी)। एक्ट्रेस क्रिस्टन स्टीवर्ट ने अपनी मंगेतर और राइटर डायलन मेयर से ईस्टर के मौके पर शादी रचा ली। इस कपल ने अब फाइनली एक दूसरे का हाथ थाम लिया है और अपनी खुशी जाहिर की है। एक इंटरव्यू में स्टीवर्ट ने बताया कि मेयर ने उन्हें कैसे प्रपोज किया था। उन्होंने कहा, मैं चाहती थी कि मुझे प्रपोज किया जाए और डायलन ने ये बहुत ही अच्छे से किया। यह सच में बहुत प्यारा और इमोशनल था। स्टीवर्ट ने पहले एक सिंपल शादी करने की इच्छा व्यक्त की थी। उन्होंने कहा था, मैं घर पर रहना चाहती हूं, जैसे मैं एलए. में रहना चाहती हूं ताकि वहां हर कोई आ सके। मैं चाहती थी कि शादी बहुत ही करीबी लोगों की मौजूदगी से हो, एकदम शांति से। हम बस खड़े होकर एक दूसरे का हाथ थामे और फिर पार्टी करें।स्टीवर्ट और मेयर की मुलाकात सालों पहले एक फिल्म पर काम करते हुए हुई थी, लेकिन छह साल बाद एक दोस्त की जन्मदिन की पार्टी तक वे कभी साथ नजर नहीं आईं। अगस्त 2019 में उनके रोमांस की अफवाहें उड़ीं और सितंबर तक, स्टीवर्ट ने एक इंटरव्यू में कहा था कि वह सगाई करने के लिए बेताब हैं। स्टीवर्ट ने मेयर से शादी करने के बारे में अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, मैं बहुत लकी महसूस करती हूं, इस दुनिया में किसी को बेहतर तरीके से जानना बहुत अच्छा है। मैं बहुत खुश और एक्साइटेड हूं। उन्होंने कहा कि वह विदेश में नहीं, बल्कि लॉस एंजिल्स में शादी करना चाहते हैं, ताकि उनका परिवार इसमें शामिल हो सके। उन्होंने कहा- मैं चाहती हूं कि शादी पूरी तरह से व्हाईट हो, मैं नहीं चाहती कि कोई अपने सिर पर बालियां पहनकर घूमे और फिर पार्टी करें। मुझे यह तरीका पसंद नहीं है। एक्ट्रेस ने पहले कहा था कि वह ज्यादा धूमधाम से शादी नहीं करना चाहती थीं। बल्कि, उन्होंने तो बस शादी करने की इच्छा जाहिर की।

चीन ने अमेरिका को दिया बड़ा झटका 86 प्रतिशत रोक दिया निर्यात

बीजिंग,23 अप्रैल (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 245 फीसदी का टैरिफ लगाए जाने के बाद चीन ने पहले अमेरिकी बोइंग विमानों को खरीदने से इनकार कर दिया था और अब उसने अमेरिका को दुर्लभ खनिजों की सप्लाई रोक दी है। सीमा शुल्क के आंकड़ों से पता चलता है कि अमेरिका को निर्यात किए जाने वाले दुर्लभ खनिजों की सभी सप्लाई करीब-करीब रोक दी गई है। आंकड़ों से पता चलता है कि मार्च में चीन ने अमेरिका को निर्यात होने वाले एक अन्य खनिज पदार्थ इटट्रियम की सप्लाई में 86 फीसदी की कटौती की है। इसी तरह स्कैडियम के निर्यात में दो तिहाई की कटौती की गई है। बता दें कि चीन टंगस्टन के कुल वैश्विक उत्पादन में 83 फीसदी, बिसमथ में 81 फीसदी, टेल्यूरियम में 75 फीसदी, इंडियम में 70 फीसदी और मोलिब्डेनम में 42 फीसदी की हिस्सेदारी रखता है। इन खनिज तत्वों का इस्तेमाल एयरोस्पेस और डिफेंस सेक्टर में होता है।

इन खनिजों के निर्यात पर बैन और सप्लाई में आई बड़ी कमी से अमेरिका का न केवल सोलर पैनल और थर्मोइलेक्ट्रिक उपकरणों का निर्माण करने वाली कंपनियां और इंडस्ट्री दबाव में हैं बल्कि स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनियों से लेकर अत्याधुनिक सैन्य उपकरण बनाने वाली कंपनियां भी परेशान हैं। दरअसल, इन कंपनियों और निर्माण उद्योग में इस्तेमाल होने वाली दुर्लभ खनिजों के भंडार और शोधन एवं प्रसंस्करण पर चीन का एकाधिकार है। इसीलिए चीन ने अमेरिका को जबाव देने के लिए सबसे पहले इन खनिजों की सप्लाई पर ब्रेक लगाया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन ने सोलर पैनल और थर्मोइलेक्ट्रिक उपकरणों के निर्माण में इस्तेमाल में बड़े पैमाने पर उपयोग की जाने वाली धातु टेल्यूरियम के निर्यात में करीब 44 प्रतिशत की गिरावट आई है। टंगस्टन रॉड शिपमेंट में लगभग 84 प्रतिशत की गिरावट आई है, जबकि अन्य खनिज पदार्थ टंगस्टन के निर्यात में 77 प्रतिशत की गिरावट आई है। सीमा शुल्क के आंकड़ों के अनुसार, मोलिब्डेनम पाउडर, बिस्मथ उत्पादों और टंगस्टन सामग्री की अन्य तीन श्रेणियों सहित कुछ उत्पाद श्रेणियों के लिए शिपमेंट पूरी तरह से रोक दिए गए हैं। फरवरी में अमेरिका द्वारा चीन पर टैरिफ लगाए जाने के बाद से ही टंगस्टन, बिस्मथ, टेल्यूरियम, इंडियम और मोलिब्डेनम के निर्यात पर चीन ने प्रतिबंध लगाना शुरू कर दिया था। चीनी नियमों के मुताबिक निर्यातकों को इन खनिजों को विदेश भेजने से पहले सरकार की मंजूरी लेनी होती है। लेकिन अमेरिका से बढ़ते व्यापार युद्ध के बाद चीन सरकार ने इन नियातों पर बैन लगा दिया है। चीन की कोशिश है कि इस तरह का प्रतिबंध लगाकर अमेरिका पर दबाव बढ़ाया जा सके ताकि वह 245 फीसदी के टैरिफ को कम कर सके।

सेब के एक-दो बीज खा भी ले, तो नहीं होता कोई गंभीर खतरा

वाशिंगटन। कहा जाता है कि रोज एक सेब खाने से कई बीमारियों से बचाव संभव है। सेब में मौजूद प्राकृतिक तत्व शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करते हैं। लेकिन अक्सर यह सवाल उठता है कि क्या सेब के बीज जहरीले होते हैं यह चिंता इसलिए भी होती है क्योंकि लंबे समय से माना जाता रहा है कि सेब के बीजों में जहर होता है और इन्हें खाना खतरनाक हो सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार सेब के बीजों में एमिग्डालिन नामक एक कंपाउंड पाया जाता है। यह कंपाउंड शरीर में पहुंचने के बाद पाचन प्रक्रिया के दौरान सायनाइड में बदल सकता है। सायनाइड एक घातक रसायन है, जिसका इस्तेमाल इतिहास में युद्ध, हत्या और आत्महत्या के लिए किया जाता रहा है। अगर सेब के बीजों को अच्छे से चबाया जाए, तो एमिग्डालिन एक्टिवेट हो सकता है और शरीर में सायनाइड रिलीज कर सकता है। हालांकि, अच्छी बात यह है कि शरीर थोड़ी मात्रा में सायनाइड को डिटॉक्सीफाई करने की क्षमता रखता है। इसलिए अगर कोई व्यक्ति गलती से एक-दो बीज चबाकर खा भी ले, तो कोई गंभीर खतरा नहीं होता। यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) के मुताबिक, एक सेब में औसतन पांच बीज होते हैं, हालांकि यह संख्या सेब की किस्म पर निर्भर करती है।रिपोर्ट के अनुसार, अगर कोई व्यक्ति लगभग 200 बीज चबाकर खा जाए, तो यह जानलेवा साबित हो सकता है। यानी लगभग 40 सेबों के बीज इतनी मात्रा में सायनाइड छोड़ सकते हैं।

सऊदी अरब के स्लीपिंग प्रिंस ने कोमा में मनाया अपना जन्मदिन

रियाद,23 अप्रैल (एजेंसियां)।

सऊदी अरब के शाही परिवार के सदस्य प्रिंस अल-वालीद बिन खालिद बिन तलाल ने कोमा में रहते हुए 36 साल पूरे कर लिए हैं। वे पिछले लगभग दो दशकों से ऐसी ही हालत में हैं, जिसे दुनिया स्लीपिंग प्रिंस के नाम से जानती है। प्रिंस अल-वालीद किंग अब्दुलअज़ीज़ के परपोते हैं और प्रिंस तलाल बिन अब्दुलअज़ीज़ के पोते।

प्रिंस अल-वालीद अब भी मेडिकल उपकरणों के सहारे जीवन से जुड़े हुए हैं। उनका परिवार अब भी हर दिन एक चमत्कार की उम्मीद में है। उनके जीवन और संघर्ष की कहानी सऊदी समाज और दुनिया भर में लोगों के लिए भावनात्मक और आशाजनक प्रेरणा बनी हुई है। 2019 में कुछ रिपोर्ट्स सामने आई थीं, जिनमें कहा गया कि प्रिंस ने अपनी उंगली हिलाई या सिर को थोड़ा घुमाया लेकिन यह हरकतें चेतना की पूर्ण वापसी में नहीं बदलीं। 18 अप्रैल को उनके जन्मदिन पर सोशल मीडिया पर उनके लिए प्रार्थनाएं अर्पित की गईं। कई लोगों ने उनके

प्रिंस के जन्मदिन पर सोशल मीडिया पर उनके लिए प्रार्थनाएं अर्पित की गईं

परिवार के साथ तस्वीरें साझा कीं, जो अब भी उम्मीद के साथ उनके पास बैठे हैं। डॉक्टरों ने कई बार सुझाव दिया कि जीवन रक्षक उपकरणों को हटाया जाए, लेकिन प्रिंस के पिता, प्रिंस खालिद बिन तलाल ने इस सलाह को ठुकरा दिया। उन्होंने कहा, अगर अल्लाह चाहते कि वह दुर्घटना में मर जाए, तो वह कब्र में होता। प्रिंस अल-वालीद अब भी मेडिकल उपकरणों के सहारे जीवन से जुड़े हुए हैं। उनका परिवार अब भी हर दिन एक चमत्कार की उम्मीद में है। उनके जीवन और संघर्ष की कहानी सऊदी समाज और दुनिया भर में लोगों के लिए भावनात्मक और आशाजनक प्रेरणा बनी हुई है। 2019 में कुछ रिपोर्ट्स सामने आई थीं, जिनमें कहा गया कि प्रिंस ने अपनी उंगली हिलाई या सिर को थोड़ा घुमाया लेकिन यह हरकतें चेतना की पूर्ण वापसी में नहीं बदलीं। 18 अप्रैल को उनके जन्मदिन पर सोशल मीडिया पर उनके लिए प्रार्थनाएं अर्पित की गईं। कई लोगों ने उनके परिवार के साथ तस्वीरें साझा कीं, जो अब भी उम्मीद के साथ उनके पास बैठे हैं।

रुसी हमले के बाद राहत व बचाव दल के कर्मचारी काम करते हुए

यूक्रेन में रुसी हमले के बाद राहत व बचाव दल के कर्मचारी वहां काम करते हुए।

सिंध प्रांत में चोलिस्तान परियोजना का विरोध, पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी ने शाहबाज सरकार गिरने की चेतावनी दी

इस्लामाबाद,23 अप्रैल (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में खैरपुर शहर के पास बड़ी संख्या में लोगों ने प्रदर्शन कर रेलवे लाइन को जाम कर दिया। इसकारण पंजाब की ओर जाने वाली सभी ट्रेनें रुक गई। ये प्रदर्शन सिंधु नदी नहर परियोजना के खिलाफ हो रहा है। दक्षिण पंजाब की जमीन की सिंचाई के लिए पाकिस्तान सरकार ने चोलिस्तान परियोजना शुरू की है। इस योजना का देशभर में राजनीतिक दल विरोध कर रहे हैं।

शाहबाज सरकार की सहयोगी पार्टी पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) ने भी इसका कड़ा विरोध किया है। पीपीपी ने चेतावनी दी है कि अगर योजना रद्द नहीं हुई, तब शहबाज शरीफ की सरकार को गिरा सकते हैं। बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों और कुछ राष्ट्रवादी पार्टियों के कार्यकर्ताओं ने खैरपुर शहर के पास अपना विरोध जारी रखा और रेलवे लाइन को जाम कर दिया।

सिंध प्रांत में प्रदर्शनकारी और राजनीतिक पार्टियों के नेता जगह-जगह बड़ी सभाएं कर शहबाज शरीफ सरकार और उसकी सहयोगी पार्टी पीपीपी की आलोचना कर रहे हैं। उनका कहना है कि यह योजना सिंध की उपजाऊ जमीन को रेगिस्तान में बदलने की साजिश है। नहर परियोजना के खिलाफ देशभर में हो रहे विरोध को वकीलों का भी समर्थन मिला है। सिंध प्रांत में वकीलों ने लगातार तीसरे दिन धरना दिया।

विरोध प्रदर्शन में लोगों ने कई घंटों तक रेल पटरी जाम कर दी थी, लेकिन बाद में रेल सेवा फिर से शुरू कर दी गई। हालांकि, नहर परियोजना के खिलाफ जारी प्रदर्शन और रैलियों की वजह से पूरे सिंध प्रांत में जनजीवन प्रभावित हो रहा है। जामशोरो, लरकाना, नौशहरो फिरोज, सुजावल, नवाबशाह और घोटकी जैसे बड़े शहरों और कस्बों में विरोध के चलते बाजार बंद रहे। कई जगहों पर लोगों ने सड़कों और राष्ट्रीय राजमार्गों को जाम कर दिया, जिससे सिंध और पंजाब के बीच आने-जाने का रास्ता बंद हो गया।

पाकिस्तानी सरकार ने ग्रीन पाकिस्तान इनिशिएटिव के तहत 3.3 अरब डॉलर की लागत से छह नहरों का निर्माण करने की योजना बनाई है, जिससे दक्षिण पंजाब में 12 लाख एकड़ कथित बंजर भूमि को सिंचित किया जाएगा। हालांकि, सिंध प्रांत ने इस फैसले पर कड़ा विरोध जताया है। सिंध सरकार को आशंका है कि इन नहरों के निर्माण से सिंधु नदी से उसके हिस्से का पानी कम हो जाएगा।

तेजी से बढ़ रही है इंसुलिन रेजिस्टेंस की समस्या

लंदन,23 अप्रैल (एजेंसियां)।

वर्तमान में बिगड़ती जीवनशैली की वजह से इंसुलिन रेजिस्टेंस की समस्या तेजी से बढ़ रही है। इसकी वजह से खाने से मिलने वाला ग्लूकोज शरीर की मसल्स, लिवर और फैट सेल्स में ऊर्जा के रूप में नहीं पहुंच पाता। यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें शरीर इंसुलिन हार्मोन का सही तरीके से उपयोग नहीं कर पाता।

इसके परिणाम स्वरूप ब्लड शुगर का स्तर बढ़ने लगता है और थकान, कमजोरी, अत्यधिक भूख लगना, बार-बार प्यास लगना और बार-बार यूरिन आने जैसी समस्याएं सामने आने लगती हैं। अगर समय रहते ध्यान न दिया जाए तो यह स्थिति

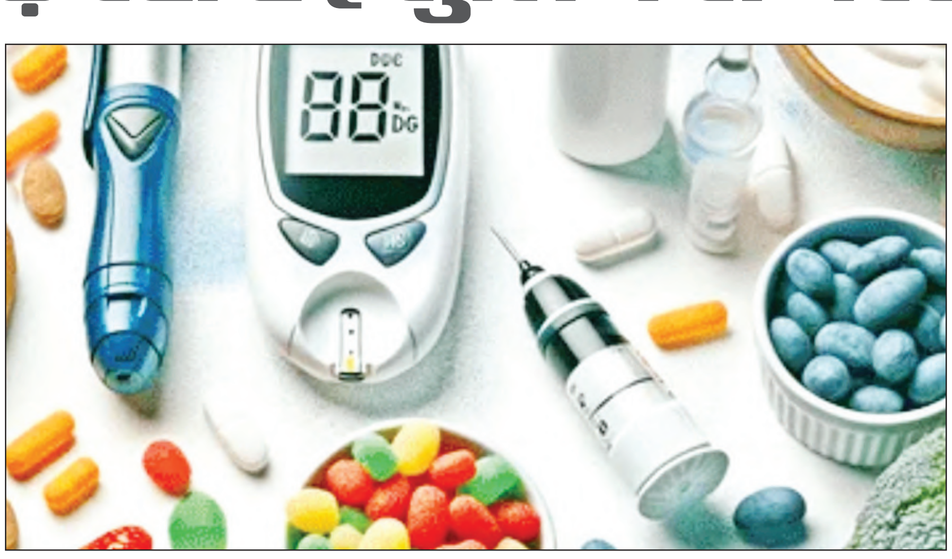

टाइप 2 डायबिटीज का रूप ले सकती है। अच्छी बात यह है कि इस समस्या को कुछ घरेलू उपायों और सही खानपान के ज़रिए कंट्रोल किया जा सकता है, खासकर सुबह खाली पेट कुछ नेचुरल चीजों का सेवन करके इंसुलिन सेंसिटिविटी को बेहतर बनाया जा सकता है।

इंसुलिन रेजिस्टेंस की समस्या को कम करने के लिए रोजाना सुबह खाली पेट एक चम्मच मेथी दाना पानी में भिगोकर उसका पानी पीना बेहद लाभकारी माना जाता है। यह न केवल ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करता है बल्कि शरीर में इंसुलिन की कार्यक्षमता को भी बढ़ाता है। वहीं दालचीनी की ड्रिंक भी एक कारगर उपाय है। एक स्टिक दालचीनी को रातभर पानी में भिगोकर अगली सुबह उसका पानी पीने से मेटाबॉलिज्म बेहतर होता है और शुगर लेवल स्थिर रहता है।

इसके अलावा आंवला भी इस मामले में बेहद असरदार माना गया है। रोजाना सुबह एक आंवले का सेवन या उसका थोड़ा सा जूस पीने से ब्लड शुगर नियंत्रित रहता है और इम्युनिटी भी मजबूत होती है। साथ ही अलसी के दाने, जो ओमेगा-3 फैटी एसिड और फाइबर से भरपूर होते हैं, उन्हें रातभर भिगोकर सुबह चबाना इंसुलिन सेंसिटिविटी बढ़ाने में मदद करता है। बादाम भी इसी श्रेणी में आता है। 5-6 भीगे हुए बादाम रोजाना सुबह खाली पेट खाने से न सिर्फ हेल्दी फैट्स और मैग्नीशियम मिलता है, बल्कि यह ब्लड शुगर को भी संतुलित करता है।

आईपीएल में तकनीकी क्रांति : डब्ल्यूटी विजन ने पेश किया रोबोट डॉग कैमरा

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के साथ मिलकर डब्ल्यूटीविजन ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के दौरान सीधा प्रसारण (लाइव ब्रॉडकास्ट) की दुनिया में एक अनोखा प्रयोग किया है। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच हुए मुकाबले में पहली बार एक रोबोटिक डॉग कैमरा प्रणाली का उपयोग किया गया, जिसने दर्शकों का दिल जीत लिया।

यह अनोखी तकनीक डब्ल्यूटीविज़न और ओम्नीकैम की साझेदारी में विकसित की गई है, जिसका उद्देश्य सीधा खेल प्रसारण को और भी भावनात्मक, संवादात्मक और दर्शकों से जुड़ाव भरा बनाना है। इस कुत्ते के आकार वाले रोबोट कैमरे ने मैदान पर खिलाड़ियों, अंपायरों और दर्शकों के साथ वास्तविक समय में प्रतिक्रिया देते हुए हाथ मिलाना, कूदना और दिल के संकेत जैसे भावनात्मक क्षणों को कैमरे में कैद किया।

बीसीसीआई की विपणन और प्रसारण टीम ने इसे एक मनोरंजक और भावनात्मक जुड़ाव का जरिया बताया। इस कैमरा प्रणाली ने दर्शकों के लिए मैच के दौरान आरामदायक, मजेदार और सोशल मीडिया पर साझा करने योग्य पल बनाए, जिससे स्टेडियम के भीतर और टीवी स्क्रीन पर दोनों जगह एक नया अनुभव मिला।

डब्ल्यूटीविजन और ओम्नीकैम की तकनीकी टीम ने इसके लिए एक विशेष अनुकूलित संतुलन प्रणाली तैयार की, जो मैदान की ऊबड़-खाबड़ सतह पर भी कैमरे को स्थिर बनाए रखती है। इसमें रिमोट पैन-टिल्ट प्रणाली, वीडियो आरएफ प्रणाली और एक विशेष त्रि-आयामी मुद्रित मजबूत ढांचा शामिल है,जिससे कैमरा सहज और स्पष्ट दृश्य देने में सक्षम है।

इस 'रोबोट डॉग कैमरा' विशेषता को सोशल मीडिया पर शानदार प्रतिक्रिया मिली है। आईपीएल के इस नवाचार वीडियो को अब तक 58 लाख से अधिक बार देखा जा चुका है, 5.6 लाख से अधिक पसंद और 72 हजार से अधिक बार साझा किया जा चुका है। प्रशंसकों ने इसे प्यारा, दिल छू लेने वाला, और मैच की सबसे सुंदर आश्चर्यचकित करने वाली बात कहा। बीसीसीआई ने अब प्रशंसकों से इस रोबोट डॉग कैमरा का नाम सुझाने की भी अपील की है, जिससे भागीदारी और बढ़ गई है।

न्यूज ब्रीफ

त्रिकोणीय वनडे सीरीज के लिए श्रीलंकाई महिला क्रिकेट टीम घोषित, तीन नए चेहरों को मौका

कोलंबो। भारत और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 27 अप्रैल से शुरू हो रही महिला वनडे त्रिकोणीय सीरीज के लिए श्रीलंका ने अपनी 17 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। इस टीम की कमान अनुभवी बल्लेबाज चमारी अटापट्टू को सौंपी गई है। श्रीलंका सीरीज की शुरुआत 27 अप्रैल को भारत के खिलाफ कोलंबो में करेगी। टीम में तीन नई खिलाड़ी — माल्की मडारा, देवमी विहांगा और पिउमी बडालगे को शामिल किया गया है, जिन्होंने अभी तक श्रीलंका के लिए वनडे नहीं खेला है। इन तीनों के अलावा टीम में कुल छह बदलाव किए गए हैं जो इस साल की शुरुआत में न्यूजीलैंड दौरे पर गई टीम का हिस्सा नहीं थे। टीम में अनुभवी स्पिनर इनोका राणावीरा, हसीनी परेरा और हंसिमा करुणारत्ने की भी वापसी हुई है। वहीं, इमेशा दुलानी, सचिनी निसांसला, कौशिनी नुथ्यांगना, चेथना विमुक्ति और घायल उदेशिका प्रभोदनी को टीम से बाहर कर दिया गया है। 24 वर्षीय स्पिनर माल्की मडारा ने पिछले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में अपने पहले ही मैच में तीन विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया था। 19 वर्षीय देवमी विहांगा, जो एक स्पिन ऑलराउंडर हैं, को भी पहली बार वनडे टीम में जगह मिली है। वहीं, 29 वर्षीय पिउमी बडालगे, जो पनादुरा क्रिकेट क्लब की कप्तान हैं, को पहली बार राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है। 18 वर्षीय बल्लेबाजी ऑलराउंडर रश्मिका सेव्वंदी, जो हाल ही में अंडर-19 विश्व कप में श्रीलंका की ओर से खेलीं थीं, टीम में शामिल की गई हैं और वह तेज़ गेंदबाज़ी विभाग में आचिनी कुलसूरिया के साथ होंगी। टीम का बल्लेबाज़ी विभाग अपेक्षाकृत स्थिर है जिसमें कप्तान अटापट्टू के साथ हरशिता समरविक्रमा, विश्मी गुणरत्ने, कविशा दिलहारी, अनुष्का संजीवनी और निलाक्षिका सिल्वा शामिल हैं। श्रीलंका टीम इस प्रकार है : चमारी अटापट्टू (कप्तान), हरशिता समरविक्रमा, विश्मी गुणरत्ने, निलाक्षिका सिल्वा, कविशा दिलहारी, अनुष्का संजीवनी (विकेटकीपर), मनुड़ी ननायक्कारा, हसीनी परेरा, आचिनी कुलसूरिया, पिउमी बडालगे, देवमी विहांगा, हंसिमा करुणारत्ने, माल्की मडारा, इनोशी प्रियदर्शिनी, सुगंधिका कुमारी, रश्मिका सेव्वंदी, इनोका राणावीरा।

ला लीगा 2024-25: ओल्मो के गोल से बार्सिलोना ने मल्लोर्का को हराया

बार्सिलोना। बार्सिलोना ने ला लीगा खिताब की ओर एक और मजबूत कदम बढ़ाते हुए मंगलवार देर रात मल्लोर्का को 1-0 से हराया। इस जीत के साथ ही शीर्ष पर काबिज बार्सिलोना ने दूसरे स्थान पर मौजूद रियल मैड्रिड पर अपनी बढ़त सात अंकों की कर ली है। ओल्मो ने दिलाई अहम जीत, रियल पर दबाव स्पेन के इंटरनेशनल डानी ओल्मो के गोल ने बार्सिलोना को जीत दिलाई और मौजूदा चैंपियन रियल मैड्रिड पर दबाव बढ़ा दिया। रियल का अगला मुकाबला बुधवार को गेटाफे के खिलाफ है। हांसी फ्लिक की टीम अब संभावित 'क्वाड्रपल' (चार खिताब) की ओर देख रही है। कई स्टार प्लेयर्स को मिला आराम, फाती को मिला पहला स्टार्ट शनिवार को होने वाले कोपा डेल रे फाइनल से पहले कोच फ्लिक ने कई प्रमुख खिलाड़ियों को आराम दिया। अक्टूबर के बाद पहली बार अंसु फाती को शुरुआत करने का मौका मिला। वहीं हेक्तर फोर्ट को डिफेंस के बाएं ओर और फेरान टोरेस को चोटिल लेवांडोव्स्की की जगह आक्रमण में उतारा गया। पहले हाफ में कई मौके, लेकिन गोल नहीं बार्सिलोना ने पहले हाफ में एक के बाद एक मौके बनाए, लेकिन गोल नहीं हो सका। गावी का शॉट पोस्ट से टकराया, वहीं टोरेस और फाती ने आसान मौके गंवाए। युवा खिलाड़ी लामिन यामाल और फोर्ट के प्रयासों को भी मल्लोर्का के गोलकीपर लियो रोमान ने शानदार तरीके से रोका।

आईपीएल 2025: दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ सुपरजायंट्स को 8 विकेट से हराया

लखनऊ। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 40वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने केएल राहुल और अभिषेक पोरेल के अर्धशतकों की मदद से लखनऊ सुपरजायंट्स को 8 विकेट से हरा दिया है। लखनऊ ने एडेन मार्करम के अर्धशतक के दम पर 20 ओवर में छह विकेट पर 159 रन बनाए, जवाब में दिल्ली ने 17.5 ओवर में दो विकेट पर 161 रन बनाकर मैच जीत लिया। दिल्ली के लिए राहुल ने 42 गेंदों पर तीन चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 57 रन बनाए, जबकि पोरेल ने 36 गेंदों पर पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 51 रन की पारी खेली। वहीं, कप्तान अक्षर पटेल ने 20 गेंदों पर 34 रन की दमदार पारी खेली। जबकि कुरुण नायर सिर्फ 15 रन का योगदान दे सके। लखनऊ सुपरजायंट्स के लिए दोनों सफलताएं एडन मार्करम को मिले। इससे पहले, लखनऊ ने बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 159 रन बनाए। लखनऊ के लिए एडन मारक्रम ने 52 रन और मिचेश मार्श ने 45 रन की पारी खेली। इनके अलावा, आयुष बडोनी ने 36 और डेविड मिलर ने 14 रन बनाए। शेष कोई बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सका।

अस्मिता लीग से उभरीं भारत की हॉकी स्टार्स, मिजोरम की पांच बेटियों का राष्ट्रीय सेलेक्शन केंद्रों में चयन

नई दिल्ली

भारतीय महिला हॉकी के भविष्य की पहचान अब मिजोरम से भी होने लगी है। अस्मिता सब-जूनियर हॉकी लीग के समापन के बाद स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) ने 16 साल से कम उम्र की 15 प्रतिभाशाली लड़कियों को विभिन्न नेशनल सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस में प्रशिक्षण के लिए चुना है। इनमें से सबसे ज्यादा पांच खिलाड़ी मिजोरम से हैं।

चयनित खिलाड़ियों में हरियाणा से तीन, झारखंड और ओडिशा से दो-दो, जबकि आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश से एक-एक खिलाड़ी हैं। यह चयन 2024-25 के अस्मिता लीग के प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। साई के हाई परफॉर्मेंस डायरेक्टर पियूष दुबे ने बताया कि ये खिलाड़ी 2026 और 2032 ओलंपिक को ध्यान में रखते हुए चुनी गई हैं। उन्होंने कहा, अस्मिता लीग ने बीते तीन-चार वर्षों में महिला हॉकी को एक नई दिशा दी है। सुनेलीता टोप्पो, सुजाता कुजूर और साक्षी राणा जैसी कई खिलाड़ी इसी लीग से निकलकर अब भारत का प्रतिनिधित्व कर रही हैं।

साई शक्ति की हैट्रिक जीत, मिजोरम को गर्व – अस्मिता लीग के अंतिम चरण में 6 टीमों के 120 खिलाड़ी शामिल हुए और कुल 17 मुकाबले खेले गए। 15.5 लाख रुपये इनामी इस प्रतियोगिता का खिताब साई शक्ति ने लगातार तीसरी बार जीतते हुए मध्यप्रदेश हॉकी अकादमी को 2-1 से हराया। ओडिशा की नवल टाटा हाई परफॉर्मेंस सेंटर तीसरे और प्रीतम सिवाच हॉकी अकादमी चौथे स्थान पर रही।

मिजोरम में हॉकी की नई लहर – मिजोरम अब तक फुटबॉल और बॉक्सिंग के लिए जाना जाता रहा है, लेकिन पहली बार सीनियर महिला हॉकी चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीत चुका है। कोच लालरोथुआमी खुद जूनियर भारतीय खिलाड़ी रह चुकी हैं, अब थेनज़ॉल स्थित साई सेंटर में कोचिंग दे रही हैं। उन्होंने बताया कि मिजोरम में अब करीब 40 लड़कियां नियमित रूप से हॉकी की ट्रेनिंग ले रही हैं।

ललरेम्सियामी बनी प्रेरणा, सोशल मीडिया का हो रहा उपयोग – टोक्यो ओलंपियन और भारतीय टीम की खिलाड़ी ललरेम्सियामी की तस्वीरें और प्रोफाइल का उपयोग कर गांवों में ट्रायल के लिए लड़कियों को आकर्षित किया जा रहा है। इनमें दो खिलाड़ी ललथांतलुआंगी और लालरिनपुई अस्मिता लीग से निकलकर अब जूनियर इंडिया टीम में हैं।

नेशनल सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस में चयन, लेकिन बनी रहेगी चुनौती – नेशनल सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस में चयनित होना स्थायी नहीं होता। हर साल दो मूल्यांकन होते हैं जिनमें खिलाड़ियों की शारीरिक क्षमता, स्पोर्ट्स साइंस टेस्ट और स्किल्स के आधार पर परख की जाती है। जो तय मानकों पर खरे नहीं उतरते, उन्हें बाहर कर दिया जाता है, जिससे गुणवत्ता बनी रहती है। कोच लालरोथुआमी ने कहा, मिजोरम की लड़कियां ताकतवर और सहनशक्ति में बेहतरीन हैं, उन्हें अब बेहतर सुविधाओं का पूरा लाभ उठाना चाहिए।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ओपनर कीथ स्टैकपोल का 84 वर्ष की उम्र में निधन

मेलबर्न, 23 अप्रैल (एजेंसियां)।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट ओपनर कीथ स्टैकपोल का मंगलवार को 84 वर्ष की उम्र में हार्ट अटैक से निधन हो गया है। उन्होंने अपने करियर में 43 टेस्ट मैच खेले और 7 शतक लगाए थे। स्टैकपोल ने ना सिर्फ बल्ले से बल्कि गेंद से भी टीम के लिए योगदान दिया और बाद में एक लोकप्रिय टीवी व रेडियो कमेंटेटर भी बने।

मिडिल ऑर्डर से ओपनर बनने तक का सफर

स्टैकपोल ने 1966 में इंग्लैंड के खिलाफ मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज और लेग स्पिन गेंदबाज के रूप में टेस्ट डेब्यू किया था। लेकिन 1969 की शुरुआत में उन्हें ओपनिंग की जिम्मेदारी दी गई, जहां उन्होंने बिल लॉरी के साथ मजबूत जोड़ी बनाई।

इंग्लैंड के खिलाफ खास प्रदर्शन

कीथ स्टैकपोल ने अपना पहला टेस्ट शतक साउथ अफ्रीका के खिलाफ केपटाउन में लगाया था, जबकि उनका सर्वोच्च स्कोर 207 रन इंग्लैंड के खिलाफ 1970 में गाबा (ब्रिस्बेन) में आया। इंग्लैंड के खिलाफ उनका प्रदर्शन बेहद शानदार रहा—उन्होंने 55.21 की औसत से रन बनाए और तीन शतक जमाए। 1972 की एशेज सीरीज में वे इयान चैपल के उपकप्तान थे और सबसे ज्यादा 485 रन बनाए थे। इसके चलते उन्हें 1973 में विज्डन क्रिकेटर ऑफ द ईयर भी चुना गया।

अनोखे अंदाज में टेस्ट करियर का अंत

1974 में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ ऑकलैंड में उन्होंने अपने करियर का आखिरी टेस्ट खेला, जिसमें वे दोनों पारियों में खाता भी नहीं खोल पाए। पहली ही गेंद पर फुल टॉस पर आउट होकर उन्होंने लिखा था— मैंने गेंद को सिर के पास एक गज की दूरी पर देखा और पीछे हट गया, लेकिन बैट के किनारे से लगकर गेंद स्लिप में चली गई। शायद टेस्ट क्रिकेट का पहला मौका था जब कोई बिना गेंद ज़मीन पर गिरे आउट हो गया।

मुंबई ने लगाया जीत का चौका, हैदराबाद को सात विकेट से हराया

बोल्ट के बाद रोहित चमके

हैदराबाद, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल की 5 बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस कई सीजन बार ऐसा खेल दिखा रही है, जिसके लिए वह जानी जाती है। शुरुआत दो मैच हारने के बाद पॉइंट टेबल में अंतिम नंबर पर चल रही मुंबई की टीम अब तीसरे नंबर पर आ गई है। सनराइजर्स हैदराबाद को हराकर मुंबई ने आईपीएल 2025 में अपनी 5वीं और लगातार चौथी जीत हासिल की। टीम को 7 विकेट से जीत मिली। राजीव गांधी स्टेडियम पर आसान विकेट पर हैदराबाद की टीम 8 विकेट पर 143 रन ही बना पाई। मुंबई ने तीन विकेट खोकर मुकाबला 16वें ओवर में ही जीत लिया। हैदराबाद की यह 8 मैच में छठी हार है।हेनरिक क्लासेन के 44 गेंद में 71 और अभिनव मनोहर के 43 रन की मदद से सनराइजर्स हैदराबाद को इस स्कोर तक पहुंचाया। टीम की शुरुआत बहुत खराब रही और पावरप्ले में ही 4 विकेट गिर गए थे। इसके बाद क्लासेन ने पारी को संभाला। उन्होंने अपनी पारी में नौ चौके और दो छक्के लगाये।

उन्होंने इंपैक्ट सब्स्टीट्यूट अभिनव के साथ 99 रन की साझेदारी की। अभिनव ने 37 गेंद में दो चौकों और तीन छक्कों के साथ 43 रन बनाये। ट्रेंट बोल्ट ने 4 ओवर में 26 रन देकर 4 जबकि दीपक चाहर ने 4 ओवर में 12 रन देकर 2 विकेट लिए।सनराइजर्स के शीर्षक्रम के बल्लेबाजों ने पूरी तरह निराश किया। ईशान किशन (एक) ने मैदान से जाने का फैसला किया जबकि गेंद उनके बल्ले को छूकर विकेटकीपर के हाथ में नहीं गई थी। दीपक चाहर की गेंद लेग साइड के बाहर से जा रही थी जिसे अंपायर ने वाइड करार दिया लेकिन किशन को वापस जाते देख उन्होंने ऊंगली उठा दी। ट्रेविस हेड (0) ने ट्रेंट बोल्ट की गेंद पर थर्ड मैन में नमन धीर को कैच थमाया। अभिषेक शर्मा (आठ) ने छक्के के साथ शुरुआत की लेकिन बोल्ट की गेंद पर विग्नेश पुथुर को कैच दे बैठे। वहीं नीतीश कुमार रेड्डी ने चाहर की गेंद पर मिडआन में मिचेल सेंटनेर को कैच थमाया।

नौ ओवर के भीतर पांच विकेट 35 रन पर गिरने के बाद क्लासेन ने मोर्चा संभाला। उन्होंने पुथुर को दसवें ओवर में दो चौके और एक छक्का लगाया। इसके बाद पंड्या को तीन चौके लगाये। दूसरे छोर से क्लासेन को सहयोग नहीं मिला। अभिनव ने बड़ा शॉट खेलने से पहले सात गेंदें खराब की। क्लासेन को जसप्रीत बुमराह ने तिलक वर्मा के हाथों लपकवाया जबकि अभिनव को बोल्ट ने पवेलियन भेजा। बुमराह का यह 300वां टी20 विकेट था।

बाबा दीप सिंह हॉकी एंड बास्केटबॉल टूर्नामेंट में खालसा, रामजस और किरोड़ी मल कॉलेज ने जीते मैच

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)।

पीएसपीबी चौथे बाबा दीप सिंह हॉकी एंड बास्केटबॉल टूर्नामेंट के दूसरे दिन पुरुष वर्ग में श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज, रामजस कॉलेज, किरोड़ी मल कॉलेज और खालसा कॉलेज एलुमनी ने जीत दर्ज की।

श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज ने दयाल सिंह कॉलेज को 74 -59 से हराया। विजयी टीम के साहिल माथुर प्लेयर ऑफ द मैच बने। रामजस कॉलेज ने भीम राव आंबेडकर कॉलेज को 76-59 से हराया और रामजस कॉलेज के आयुष प्लेयर ऑफ द मैच बने। किरोड़ी मल कॉलेज ने भारत अकादमी को 64-48 से हराया। प्लेयर ऑफ द मैच किरोड़ी मल कॉलेज के दक्ष चौधरी बने। एसजीटीबी खालसा कॉलेज एलुमनी ने हंसराज कॉलेज को 66-64 से हराया। प्लेयर ऑफ द मैच विजय टीम के देशमुख माथुर को मिला।

महिला वर्ग में लेडी श्री राम कॉलेज ने गार्गी कॉलेज को 45-41 से हराया। प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड लेडी श्रीराम कॉलेज की विपासना को मिला। हॉकी प्रतियोगिता के मैच हॉकी प्रतियोगिता के पांचवे दिन पुरुष वर्ग का मैच श्याम लाल कॉलेज और एसजीटीबी खालसा कॉलेज एलुमनी के बीच 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुआ। एसजीटीबी खालसा कॉलेज एलुमनी की तरफ से अल्ताफ और विकी ने 1-1 गोल किया। श्याम लाल कॉलेज से आशीष सहरावत और मोहित राणा ने गोल किए। इस मैच का प्लेयर ऑफ मैच का अवार्ड एसजीटीबी खालसा कॉलेज एलुमनी के खिलाड़ी नवीन चिल्लर को मिला। महिला वर्ग के मैच में दिल्ली यूनिवर्सिटी एल्युमिना ने श्याम प्रसाद मुखर्जी कॉलेज को 3-0 से हराया। विजेता टीम दिल्ली यूनिवर्सिट एल्युमिना की तरफ से सोनाली मीना ने 2 गोल और नीलम शर्मा ने एक गोल किया और प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड गोलकीपर शीतल को मिला।

धोनी बोले, हर दिन पांच लीटर दूध पीने की कहानी सही नहीं

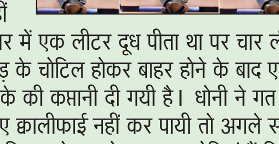

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के बारे में कहा जाता रहा है कि वह प्रतिदिन पांच लीटर दूध पीते हैं पर अब एक कार्यक्रम में धोनी ने इसे गलत बताया है और कहा है कि ये गलत है। धोनी ने कहा कि एक औसत व्यक्ति प्रतिदिन 5 लीटर दूध नहीं पी सकता। उन्होंने कहा कि मैं शायद दिन भर में एक लीटर दूध पीता था पर चार लीटर किसी और ने जोड़ दिया। रितुराज गायकवाड़ के चोटिल होकर बाहर होने के बाद एक बार फिर धोनी को चेन्नई सुपरकिंग्स सीएसके की कप्तानी दी गयी है। धोनी ने गत दिन कहा कि टीम अगर इस बार प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई नहीं कर पायी तो अगले सत्र के लिए योजनाएं तैयार करेगी। उन्होंने कहा कि हमारे सामने कुछ कमजोरियां हैं जिन्हें दूर किया जाएगा। अभी सामने जितने भी खेल हैं, उनमें से हमें जीतना है, हम एक बार में एक खेल पर ध्यान केंद्रित करेंगे और अगर हम कुछ हार जाते हैं, तो हमारे लिए अगले साल के लिए सही संयोजन प्राप्त करना अहम रहेगा। उन्होंने कहा कि आप नहीं चाहते कि बहुत सारे खिलाड़ी बदले जाएं, जो महत्वपूर्ण होगा वह है प्रयास करना और क्वालीफाई करना, लेकिन अगर ऐसा नहीं होता है तो अगले साल के लिए सुरक्षित 11 प्राप्त करना और मजबूत वापसी करना ही हमारा लक्ष्य होगा।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

भारतीय रियल एस्टेट सेक्टर में वृद्धि की सबसे बड़ी चुनौती

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारतीय रियल एस्टेट सेक्टर ने पिछले तीन वित्तीय वर्ष में शानदार प्रदर्शन किया है, जिसमें 26.7 अरब डॉलर का इक्विटी निवेश आकर्षित किया गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, मुंबई ने इसमें सबसे अधिक हिस्सा लिया है।

इस सफलता के पीछे मजबूत पूंजी प्रवाह, निवेशक भावना, और उचित मात्रा में संसाधनों का होना मुख्य कारण बना है। इस सेक्टर की वृद्धि में निरंतर तकनीकी और मानव संसाधनों की गहरी समझ, सही निवेशक भावना, और होनहारी रणनीतियों का मतलब है। इस वृद्धि के साथ आते हुए नए चुनौतियों पर ध्यान देना होगा, जो सुनिश्चित करेगा कि सेक्टर विकास के मार्ग में सुधारता करता रहे।

साल 2022-24 के दौरान भारत में रियल एस्टेट इक्विटी निवेश 26.7 अरब डॉलर रहा

परामर्श कंपनी ने कहा, साल 2022-24 के दौरान भारत में कुल रियल एस्टेट इक्विटी निवेश 26.7 अरब डॉलर रहा। मुंबई 6.9 अरब डॉलर के उच्चतम प्रवाह के साथ रियल एस्टेट इक्विटी निवेश में शीर्ष पर रहा। निवेश में उसकी हिस्सेदारी 26 प्रतिशत रही। इस अवधि के दौरान मुंबई, दिल्ली-एनसीआर और बेंगलुरु ने कुल मिलाकर लगभग 16.5 अरब डॉलर आकर्षित किए, जो कुल मिलाकर 62 प्रतिशत हिस्सा है।

रिपोर्ट 'ब्रिक्स एंड बिलियन्स - मैपिंग द फाइनेंसिंग लैंडस्केप ऑफ रियल एस्टेट में कहा गया, प्रवेश द्वार वाले शहरों का यह निरंतर प्रभुत्व निवेश-ग्रेड परियोजनाओं, मजबूत शहरी बुनियादी ढांचे, कुशल प्रतिभा पूल, परिसंपत्ति वर्गों में मजबूत मांग और लगातार संगठित हो रहे रियल एस्टेट पारिस्थितिकी तंत्र द्वारा प्रेरित था। भूमि/विकास स्थलों ने इक्विटी निवेश का सबसे बड़ा हिस्सा आकर्षित किया, जो कैलेंडर वर्ष 2022-24 के बीच कुल प्रवाह का 44 प्रतिशत था। इसके बाद निर्मित कार्यालय परिसंपत्तियों का स्थान था, जिनकी हिस्सेदारी 32 प्रतिशत थी। कैलेंडर वर्ष 2022 और 2024 के बीच, दूसरी श्रेणी के शहरों में कुल रियल एस्टेट इक्विटी निवेश का लगभग 10 प्रतिशत हिस्सा आया, जो लगभग तीन अरब डॉलर था।

न्यूज़ ब्रीफ

दस लाख से अधिक कीमत के लक्जरी सामान पर अब एक प्रतिशत टीसीएस

नई दिल्ली। दस लाख रुपये से अधिक कीमत वाले हैंडबैग, कलाई घड़ी, जूते और स्पोर्ट्सवियर (खेल-कूद के पहनने वाले उत्पाद) जैसे लक्जरी सामान पर अब एक प्रतिशत 'स्रोत पर कर संग्रह' (टीसीएस) लगेगा। आयकर विभाग ने 22 अप्रैल से 10 लाख रुपये से अधिक की विशिष्ट लक्जरी वस्तुओं की बिक्री पर एक प्रतिशत की दर से टीसीएस की प्रयोज्यता को अधिसूचित किया है। लक्जरी (विलासिता वाली) वस्तुओं के लिए टीसीएस प्रावधान वित्त अधिनियम, 2024 के माध्यम से जुलाई, 2024 में प्रस्तुत बजट के भाग के रूप में पेश किया गया था। टीसीएस एकत्र करने का दायित्व विक्रेता पर होगा, जो अधिसूचित वस्तुओं जैसे कलाई घड़ी, कला वस्तुएं जैसे पेंटिंग, मूर्तियां और प्राचीन वस्तुएं, संग्रहणीय वस्तुएं जैसे सिक्के और टिकट, नौकाएं, हेलीकॉप्टर, लक्जरी हैंडबैग, धूप के चश्मे, जूते, उच्च श्रेणी के खेल परिधान और उपकरण, होम थिएटर सिस्टम और रेसिंग या पोलो के लिए घोड़े आदि के संबंध में होगा ।

महिंद्रा ने की एक्सईवी 9ई और बीई 6 लॉन्च

मुंबई। हाल ही में महिंद्रा एंड महिंद्रा ने एक्सईवी 9ई और बीई 6 लॉन्च की है, तबसे गेम बदल गया है। खास तौर पर एक्सईवी 9ई को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। हाल ही में डायरेक्टर और एक्टर अनुराग कश्यप ने एक्सईवी 9ई खरीदी और अब ऑस्कर अवॉर्ड विनिंग म्यूजिक डायरेक्टर ए आर रहमान और पॉपुलर एक्ट्रेस कुब्रा सैत ने भी अपने लिए महिंद्रा की यह धांसू इलेक्ट्रिक एसयूवी खरीदी है। म्यूजिक कंपोजर ए आर रहमान और एक्ट्रेस कुब्रा सैत, दोनों ने रेड कलर की एक्सईवी 9ई खरीदी है।

ग्लोबल मार्केट से जोरदार तेजी के संकेत, एशियाई बाजारों में भी चौतरफा लिवाली का रुख

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान जबरदस्ती तेजी के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। एशियाई बाजारों में भी चौतरफा तेजी नजर आ रही है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा यूएस फेड के चेयरमैन जेरोम पॉवेल पर पहले दिए गए बयान से पलट जाने के कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक पिछले सत्र के दौरान जोरदार मजबूती के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स 1,000 अंक उछल गया। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 129.56 अंक यानी 2.51 प्रतिशत की तेजी के साथ 5,287.76 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 429.52 अंक यानी 2.71 प्रतिशत की बढ़त के साथ 16,300.42 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल 479.69 अंक यानी 1.22 प्रतिशत की मजबूती के साथ 39,666.67 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.64 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,328.60 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.55 प्रतिशत उछल कर 7,326.47 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.41 प्रतिशत की बढ़त के साथ 21,293.53 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में भी तेजी का माहौल बना हुआ है। एशिया के सभी 9 बाजारों के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। गिफ्ट निफ्टी 102 अंक यानी 0.42 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,279 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.94 प्रतिशत उछल कर 3,830.90 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। ताइवान वेटेड इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 732.16 अंक यानी 3.90 प्रतिशत की मजबूती के साथ 19,525.59 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 746.34 अंक यानी 2.18 प्रतिशत की बढ़त के साथ 34,966.94 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

इनके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 520.01 अंक यानी 2.41 प्रतिशत की तेजी के साथ 22,082.33 अंक के स्तर पर, कोस्पी इंडेक्स 1.55 प्रतिशत उछल कर 2,525.13 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 1.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 6,611 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.99 प्रतिशत की तेजी के 1,155.32 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की सांकेतिक मजबूती के साथ 3,301.01 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

बिजली मंत्री ने नेपाल में अरूण तीन परियोजना की समीक्षा की, सीमा पार पारेषण के लिए किया समझौता

नई दिल्ली। केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल ने नेपाल में 900 मेगावाट क्षमता की अरुण-तीन जलविद्युत परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। आधिकारिक बयान के अनुसार इस मौके पर नेपाल के ऊर्जा, जल संसाधन एवं सिंचाई मंत्री दीपक खड़का और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। बयान में कहा गया है कि 'मनोहर लाल ने नेपाल के संखुवासभा जिले में 900 मेगावाट की अरुण-तीन जलविद्युत परियोजना क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने और सतत विद्युत विकास के उद्देश्य से द्विपक्षीय रूप से ऊर्जा के क्षेत्र में उठाये गये महत्वपूर्ण कदमों की समीक्षा की। इस अवसर पर बिजली मंत्री ने बिजलीघर स्थल पर इलेक्ट्रोमैकेनिकल कार्यों का शुभारंभ किया। परियोजना के समय पर पूरा होने की दिशा में यह मील का पत्थर है। बाद में काठमांडू में मनोहर लाल और दीपक खड़का की उपस्थिति में, सार्वजनिक क्षेत्र की पावरग्रिड और नेपाल विद्युत प्राधिकरण (एनईए) के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

विदेश यात्रा बीच में छोड़कर स्वदेश लौट रहीं वित्त मंत्री सीतारमण

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)।

केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकी हमले के मद्देनजर अमेरिका के अपने आधिकारिक दौरे को छोटा कर दिया है। इस हमले में 26 लोग मारे गए, जिनमें से अधिकांश पर्यटक थे।वित्त मंत्रालय ने बुधवार को 'एक्स' पोस्ट पर बताया कि पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपना अमेरिकी दौरा छोटा कर दिया है।

सीतारमण अमेरिका-पेरू की अपनी आधिकारिक यात्रा को बीच में ही समाप्त कर रही हैं। वह इस कठिन और दुखद समय में हमारे लोगों के साथ रहने के लिए जल्द से जल्द उपलब्ध उड़ान से भारत वापस आ रही हैं। सीतारमण ने एक्स पोस्ट में हमले की निंदा करते हुए कहा कि दुख व्यक्त करने के लिए कोई शब्द नहीं हैं। उन्होंने मृतकों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने लिखा, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम से दिल दहला देने वाली खबर है। मैं इस आतंकी कृत्य की निंदा करती हूं।वित्त मंत्री ने लिखा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शब्दों को दोहराती हूं! इस जघन्य कृत्य के पीछे जो लोग हैं, उन्हें न्याय के कटघरे में लाया जाएगा...उन्हें बख्शा नहीं जाएगा! उनका नापाक एजेंडा कभी सफल नहीं होगा। आतंकवाद से लड़ने का हमारा संकल्प अडिग है और यह और भी मजबूत होगा।उल्लेखनीय है कि सीतारमण प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा पर पांच सदस्यीय कैबिनेट समिति का हिस्सा हैं। प्रधानमंत्री मोदी भी सऊदी अरब की अपनी दो दिवसीय यात्रा को बीच में ही रोक कर स्वदेश लौट आए। सीतारमण अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक की स्प्रिंग मीटिंग्स और जी-20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नर्स की बैठक में भाग लेने के लिए 20 अप्रैल से संयुक्त राज्य अमेरिका और पेरू की 11 दिवसीय यात्रा पर थीं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कायरों की...

पहलगाम हमले से दो महीने पहले सैफुल्लाह खालिद पाकिस्तान के पंजाब के कंगनपुर पहुंचा था। यहां उसे पाकिस्तानी सेना के कर्नल जाहिद जरीन खट्टर ने जेहादी भाषण देने के लिए वहां बुलाया था। वहां उसने पाकिस्तानी सेना को भारत के खिलाफ भड़काया था। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में आईएसआई और पाकिस्तानी सेना की बैठक में उसने कहा था, मैं वादा करता हूं कि आज 2 फरवरी 2025 है। हम दो फरवरी 2026 तक कश्मीर पर कब्जा करने की पूरी कोशिश करेंगे। आने वाले दिनों में हमारे मुजाहिदीन हमले तेज होंगे। दो फरवरी 2026 तक कश्मीर आजाद हो जाएगा। उसके भाषण को सुनने के लिए बड़ी संख्या में हथियारबंद आतंकी शामिल हुए थे।

पिछले साल एबटाबाद के जंगल में हुए आतंकी कैंप में सैफुल्लाह खालिद मौजूद था। इस कैंप में सैकड़ों पाकिस्तानी लड़कों ने हिस्सा लिया था। इसका आयोजन लश्कर-ए-तैयबा की राजनीतिक शाखा पीएमएमएल और एसएमएल ने किया था। इस कैंप से आतंकी हमलों के लिए लड़कों को चुना गया था। इन लड़कों को टारगेट किलिंग के लिए ट्रेनिंग दी गई थी। यहां सैफुल्लाह ने भारत के खिलाफ भड़काऊ भाषण देकर लड़कों को भड़काया था। इन लड़कों की पाकिस्तानी सेना की मदद से सीमा पार घुसपैठ करने की बात भी सामने आई थी।

टीआरएफ की कहानी 14 फरवरी 2019 को पुलवामा हमले के साथ ही शुरू हुई थी। धीरे-धीरे यह संगठन अपनी ताकत को बढ़ाता चला गया और इसे पाकिस्तान समर्थित कुछ आतंकी संगठनों के साथ पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई का भी साथ मिला। पांच अगस्त 2019 को जैसे ही जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाई गई, यह संगठन पूरे कश्मीर में सक्रिय हो गया। कल पहलगाम में हुए हमले में शामिल चार आतंकियों में से दो स्थानीय आतंकी हैं और दो पाकिस्तानी आतंकी। चश्मदीदों से मिले संकेत पर तीन आतंकियों के स्केच भी जारी किए गए हैं। स्थानीय आतंकियों के नाम आदिल अहमद ठाकुर और आशिफ शेख बताए जा रहे हैं। आदिल ठाकुर लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। आदिल गुरी, बिजबेहड़ा का रहने वाला बताया जा रहा है। आसिफ शेख का जैश-ए-मोहम्मद से कनेक्शन बताया जा रहा है। आशिफ मोंघामा, मीर मोहल्ला (त्राल) का रहने वाला बताया जा रहा है। आतंकियों ने बॉडी कैमरा भी लगा रखा था। यानि, हमले की पूरी घटना को आतंकियों ने रिकॉर्ड किया था। पहलगाम के बैसरन पर्यटक स्थल पर चार आतंकवादी मौजूद थे। उनमें से एक आदिल गुरी था, जो कथित तौर पर 2018 में पाकिस्तान से वापस आकर फिर भाग गया था। दूसरे आतंकवादी की पहचान आसिफ शेख के रूप में हुई है। गुरी और शेख के साथ दो अन्य आतंकवादियों ने भी आतंक मचाया है, जो पाकिस्तानी नागरिक थे।

हमले के फौरन राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनआईए) को पहलगाम भेज दिया गया है। एनआईए ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पहलगाम का बैसरन इलाका पूरी तरह सेना से घिरा हुआ इलाका माना जाता है, तो आतंकी सुरक्षा घेरा लांघ कर बैसरन पर्यटन स्थल तक कैसे पहुंचे, यह गंभीर मसला है। एनआईए यह पता कर रही है कि आतंकियों को इस जगह पहुंचाने में कोई स्थानीय मदद मिली या नहीं। यह भी पता चला है कि स्थानीय लोगों ने पर्यटकों को बचाने की कतई कोशिश नहीं की। आतंकी लोगों के धर्म पूछ कर ताबड़तोड़ गोलियां चलाते रहे और स्थानीय लोग बिस्मिल्लाहे रहमाने रहीम की रट लगाते रहे।

ताज की खूबसूरती...

मुस्कान दिखाई दी। ताजमहल के आगे उपराष्ट्रपति ने पत्नी और बच्चों के साथ कई तस्वीरें खिंचवाईं। खेरिया हवाई अड्डे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फूलों का गुलदस्ता भेंट कर अमेरिकी उपराष्ट्रपति का स्वागत किया। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस पत्नी उषा और बच्चों के साथ खेरिया हवाई अड्डे तय समय पर पहुंचे। यहां से ताजमहल तक उपराष्ट्रपति के रूट पर सुरक्षा के चाक चौबंद इंतजाम किए गए थे। सांस्कृतिक आयोजनों के लिए मंच भी सजाए गए थे। मगर, जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद शोक में सांस्कृतिक आयोजन नहीं किए गए। उपराष्ट्रपति का काफिला जब एयरपोर्ट से निकला, तो बच्चों ने भारत और अमेरिका के झंडे दिखाकर अभिवादन किया।

पहली बार भारत यात्रा पर आए अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस को राज्य अतिथि का दर्जा दिया गया है। इसलिए मुख्यमंत्री योगी ने स्वयं एयरपोर्ट पर उनका स्वागत सत्कार किया। बता दें अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों ने तीन दिन से आगरा में डेरा डाल रखा था। एयरपोर्ट से शिल्पग्राम होते हुए ताजमहल तक करीब 12 किलोमीटर सड़क पर कड़ी सुरक्षा रखी गई थी।

पर्यटन स्थलों पर ...

याचिका के अनुसार, उत्तर भारत के अधिकांश राज्यों की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से पर्यटन क्षेत्र पर निर्भर करती है, क्योंकि गर्मियों के मौसम में बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। आतंकवादी हमले इस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकते हैं। पर्यटकों की सुरक्षा के लिए सुरक्षा उपाय करना बहुत महत्वपूर्ण है। यह सामने आ रहा है कि पहलगांव हमले में किसी भी तरह की सुरक्षा व्यवस्था नहीं की गई, जबकि यह एक संवेदनशील क्षेत्र है। ऐसे स्थानों, दूरदराज के क्षेत्रों में जहां पर्यटक दृश्य देखने के लिए इकट्ठा होते हैं और शांतिपूर्ण वातावरण और प्रकृति का आनंद लेते हैं, वहां किसी प्रकार की सशस्त्र सुरक्षा होनी चाहिए। केवल ऐसे उपायों से ही हम पर्यटकों को आतंकवादी हमलों से बचा सकते हैं। याचिकाकर्ता ने कश्मीर में अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भी निर्देश देने की मांग की है।

भारत के साथ ...

हमारे विचार पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं। इजराइल भारत के साथ आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एकजुट खड़ा है।

सिंगापुर के उच्चायुक्त सिमोन एचसी वोंग ने कहा, मैं पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर हुए घृणित हमले से व्यथित हूं। हमारे विचार घायल और मृतकों के परिवारों के साथ हैं। अर्जेंटीना के राजदूत मारियानो काउचिनो ने कहा, हम इस घृणित आतंकवादी कृत्य के पीड़ितों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं। अर्जेंटीना सभी प्रकार के आतंकवाद, चरमपंथ और कट्टरता के खिलाफ भारत के साथ खड़ा है। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के पीड़ितों के प्रति अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने संवेदनाएं जताई है। वर्तमान में वह भारत दौरे पर हैं और कल उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की थी। वेंस ने कहा, मैं और मेरी पत्नी पहलगाम में हुए विनाशकारी आतंकवादी हमले के पीड़ितों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं। पिछले कुछ दिनों में, हम इस देश और यहां के लोगों की सुंदरता से अभिभूत हैं। हमारे विचार और प्रार्थनाएं उनके साथ हैं।

यात्रा अधूरी छोड़...

और तुरंत भारत लौटने का फैसला किया। हमले की गंभीरता देखते हुए पीएम ने अपनी तयशुदा योजना बदली। पीएम मोदी का विशेष विमान एयर इंडिया वन वापसी में अरब सागर के रूट से वापस लौटा। इस दौरान उसने पाकिस्तान के हवाई रूट का इस्तेमाल नहीं किया। पीएम मोदी ने इस दौरान ओमान और यूएई जैसे मित्र देशों के हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल किया।कल शाम को ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह श्रीनगर पहुंचे और उपराज्यपाल एवं आला अधिकारियों के साथ बैठक की और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। अमित शाह ने आज पहलगाम के बैसरन में घटना स्थल का भी मुआयना किया और हमले में मारे गए पर्यटकों को श्रद्धांजलि दी। जम्मू-कश्मीर सरकार ने हमले में मारे गए लोगों के परिवार के लिए मुआवजे का ऐलान किया है। मृतकों के परिवारों के लिए 10-10 लाख रुपए, गंभीर रूप से घायलों के लिए 2-2 लाख रुपए और मामूली रूप से घायलों के लिए 1-1 लाख रुपए की अनुग्रह राशि की घोषणा की है।

रक्षा मंत्री ने...

अनुमति दे दी गई है। उल्लेखनीय है कि करीब तीन माह पहले पोरबंदर में भारतीय तटरक्षक बल के एएलएच की दुर्घटना के बाद ध्रुव हेलीकॉप्टरों की उड़ान पर रोक लगा दी गई थी, जिससे सैन्य अभियान प्रभावित हो रहे थे। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह सेना के एएलएच ध्रुव से ही पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले के स्थल बैसरन मैदान पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। रक्षा मंत्री की बैठक में पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत की प्रतिक्रिया पर विषद चर्चा हुई। रक्षा मंत्री ने सीमा पर सुरक्षा इंतजाम कड़े करने के निर्देश दिए। जिस जगह हमला हुआ, उसके आसपास भी सैनिकों की तैनाती बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। रक्षा मंत्री की बैठक में सीसीएस की बैठक को लेकर भी चर्चा हुई। यह बैठक करीब तीन घंटे चली।

बैठक के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले में शामिल लोगों को जल्द ही करारा जवाब मिलेगा और भारत ऐसी किसी भी आतंकी गतिविधि से डरने वाला नहीं है। मैं देशवासियों को आश्वस्त करता हूं कि घटना के मद्देनजर भारत सरकार हर वह कदम उठाएगी जो आवश्यक और उचित होगा। हम न केवल इस घटना को अंजाम देने वालों का पता लगाएंगे, बल्कि उन लोगों तक भी पहुंचेंगे, जिन्होंने पर्दे के पीछे बैठकर भारत की धरती पर इस नापाक हरकत को अंजाम देने की साजिश रची है।

रक्षा मंत्री ने कहा, भारत इतनी पुरानी सभ्यता और इतना बड़ा देश है कि इसे ऐसी किसी भी आतंकी गतिविधि से डराया नहीं जा सकता। ऐसी हरकतों के लिए जिम्मेदार लोगों को जल्द ही करारा जवाब देंगे। राजनाथ सिंह ने पहलगाम में हुए हमले को बेहद अमानवीय बताया। उन्होंने कहा, इस हमले ने हम सभी को गहरे दुख और पीड़ा में डाल दिया है। मैं भारत के दृढ़ संकल्प को दोहराना चाहूंगा कि आतंकवाद के खिलाफ हमारी जीरो टॉलरेंस की नीति है। भारत का हर नागरिक इस कायराना हरकत के खिलाफ एकजुट है।

भारत ने खत्म...

किसी भी ऐसे वीजा को रद्द माना जाएगा। सार्क वीजा छूट योजना के तहत वर्तमान में भारत में मौजूद किसी भी पाकिस्तानी नागरिक के पास भारत छोड़ने के लिए 48 घंटे हैं।नई दिल्ली में पाकिस्तानी उच्चायोग में कार्यरत पाकिस्तान के रक्षा, सैन्य, नौसेना और वायुसेना सलाहकारों को अवांछित व्यक्ति घोषित कर दिया गया है। उन्हें भारत छोड़ने का निर्देश दिया गया है। उनके पास भारत छोड़ने के लिए अधिकाधिक एक सप्ताह का समय दिया गया है। भारत सरकार भी इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग से अपने रक्षा, नौसेना और वायु सलाहकारों को वापस बुलाएगा। संबंधित उच्चायोगों में ये पद निरस्त माने जाएंगे। विक्रम मिस्री ने कहा, सीसीएस ने समग्र सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की और सभी सुरक्षा बलों को उच्च सतर्कता बनाए रखने का निर्देश दिया। संकल्प लिया गया कि इस हमले के अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा और उनके प्रायोजकों को जवाबदेह ठहराया जाएगा। तहव्वुर राणा के हाल के प्रत्यर्पण की तरह भारत उन लोगों की तलाश में निरंतर प्रयास करेगा, जिन्होंने आतंकवादी कृत्यों को अंजाम दिया है या उन्हें संभव बनाने की साजिश रची है।पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के बाद आज शाम प्रधानमंत्री आवास पर सुरक्षा मामलों की कैबिनेट कमेटी (सीसीएस) की बैठक हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस जयशंकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल सहित कई शीर्ष अधिकारी शामिल हुए। यह बैठक ढाई घंटे तक चली।

पहलगाम की बैसरन घाटी में मंगलवार को आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की मौत हो गई, जबकि 17 लोग पर्यटक घायल हैं। आतंकियों ने पर्यटकों को निशाना बनाते हुए गोलीबारी की। आतंकी हमले के बाद बुधवार सुबह से सेना से लेकर एनआईए, पुलिस और अन्य एजेंसियां अलर्ट मोड में हैं। ड्रोन और हेलीकॉप्टर से चप्पे-चप्पे पर निगरानी की जा रही है। साथ ही आतंकियों की तलाश की जा रही है। जम्मू कश्मीर से दिल्ली तक हाई अलर्ट पर है। बैसरन घाटी में हुए हमले में शामिल दो स्थानीय आतंकियों की पहचान कर ली गई है। दो पाकिस्तानी आतंकियों की भी पहचान हुई है। मंगलवार को आतंकियों ने करीब 20 मिनट तक एके-47 से गोलीबारी की थी। स्थानीय आतंकियों के नाम आदिल अहमद ठाकुर और आशिफ शेख बताए जा रहे हैं।

आदिल ठाकुर लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। आदिल गुरी, बिजबेहड़ा का रहने वाला बताया जा रहा है। आसिफ शेख का जैश-ए-मोहम्मद से कनेक्शन बताया जा रहा है। आसिफ मोंघामा, मीर मोहल्ला (त्राल) का रहने वाला बताया जा रहा है।

हमले में शामिल कुछ आतंकियों ने बॉडी कैमरा लगा रखा था। हमले की पूरी घटना को आतंकियों ने रिकॉर्ड किया था। इससे पहले, कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकी हमले में मारे गए लोगों के शव बुधवार को श्रीनगर लाए गए, जहां अधिकारी पुलिस नियंत्रण कक्ष में पुष्पांजलि अर्पित की गई। बुधवार रात श्रीनगर पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को पीसीआर में एक समारोह में मृतकों के ताबूतों पर पुष्पांजलि अर्पित की।

तीन दिनों में कुछ...

उधर, देश की सर्वोच्च सैन्य कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी अपना असम दौरा रद्द कर दिया है।

जिन सरकारी कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम के निर्देश दिए गए हैं वे सभी कश्मीरी पंडित हैं जो कई साल पहले पलायन कर देश के विभिन्न हिस्सों में बस गए थे और अब सरकारी शर्तों के मुताबिक, पीएम पैकेज के तहत कश्मीर के विभिन्न हिस्सों में नौकरियां कर रहे हैं। हालांकि सरकार ने इस निर्देश का कोई कारण नहीं बताया है, पर इसे लेकर कई तरह की चर्चाएं हो रही हैं। केंद्र सरकार की जवाबी कार्रवाई की कवायद की चर्चा में इसलिए भी दम है क्योंकि रक्षा मंत्री गृह मंत्री को नई दिल्ली में ही उपस्थित रहने को कहा गया है। इस बीच गुप्तचर संस्थाओं ने पहलगाम हमले के प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों और वक्तव्यों के बाद यह जानकारी दी है कि पहलगाम के हमले में कुल सात आतंकी शामिल थे जिनमें दो स्थानीय भी थे।

हमले के विरोध ...

उन्होंने निर्दोष लोगों की हत्या बंद करने के नारे लगाए। पहलगाम हमले के विरोध में कई राजनीतिक दलों, सामाजिक-धार्मिक संगठनों, व्यापार निकायों और नागरिक समाज समूहों ने कश्मीर में बंद का आह्वान किया। सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी), पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी), पीपुल्स कॉन्फ्रेंस और अपनी पार्टी उन राजनीतिक संगठनों में शामिल हैं जिन्होंने हमले के विरोध में बंद का समर्थन किया।

वास्तु दोष के कारण मिलता है मानसिक तनाव

वास्तु शास्त्र वास्तुकला का एक प्राचीन भारतीय विज्ञान है जो सामंजस्यपूर्ण रहने की जगह बनाने में मदद करने के लिए कई सिद्धांत और सुझाव प्रदान करता है। घर या कार्यालयों पर लागू किए गए सिद्धांत स्थान में भाग्य, प्रचुरता और अच्छे स्वास्थ्य को आकर्षित करने में मदद करते हैं।

वास्तु सिद्धांतों की अवहेलना करने वाले घर नकारात्मकता, वित्तीय नुकसान या रिश्ते की परेशानियों का कारण बन सकते हैं। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि वास्तु दोष होना अर्थात ऊर्जा का असंतुलन होना। घर में वास्तु दोष होने पर परिवार में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है और कई तरह के उल्टे सीधे विचार आते जाते रहते हैं। हिंदू धर्म में वास्तु शास्त्र का विशेष महत्व है। दरअसल वास्तु शास्त्र एक प्राचीन भारतीय वास्तुकला और डिजाइन प्रणाली है, जिसका उद्देश्य रहने और काम करने की जगहों के भीतर ऊर्जा प्रवाह को सामंजस्य और संतुलित करना है।

घर में वास्तु का प्रयोग करने से परिवार के सदस्यों की उन्नति होती है और मानसिक शांति का अनुभव होता है। वहीं घर में अगर वास्तु दोष होता है तो रहने वाले सदस्यों के जीवन में कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है, आर्थिक समस्याएं बनी रहती हैं, कोई ना कोई सदस्य बीमार रहता है आदि कई तरह की समस्याएं बनी रहती हैं। घर में मौजूद चीजें सही दिशा में ना होने की वजह से वास्तु दोष निर्मित होता है

वास्तु दोष

वास्तु विशेषज्ञ ने बताया कि वास्तु दोष का अर्थ है रहने की जगह में ऊर्जा का असंतुलन। यह असंतुलन केवल कमरों, फर्नीचर या यहां तक कि रंगों के अनुचित स्थान के कारण उत्पन्न होता है। माना जाता है कि घर में वास्तु दोष की उपस्थिति नकारात्मकता पैदा करती है और व्यक्ति के समग्र विकास को भी रोकती है। वास्तु दोष के कुछ प्रमुख संकेत अक्सर बहस, वित्तीय परेशानियाँ या सोने में कठिनाई हैं। हालाँकि, किसी को वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करना चाहिए और घर में सामंजस्य स्थापित करने के लिए उचित उपाय करने चाहिए।

वास्तु दोष के संकेत

वास्तु शास्त्र के अनुसार, जिस घर में बार बार लोगों को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा हो या ना चाहने पर भी बेवजह के खर्चे अचानक सामने आ जाते हैं तो इसका मतलब है कि आपके घर में वास्तु दोष है। वहीं अगर घर में कोई ना कोई सदस्य लगातार बीमार रहता है और इलाज के बाद भी बीमारी सही नहीं हो रही है तो यह लक्षण वास्तु दोष के हैं।

पारिवारिक कलह

तनावपूर्ण पारिवारिक माहौल या परिवार के सदस्यों से बार-बार बहस होना भी वास्तु दोष का संकेत है। परिवार के भीतर अलगाव असंगति का संकेत हो सकती है।

मानसिक तनाव

जिस घर में वास्तु दोष होता है, उस घर में लोगों को मानसिक तनाव का सामना करना पड़ता है। घर के सदस्यों में आपसी प्रेम खत्म हो जाता है और छोटी छोटी बातों पर लड़ाई झगड़ा या वाद विवाद बना रहता है तो इसका मतलब है कि घर में वास्तु दोष है। घर के सदस्यों की चिंता हमेशा लगे रहना और उसकी वजह से नींद ना आना वास्तु दोष की तरफ इशारा करता है।

नकारात्मक विचार

वास्तु विशेषज्ञ ने बताया कि जिस घर में वास्तु दोष होता है, उस घर के सदस्य सफल होने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं लेकिन असफल हो जाते हैं। घर के सदस्य हर समय सुस्ती महसूस करते हैं या दिन भर में फोन या टीवी में लगे रहते हैं। वहीं दिमाग में बार बार आना या जीवन को समाप्त करने के बारे में सोच रहे हैं तो घर का वास्तु सही नहीं है।

नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह

कई बार घर का मेन गेट सही दिशा में ना होने की वजह से घर का वास्तु खराब हो जाता है और रहने वाले सदस्यों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जब किसी व्यक्ति की ग्रहों की दशा खराब हो जाती है तब नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह प्रारंभ हो जाता है, ऐसी परिस्थितियों में भी कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

मुरझा रहे पौधे

अगर आपके घर में रखे पौधे मुरझा रहे हैं, खाद-पानी देने के बाद भी वो पनप नहीं पा रहे हैं तो इसका मतलब है कि आपके घर में वास्तु दोष हो सकता है। वास्तु दोष होने पर आप पौधों की कितनी भी देख रेख क्यों न करें वो फल-फूल नहीं पाते।

तबीयत बार-बार खराब

आपकी या आपके घर के सदस्यों की तबीयत बार-बार खराब होती है, और बीमारियों के कारण आपका पैसा खर्च होता रहता है, तो समझ जाइए वास्तु दोष आपके घर में मौजूद है। इसके साथ ही वास्तु दोष के कारण सिर, जोड़ों या कमर का दर्द भी आपको सता सकता है।

दुर्घटनाएं होना

अगर आपके साथ अचानक दुर्घटना होती है, आपको बार-बार बुरी खबरें सुनाई देती है तो ये भी वास्तु दोष होने का संकेत माना जाता है। ऐसी स्थिति में आपको शारीरिक, मानसिक कष्ट झेलने पड़ सकते हैं और आपके साथ ही घर वालों के साथ भी अनहोनी हो सकती है।

इलेक्ट्रॉनिक सामान खराब

आपके घर का इलेक्ट्रॉनिक सामान जैसे- टीवी, फ्रिज, मोबाइल आदि बार-बार खराब होते रहते हैं तो ये भी वास्तु दोष होने का संकेत है। इन चीजों के खराब होने से आपके खर्चे बढ़ते हैं और आप आर्थिक रूप से कमजोर हो जाते हैं।

वास्तु दोष दूर करने के उपाय

घर के वास्तु दोष को दूर करने के लिए समय समय पर रामचरितमानस का पाठ या सुंदरकांड का पाठ करवाते रहें। वहीं घर के किसी स्थान पर वास्तु दोष निर्माण हो रहा है तो पहले एक कपूर की टिकिया रख दें। जब वह टिकिया गलकर खत्म हो जाए तो दूसरी टिकिया रख दें। इस तरह कपूर की टिकिया को बदलते रहेंगे तो वास्तु दोष नहीं होगा। वास्तु विशेषज्ञ नीतिका शर्मा ने बताया कि घर के मेन गेट पर हर रोज हल्दी और कुमकुम से स्वास्तिक का चिन्ह बनाएं, ऐसा करने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और वास्तु दोष भी खत्म हो जाता है। परिवार में लोगों के बीच लड़ाई झगड़ा रहता है तो पोछा लगाते समय पानी में थोड़ा सा नमक डाल दें और फिर पोछा दें। वहीं किचन के अग्निकोण में लाल बल्ब लगाकर रखें, ऐसा करने से दोष दूर होता है और घर में सुख शांति और समृद्धि आती है।

करियर-कारोबार में आ रही है अड़चन तो ये वास्तु उपाय आएंगे आपके काम

माना जाता है कि अगर जीवन में वास्तु शास्त्र के नियमों को अपनाया जाए, तो इससे सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है। आज हम आपको कुछ ऐसे वास्तु टिप्स बताने जा रहे हैं, जिनका पालन करने से आपको काफी लाभ मिल सकता है।

करियर में मिलेगी कामयाबी

अगर आपकी सफलता में किसी तरह की बाधा आ रही है, तो इसके लिए घर की पूर्व दिशा में सूर्य यंत्र स्थापित करें। इसी के साथ अगर आपका घर पूर्व मुखी है, तो मेन गेट पर सूर्यदेव का चित्र या प्रतिमा लगाएं। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और नकारात्मकता दूर होती है। इस वास्तु उपाय को करने से आपको नौकरी या कारोबार में अच्छे परिणाम मिल सकते हैं।

जरूर करें ये काम

कई बार घर में मौजूद नकारात्मकता भी आपकी सफलता प्राप्ति में अड़चन पैदा कर सकती है। ऐसे में आपको रोजाना पानी में थोड़ा-सा नमक मिलाकर घर में पौछा लगाना चाहिए। इसी के साथ गुरुवार के दिन पानी में हल्दी मिलाकर पूरे घर पर छिड़क दें। ऐसा करने से आपको काफी फायदा मिल सकता है और काम में आ रही अड़चन दूर हो सकती है।

रखें इन बातों का ध्यान

वास्तु शास्त्र में माना गया है कि अपने घर की पूर्व दिशा में कभी भी खराब पड़े सामान या फिर कबाड़ की चीजों को नहीं रखना चाहिए। ऐसा करने से पॉजिटिव एनर्जी के बहाव में रुक सकता है और आपको काफी तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसी के साथ घर के मध्य भाग को भी जितना हो सके उतना खाली रखें, क्योंकि यहां ज्यादा सामान रखने से सकारात्मक ऊर्जा बाधित होती है। आपको घर के इन हिस्सों में सफाई और व्यवस्था का ध्यान रखना चाहिए, ताकि घर में पॉजिटिव एनर्जी का फ्लो बना रहे और आपको अच्छे परिणाम मिल सकें।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

शनि की वक्री चाल से तीन राशियों को होगा लाभ
करियर-कारोबार में मिलेगी सफलता

ज्योतिष शास्त्र में शनि ग्रह की विशेष भूमिका होती है। जब कुंडली में शनि शुभ हो तो ऐसे जातक का जीवन संवार देते हैं वहीं जब कुंडली में शनि अशुभ स्थिति में हो तो शनि जीवन में तरह-तरह के कष्ट देते हैं। शनि सभी ग्रहों में सबसे मंद गति से चलने वाले ग्रह होते हैं। ये एक से दूसरी राशि में गोचर करने के लिए करीब ढाई वर्षों का समय लेते हैं। इस तरह से शनि एक राशि में दोबारा आने के लिए 30 वर्षों का समय लगाते हैं। आपको बता दें शनि बीते 29 मार्च को अपनी राशि परिवर्तन करते हुए कुंभ से मीन राशि में प्रवेश कर चुके हैं। शनि के मीन राशि में गोचर करने के बाद अब शनि जुलाई में वक्री होने जा रहे हैं। वक्री होने का मतलब उल्टी चाल से होता है। शनि के वक्री होने से इसका प्रभाव सभी राशियों के जातकों पर पड़ेगा शनि के वक्री होने तीन राशियां ऐसी हैं जिनको इसका लाभ सबसे ज्यादा मिलेगा। आइए जानते हैं कौन सी हैं वे भाग्यशाली राशियां।

मिथुन राशि – मिथुन राशि के जातकों के लिए शनि का वक्री होना बहुत ही शुभ साबित हो सकता है। शनिदेव आपकी राशि से दसवें भाव यानी कर्म स्थान पर वक्री होंगे। ऐसे में आपको करियर कारोबार में अच्छी तरक्की मिल सकती है। धन लाभ के अवसरों में वृद्धि होगी। जो लोग इस दौरान अपना व्यापार शुरू करना चाह रहे हैं उनके लिए बेहतर अवसर मिल सकते हैं। नौकरीपेशा जातकों को नई नौकरी, वेतन वृद्धि और

प्रमोशन के प्रबल योग हैं।

कर्क राशि – कर्क राशि वालों के लिए शनिदेव का वक्री होना अच्छा साबित होगा। शनिदेव यहां से आपकी राशि से नवम भाव में वक्री होंगे। नवम भाव भाग्य का भाव होता है। ऐसे में आपको अपने भाग्य का भरपूर साथ मिलेगा। धन लाभ के अवसरों में वृद्धि होगी। भाग्य का अच्छा साथ मिलेगा। आपको अपने रुचि के अनुसार ही काम मिलेगा। धर्म-कर्म के कार्यों में आपका मन लगेगा। कहीं से अचानक धन लाभ हो सकता है।

कुंभ राशि – शनिदेव का वक्री होना कुंभ राशि के जातकों के लिए अनुकूल साबित होगा। शनि यहां आपके दूसरे भाव यानी धन और वाणी के स्थान पर वक्री होंगे। ऐसे में आपको अपने वाणी पर नियंत्रण रखना होगा। जीवन में सुख-सुविधाओ की वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में यश और पदोउन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति में लगातार सुधार होगा। मकान और जमीन से जुड़े लोगों को लाभ मिलेगा।

शनि जयंती 27 मई को मनाई जाएगी

वैदिक पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ अमावस्या के दिन शनि जयंती का पर्व मनाया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, ज्येष्ठ अमावस्या की तिथि पर न्याय के देवता शनि देव का अवतरण हुआ था। इसलिए ज्येष्ठ अमावस्या के शनि जयंती के त्योहार को मनाया जाता है।

इस दिन भगवान विष्णु, पितरों और शनिदेव की पूजा-अर्चना करने का विधान है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, शनिदेव की पूजा करने से जीवन में खुशियों का आगमन होता है। इस बार शनि जयंती की डेट को लेकर लोगों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। ऐसे में हर कोई यह जानना चाहता है कि शनि जयंती की सही डेट क्या है?

शनि जयंती डेट और शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ माह की अमावस्या तिथि 26 मई को दोपहर 12 बजकर 11 मिनट पर शुरू होगी और अगले दिन यानी 27 मई को सुबह 08 बजकर 31 मिनट पर तिथि खत्म होगी। ऐसे में शनि जयंती का पर्व 27 मई को मनाया जाएगा।

पंचांग

सूर्योदय - सुबह 05:23 मिनट पर
सूर्यास्त - शाम 07:12 मिनट पर
चंद्रास्त- शाम 07:49 मिनट पर
ब्रह्म मुहूर्त - सुबह 04:03 मिनट से 04:44 मिनट तक
विजय मुहूर्त - दोपहर 02:36 मिनट से 03 :31 मिनट तक
गोधूलि मुहूर्त - शाम 07:11 मिनट से 07:31 मिनट तक
निशिता मुहूर्त - रात्रि 11:58 मिनट से 12:39 मिनट तक

शनि जयंती पूजा विधि

शनि जयंती के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें।
इसके बाद साफ कपड़े पहनें।
मंदिर में गंगाजल का छिड़काव कर शुद्ध करें।
सरसों के तेल का दीपक जलाएं और विधिपूर्वक शनिदेव की आरती करें।
तिल और गुड़ समेत आदि चीजों का भोग लगाएं।
आखिरी में लोगों में प्रसाद का वितरण करें।
शनि देव जी का तांत्रिक मंत्र- ऊँ प्रां प्रीं प्रौं सः शनये नमः।
शनि देव महाराज के वैदिक मंत्र- ऊँ शन्नो देवीरभिष्टडआपो भवन्तुपीतये।
शनि देव का एकाक्षरी मंत्र- ऊँ शं शनैश्चाराय नमः।
शनि देव जी का गायत्री मंत्र- ऊँ भगभवाय विद्महैं मृत्युरुपाय धीमहि तन्नो शनिः प्रचोद्यात्।

गंगा सप्तमी 3 मई को मनाई जाएगी

सनातन धर्म में गंगा स्नान का खास महत्व है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूर्णिमा, संक्रांति, गंगा सप्तमी, गंगा दशहरा और अमावस्या समेत शुभ तिथियों पर गंगा नदी में आस्था की डुबकी लगाकर मां गंगा, सूर्य देव, महादेव और भगवान विष्णु की पूजा करते हैं। सामान्य दिनों में भी साधक गंगा स्नान करते हैं। शास्त्रों में वर्णित है कि गंगा स्नान करने से जाने-अनजाने में किए गए पाप नष्ट हो जाते हैं। वहीं, गंगाजल से देवों के देव महादेव का अभिषेक करने से साधक की हर परेशानी दूर हो जाती है। साथ ही जीवन में खुशियों का आगमन होता है। मां गंगा की पूजा भक्ति करने से सुख और सौभाग्य में अपार वृद्धि होती है।

हर साल वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि पर गंगा सप्तमी मनाई जाती है। यह दिन पूर्णता देवी मां गंगा को समर्पित होता है। इस शुभ अवसर पर साधक सबसे पहले गंगा स्नान करते हैं। इसके बाद देवी मां गंगा और महादेव की पूजा करते हैं। वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि पर गंगा नदी के तट पर मेला का आयोजन किया जाता है। साथ ही संध्याकाल में गंगा आरती की जाती है। वैदिक पंचांग के अनुसार, 03 मई को सुबह 07 बजकर 51 मिनट पर वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि शुरू होगी। वहीं, 04 मई को सुबह 04 बजकर 18 मिनट पर वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि समाप्त होगी।

सनातन धर्म में उदया तिथि मान है। इसके लिए 03 मई को गंगा सप्तमी मनाई जाएगी। इस दिन गंगा स्नान हेतु शुभ मुहूर्त सुबह 10 बजकर 58 मिनट से लेकर दोपहर 01 बजकर 38 मिनट तक है। ज्योतिषियों की मानें तो वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि पर त्रिपुष्कर योग का निर्माण हो रहा है। साथ ही रवि और शिववास योग का भी संयोग है। रवि योग में गंगा स्नान करने से साधक को सभी प्रकार के शारीरिक एवं मानसिक कष्टों से मुक्ति मिलेगी। वहीं, शिववास योग में गंगा स्नान कर देवों के देव महादेव की पूजा करने से सुख और सौभाग्य में वृद्धि होगी।

कोई एक दिन में तो कोई एक पल में होता बैचेन
किस राशि के लोग पार्टनर से कब तक रह सकते हैं दूर?

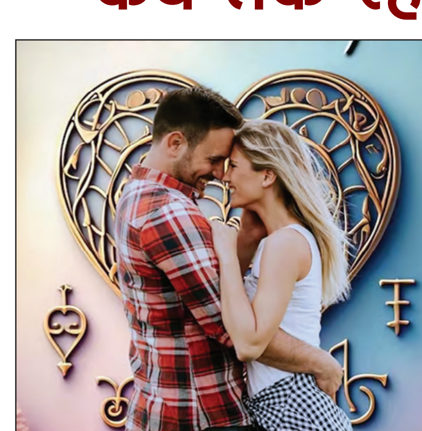

वैदिक ज्योतिष में राशियों का विशेष महत्व है और इसी के आधार पर ही भविष्यवाणी भी की जाती हैं। राशियों से केवल आप वर्तमान या भविष्य के बारे में ही नहीं बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में इसका प्रभाव देखने को मिलता है। आपको राशि के आधार पर कौन सा कार्य चुनना चाहिए, राशि के अनुसार किसी अपना पार्टनर चुनना या फिर राशि अनुसार आप यह तक जान सकते हैं आपका पार्टनर कब तक आपसे दूर रह सकता है। लव लाइफ हो या वैवाहिक जीवन। ये रिश्ते एक नाजुक डोर की तरह होते हैं, ये कब आपस में लड़ लें या फिर कब वापस एक दूसरे के साथ आ जाएं, कहा नहीं जा सकता है। आज हम राशि अनुसार आपको बताते हैं कि आपका पार्टनर आपसे कितनी देर तक दूर रह सकता है

मेष राशि – मेष राशि के स्वामी ग्रहों के सेनापति मंगल देव हैं। इस राशि के स्वामी साहसी और दयालु स्वभाव के होते हैं लेकिन यह अपने पार्टनर से मात्र एक दिन ही दूर रह पाते हैं। इसके बाद वह वापस अपने पार्टनर के पास आ जाते हैं।

वृषभ राशि – वृषभ राशि के स्वामी शुक्र ग्रह हैं। इस राशि के जातक काफी रोमांटिक होते हैं और अपने पार्टनर का पूरा ध्यान रखते हैं लेकिन यह अपने पार्टनर से कभी भी दूर नहीं रह सकते। यह पहले से क्षमा मांगने वाले होते हैं और काफी वफादार होते हैं।

मिथुन राशि – मिथुन राशि के स्वामी ग्रहों के राजकुमार बुध ग्रह हैं इसलिए इस राशि के जातक अपने पार्टनर की सभी परेशानियों को दूर करते हैं लेकिन अगर पार्टनर की कोई बात बुरी लग जाए तो यह कुछ दिनों तक पार्टनर से दूर रह सकते हैं। इसके बाद फिर वापस आ जाते हैं।

कर्क राशि – कर्क राशि के स्वामी चंद्रमा हैं और इस राशि के जातक काफी शांत स्वभाव के होते हैं। ये अपनी बातों से पार्टनर के शांत रखते हैं लेकिन अगर विवाद हो जाए तो कुछ ही घंटों में वापस आ भी जाते हैं। इस राशि के जातक रिश्ते में काफी शांति रखते हैं।

सिंह राशि– सिंह राशि के स्वामी सूर्य ग्रह हैं इसलिए इस राशि के जातक हमेशा पार्टनर का ध्यान रखते हैं। इस राशि के जातक का स्वभाव सिंह के समान रहता है इसलिए अगर कोई विवाद हो जाता है तो पार्टनर से वह लंबे समय तक दूरी बनाए रख सकते हैं।

कन्या राशि – कन्या राशि के स्वामी बुध ग्रह हैं इसलिए इस राशि के जातक अपने पार्टनर से कभी भी दूर नहीं रह सकते हैं। यह हमेशा अपने पार्टनर का ध्यान रखते हैं और एक-दूसरे का सम्मान भी करते हैं। कन्या राशि वाले अपने पार्टनर के लिए काफी लकी भी रहते हैं।

तुला राशि – तुला राशि के स्वामी शुक्र ग्रह हैं इसलिए इस राशि के जातक हमेशा पार्टनर का ध्यान रखते हैं और उनके कार्यों को पूरा करने में आगे रहते हैं लेकिन अगर दोनों के बीच विवाद हो जाए तो यह पार्टनर की गलती मानने तक दूर रह सकते हैं।

वृश्चिक राशि – वृश्चिक राशि के स्वामी मंगल ग्रह हैं इसलिए इस राशि के जातक का अगर पार्टनर के साथ अगर कोई विवाद हो जाता है तो यह लंबे समय तक दूरी बनाकर रख सकते हैं। हालांकि यह अपने पार्टनर का पूरा ध्यान रखते हैं और उनके सम्मान में कोई कमी ना आए इसका भी ध्यान रखते हैं।

धनु राशि –धनु राशि के स्वामी गुरु हैं इसलिए इस राशि के जातक अपने ज्ञान व बुद्धि के आधार पर हर कार्य को पूरा करते हैं और पार्टनर के प्रति पूरे तरह वफादार रहते हैं। अगर धनु राशि वालों का पार्टनर के साथ कोई विवाद हो जाता है तो यह पार्टनर के क्षमा ना मांगने तक दूरी बनाकर रख सकते हैं।

मकर राशि –मकर राशि के स्वामी शनिदेव हैं और इस राशि के जातक अपने पार्टनर के प्रति पूरी तरह वफादार होते हैं और पूरा ध्यान रखते हैं। वहीं अगर दोनों के बीच किसी भी तरह प्रतिकूल स्थितियां बन जाती हैं तो यह एक हफ्ते से ज्यादा अपने पार्टनर के बिना नहीं रह सकते।

कुंभ राशि–कुंभ राशि के स्वामी भी शनिदेव हैं इसलिए इस राशि के जातक रिश्ते में स्वाभिमान का पूरा ध्यान रखते हैं। अगर दोनों के बीच किसी भी तरह की उलझन होती है तो यह महीने भर तक अपने पार्टनर से दूरी बनाकर रख सकते हैं। इसलिए इन राशि के जातकों को रिश्ते में ध्यान रखना चाहिए।

मीन राशि–मीन राशि के स्वामी गुरु ग्रह हैं और इस राशि के जातक काफी शांत और रोमांटिक स्वभाव के होते हैं। ये अपने पार्टनर का पूरा ध्यान रखते हैं और अगर कोई गलती होती है तो पहले से ही क्षमा मांग लेते हैं क्योंकि इस राशि के जातक अपने पार्टनर से कभी दूरी बनाकर नहीं रख सकते।

वहीदा रहमान की पर्सनल लाइफ थी मुश्किलों से भरी!

जब परिवार ने शदी से किया इंकार, तब सलीम खान बने थे वहीदा रहमान के लिए फरिश्ता

हिंदी सिनेमा की दिग्गज अदाकारा वहीदा रहमान न सिर्फ अपनी शानदार अदाकारी के लिए मशहूर रही हैं, बल्कि उनकी निजी जिंदगी भी हमेशा सुर्खियों में रही। 'गाइड', 'प्यासा', 'कागज के फूल' और 'नील कमल' जैसी क्लासिक फिल्मों में उन्होंने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। लेकिन जहां उनकी प्रोफेशनल लाइफ बेहतरीन रही, वहीं पर्सनल लाइफ में उन्हें कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा था।

दरअसल, वहीदा रहमान की जिंदगी में उस वक्त एक बड़ा मोड़ आया जब उन्होंने एक्टर कमलजीत से शादी करने का फैसला लिया। कहा जाता है कि कमलजीत वहीदा को लंबे समय से पसंद करते थे और उन्होंने ही शादी का प्रस्ताव रखा था। दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और उन्होंने एक-दूसरे को बेहतर तरीके से समझना शुरू किया। लेकिन जब बात शादी तक पहुंची, तो वहीदा के परिवार ने इस रिश्ते को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कमलजीत और वहीदा अलग-अलग धर्मों

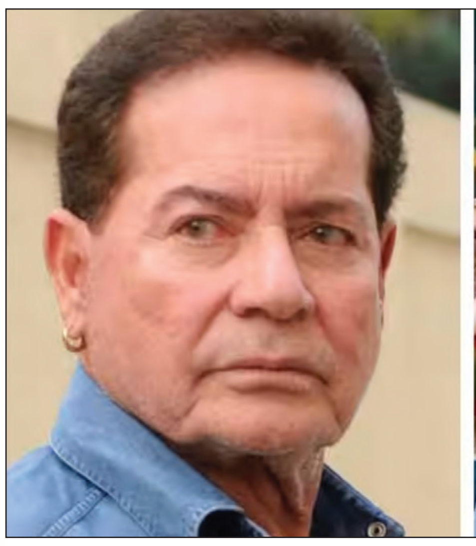

से ताल्लुक रखते थे, यही वजह थी कि एक्ट्रेस के परिवारवाले इस रिश्ते के खिलाफ थे। वहीदा अपने परिवार की नाराज़गी से काफी परेशान थीं और असमंजस में थीं कि क्या करें। ऐसे समय में उनके लिए फरिश्ते बनकर आए मशहूर लेखक और सलमान खान के पिता सलीम खान।

सलीम खान और वहीदा रहमान अच्छे पड़ोसी होने के साथ-साथ गहरे दोस्त भी थे। जब उन्हें इस पूरे मामले का पता चला, तो उन्होंने वहीदा को समझाया कि उन्हें अपने दिल की आवाज सुननी चाहिए और अगर वे कमलजीत से प्यार करती हैं, तो उन्हें किसी की परवाह नहीं करनी चाहिए। सलीम खान की सलाह ने वहीदा को हिम्मत दी, और फिर उन्होंने 27 अप्रैल 1974 को कमलजीत से शादी कर ली।

शादी के बाद वहीदा ने फिल्मों से दूरी बना ली, हालांकि वे पूरी तरह गायब नहीं हुईं। उन्हें 'लम्हे', 'ओम जय जगदीश', 'रंग दे बसंती' और 'दिल्ली 6' जैसी फिल्मों में अहम भूमिकाओं में देखा गया। उनकी ये कहानी आज भी प्रेरणा देती है कि प्यार के लिए कभी-कभी हिम्मत और सही सलाह की जरूरत होती है।

वहीदा रहमान हिंदी सिनेमा की सबसे प्रतिष्ठित और सम्मानित अभिनेत्रियों में से एक हैं। उन्होंने 1950 से लेकर 1970 के दशक में कई यादगार फिल्मों में काम किया है। गाइड (1965) देव आनंद के साथ, आर. के. नारायण की कहानी पर आधारित यह फिल्म वहीदा की सबसे प्रतिष्ठित फिल्मों में से एक मानी जाती है। प्यासा (1957) गुरुदत्त के साथ यह फिल्म भारतीय सिनेमा की क्लासिक फिल्मों में गिनी जाती है। कागज के फूल (1959) गुरुदत्त के निर्देशन में बनी यह फिल्म अपने समय से बहुत आगे की मानी जाती है।

साहिब बीबी और गुलाम (1962) इसमें उन्होंने एक सशक्त महिला किरदार निभाया जो आज भी याद किया जाता है। तीसरी कसम (1966) राज कपूर के साथ यह फिल्म एक मासूम लव स्टोरी है। चित्रलेखा (1964) एक दार्शनिक प्रेम कहानी जिसमें वहीदा ने बहुत दमदार अभिनय किया था। आज भी अभिनेत्री बॉलीवुड की कुछ फिल्मों में नजर आ जाती हैं।

पहलगाम की जगह हमेशा से रही बॉलीवुड की पसंदीदा लोकेशन

हैदर से राजी तक अन्य फिल्मों की हुई थी शूटिंग

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम के बैसारन में हुए आतंकी हमले पूरे देश को हिला दिया है। 'मिनी स्विट्ज़रलैंड' के नाम से मशहूर यह जगह आतंकी हमले से खौफजदा है। इस जगह में अब तक कई बॉलीवुड फिल्मों की शूटिंग हो चुकी है। आइए जानते हैं कि आखिर कौन सी फिल्में हैं, जिन्हें पहलगाम की खूबसूरत वादियों में शूट किया गया?

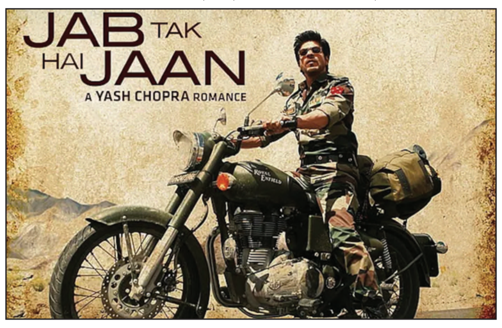

शाहरुख खान, कैटरीना कैफ और अनुष्का शर्मा की फिल्म 'जब तक है जान' के कई सीन्स पहलगाम की खूबसूरत वादियों के बीच शूट किए गए थे। इस फिल्म में शाहरुख ने आर्मी ऑफिसर समर आनंद का किरदार निभाया था। वहीं, अनुष्का शर्मा अकीरा राय की भूमिका में नजर आईं।

विशाल भारद्वाज के डायरेक्शन में बनी 'हैदर' शाहिद कपूर और श्रद्धा कपूर लीड रोल में नजर आए थे। इस फिल्म के कई सीन भी पहलगाम में फिल्माए गए थे। 'बिस्मिल सॉन्ग' की शूटिंग मार्तंड सूर्य मंदिर में की गई, जो अनंतनाग से पहलगाम के बीच रास्ते में पड़ता है।

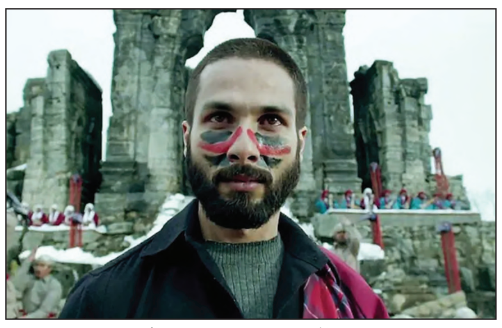

फिल्म का क्लाइमैक्स भी पहलगाम में शूट हुआ था।

आलिया भट्ट और विक्की कौशल की 'राजी' के कई सीन्स भी पहलगाम में शूट हुए थे। इस फिल्म में विक्की ने पाकिस्तानी आर्मी ऑफिसर इकबाल का रोल निभाया था। कश्मीरी लड़की सहमत की भूमिका आलिया भट्ट दिखी थीं, जो दिल्ली में पढ़ाई करती है और पिता की तबीयत खराब होने के चलते वापस कश्मीर आती हैं।

'बजरंगी भाईजान' सलमान खान की पॉपुलर फिल्मों में से एक है। इसके कई सीन पहलगाम में शूट किए गए थे।

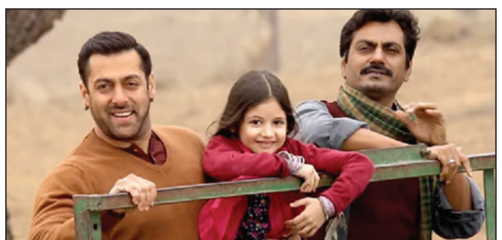

हिट सॉन्ग 'भर दे झोली मेरी' की शूटिंग बैसारन घाटी में हुई थी। फिल्म की कहानी सलमान और हर्षाली के किरदार मुन्नी के इर्द-गिर्द घूमती है।

फिल्म की कहानी एसएस राजामौली के पिता केवी विजयेंद्र प्रसाद ने लिखी थी। यह फिल्म एक ऐसी बच्ची की कहानी है, जो पाकिस्तान में अपने परिवार से बिछड़कर हिंदुस्तान में आ जाती है। इसके बाद सलमान खान का किरदार बच्ची को उसके परिवार से मिलाने के लिए पाकिस्तान जाता है।

इम्तियाज अली की फिल्म 'हाईवे' के सेकंड पार्ट में वीरा और ट्रक ड्राइवर महाबीर कश्मीर पहुंचते हैं और वहां पर एक घर में रहते हैं। उन खूबसूरत वादियों के बीच नई जिंदगी की शुरुआत करने की कोशिश करते हैं। ये पहलगाम से करीब 12 किलोमीटर दूर स्थित अरु घाटी थी।

फिल्म रामायण में रावण बनने से पहले यश ने लिया महाकाल का आशीर्वाद

नितेश तिवारी के डायरेक्शन में बन रही रामायण भारतीय सिनेमा की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से है। फिल्म में जहां रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका में नजर आने वाले हैं, वहीं साई पल्लवी भी मां सीता के किरदार में नजर आएंगी। बीते दिनों सनी देओल ने कंफर्म किया है कि वह फिल्म में भगवान हनुमान का रोल निभा रहे हैं, वहीं अब KGF फेम यश भी रामायण में रावण बनने के लिए तैयार हैं। वह जल्द ही इस फिल्म की शूटिंग शुरू करने वाले हैं। खास बात यह है कि शूटिंग शुरू करने से पहले यश उज्जैन पहुंचे और उन्होंने महाकाल का आशीर्वाद लिया है।

यश इस फिल्म में सिर्फ विलेन का रोल नहीं निभा रहे हैं, बल्कि वह नमित मल्होत्रा के साथ फिल्म को को-प्रोड्यूसर भी कर रहे हैं। यश इसी हफ्ते फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे। नितेश तिवारी और नमित मल्होत्रा इस फिल्म को दो पार्ट में बना रहे हैं, जिसका पहला हिस्सा 2026 में और दूसरा हिस्सा 2027 में रिलीज किया जाएगा। फिल्म के VFX पर खास ध्यान दिया जा रहा है, जिसे 7 बार ऑस्कर जीत चुकी नमित मल्होत्रा की कंपनी DNEG तैयार कर रही है।

हर नई फिल्म से पहले करते हैं भगवान की पूजा

रामायण के अलावा यश आगे 'टॉक्सिक' में भी नजर आने वाले हैं। हाल ही उन्होंने इस फिल्म का एक शेड्यूल पूरा किया है और अब मुंबई में नितेश तिवारी के डायरेक्शन में 'रामायण' की शूटिंग करने वाले हैं। उन्होंने इससे पहले उज्जैन में श्री महाकालेश्वर मंदिर में जाकर पूजा-अर्चना की। 'रॉकिंग स्टार' यश की यह प्रथा रही है, वह हर नए प्रोजेक्ट की शुरुआत मंदिर के दर्शन से करते हैं।

सूत्रों का कहना है कि रामायण भारतीय सिनेमा के पर्दे पर किसी तकनीकी चमत्कार की तरह होगा। निर्माता यश के साथ पहले शेड्यूल में शानदार सीन्स शूट करने वाले हैं, जिनमें कुछ एक्शन सीक्वेंस भी होंगे। यश करीब एक महीने तक अब सिर्फ रामायण की शूटिंग करेंगे और फिर 'टॉक्सिक' के बचे हुए शूट को पूरा करेंगे।

रामायण में राम और रावण यानी रणबीर कपूर और यश के बीच मुकाबले के सीन्स पर मेकर्स का खास ध्यान है। बताया जाता है कि एक प्रोड्यूसर के तौर पर भी यश इस महाकाव्य फिल्म से जुड़ने को लेकर बहुत उत्साहित हैं। 'KGF' और 'KGF 2' की ब्लॉकबस्टर सफलता के बाद उनसे उम्मीदें बढ़ गई हैं। यश के लिए 2026 का साल खास होने वाला है, क्योंकि एक ओर में जहां मार्च के महीने में उनकी टॉक्सिक रिलीज होगी, वहीं अक्टूबर में दिवाली के मौके पर रामायण पार्ट 1 को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज किया जाएगा।

शिव राजकुमार और पुनीत के पिता अभिनेता डॉ. राजकुमार के कारण

अमिताभ बच्चन को कर्नाटक में कर दिया था बैन

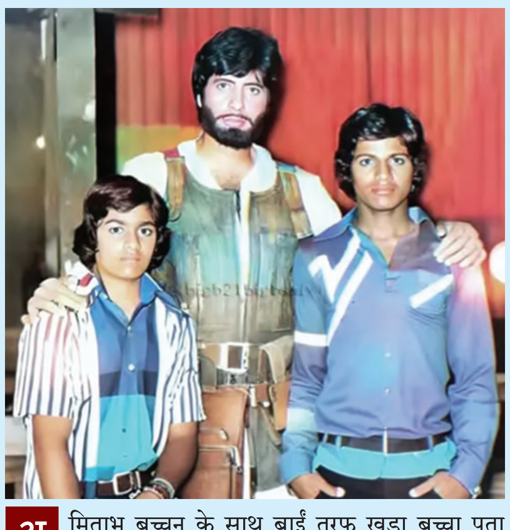

अमिताभ बच्चन के साथ बाईं तरफ खड़ा बच्चा पता है कौन है? यह अपने जमाने का पॉपुलर चाइल्ड आर्टिस्ट था, और आज कन्नड़ सिनेमा का सुपरस्टार है। और तो और इस बच्चे के पिता भी अपने दौर के कन्नड़ सिनेमा के बड़े स्टार रहे। उन्हें आज भी कन्नड़ सिनेमा में मैटिनी आइडल के तौर पर पूजा जाता है। चलिए बताते हैं कि अमिताभ के साथ नजर आ रहा यह बच्चा कौन है। यह तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, और अमिताभ बच्चन की फिल्म 'सत्ते पे सत्ता' के सेट की है। अमिताभ के बाईं तरफ एक्टर शिव राजकुमार हैं, और दूसरी ओर पुनीत राजकुमार। ये दोनों ही पॉपुलर चाइल्ड आर्टिस्ट रहे, और तब अमिताभ से मिलने उनकी फिल्म के सेट पर पहुंचे थे।

अमिताभ बच्चन को एक बार शिव राजकुमार और पुनीत के पिता एक्टर डॉ. राजकुमार के कारण कर्नाटक में बैन कर दिया गया था। खूब बवाल मचा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तब अमिताभ को राजकुमार से मिलकर उनसे माफी मांगनी पड़ी थी। यह मामला 43 साल पुराना है। तब अमिताभ की 'नमक हलाल' रिलीज होने जा रही थी। उसी दौरान डॉ. राजकुमार की क्त्र्श्री गशर्पी रिलीज हो रही थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, गांधीनगर के मेन थिएटर के एक्जीबिटर परेशान थे, और वो असमंजस में थे कि राजकुमार की फिल्म को स्पेस दें या नहीं क्योंकि उनके फैंस एक्टर की फिल्म रिलीज होने पर थिएटर में खूब आतिशबाजी करते, आरती उतारते और तोड़फोड़ करते थे।

लेकिन अचानक ही थिएटर के मालिकों ने फैंस के साथ डील कर ली कि वो शो के दौरान डॉ. राजकुमार की प्रतिमा पोडियम पर लगा देंगे और बिना आतिशबाजी या तोड़फोड़ के वो एक्टर की आरती उतार सकते हैं। बस फिर अमिताभ बच्चन की 'नमक हलाल' के बजाय डॉ. राजकुमार की 'हालू जेनू' थिएटर में लग गई। इस पर बवाल मच गया। एक ट्रेड मैगजीन में डॉ. राजकुमार को 'मिनी हिटलर' कहा गया, जिस पर खूब विवाद हुआ।

'नमक हलाल' की स्क्रीनिंग रुकी, 'कुली' का शूट रोका

अफवाह उड़ी कि यह बात अमिताभ बच्चन ने राजकुमार के लिए बोली। इसके बाद अमिताभ को कर्नाटक में बैन कर दिया गया। उस वक्त अमिताभ कर्नाटक में 'कुली' की शूटिंग कर रहे थे, पर वह रोक दी गई। 'नमक हलाल' की स्क्रीनिंग भी रोक दी गई। तब अमिताभ बच्चन, राजकुमार से मिलने पहुंचे और उनसे कथित तौर पर माफी मांगी।

पुनीत राजकुमार इस दुनिया में नहीं, कन्नड़ के सुपरस्टार हैं शिव राजकुमार

अब बात करते हैं डॉ. राजकुमार के बेटे शिव राजकुमार और पुनीत राजकुमार की, जो अमिताभ के साथ इस तस्वीर में हैं। पुनीत राजकुमार अब इस दुनिया में नहीं हैं, पर उन्हें भी पिता की तरह ही पूजा जाता था। 6 साल की उम्र से काम शुरू करने वाले पुनीत राजकुमार ने 10 साल की उम्र में नेशनल अवॉर्ड जीतकर सबको चौंका दिया था। वहीं, शिव राजकुमार भी बड़े स्टार हैं। वह अभी तक 100 से अधिक फिल्में कर चुके हैं। वह एक्टर ही नहीं, बल्कि सिंगर और टीवी एंकर भी हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनकी नेट वर्थ 230 करोड़ रुपये है।

जूनियर एनटीआर के बॉडी डबल ने बॉलीवुड को बताया तेलुगू सिनेमा से भी बदतर, कहा-

फिल्म वॉर 2 के लिए कम फीस दी, ठुकरा दी

अभिनेता जूनियर एनटीआर के बॉडी डबल ईश्वान हैरिस ने हाल ही में खुलासा किया कि उन्होंने अयान मुखर्जी की फिल्म वॉर 2 में काम करने का ऑफर ठुकरा दिया। इसकी वजह उन्होंने बहुत ही कम फीस बताई। ईश्वर हैरिस के मुताबिक, उन्हें जो मेहनताना मिल रहा था, उससे उनकी फ्लाइट का खर्च भी नहीं निकल पाता। साथ ही उन्होंने बॉलीवुड की बुराई की और उसे साउथ फिल्म इंडस्ट्री से बहुत खराब बताया। ईश्वान हैरिस ने इससे पहले एसएस राजामौली की RRR में जूनियर एनटीआर संग काम किया था।

माना स्टार्स को दिए गए इंटरव्यू में ईश्वान ने बताया कि उन्हें फिल्म वॉर 2 में कुछ सीन्स के लिए जूनियर एनटीआर का बॉडी डबल बनने के लिए संपर्क किया गया था, लेकिन बेहद कम मेहनताने के कारण ऑफर ठुकरा दिया।

ईश्वान हैरिस बोले, 'हाल ही में मुझसे पूछा गया कि क्या मैं 'वॉर 2' में काम करना चाहूंगा। मैंने रेमुनरेशन के कारण ऐसा नहीं किया। उन्होंने मुझे अगली फ्लाइट से मुंबई आने के लिए कहा। लेकिन रेमुनरेशन (फीस) इतनी कम थी कि शायद यह मेरी फ्लाइट के खर्च को भी कवर नहीं कर पाती।'

ईश्वान हैरिस ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की भी आलोचना की और कहा कि उन्हें तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में ज्यादा पैसे मिले। उन्होंने कहा, 'बॉलीवुड हमसे भी बदतर है। मुझे यहां (टॉलीवुड में) उससे बेहतर पैसे मिल रहे हैं। आपके पास इतने तगड़े बजट हैं। आपको अच्छा पेमेंट करना चाबिए। मुझे तीन दिन काम करने के लिए कहा गया था, लेकिन मैंने इसे ठुकरा दिया क्योंकि यह मेरी फ्लाइट को कवर करने के लिए भी काफी नहीं थी।'

अजीत कुमार को बेल्जियम रेसिंग में मिला दूसरा स्थान

अभिनेता अजीत कुमार कई दुर्घटनाओं का सामना करने के बाद अब उन्होंने रेसिंग में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। उन्होंने ने बेल्जियम के प्रतिष्ठित स्पा-फ्रैंकोरचैम्प्स सर्किट में ये उपलब्धि पाई है। उन्हें देखने के लिए उनके चाहनेवालों की भीड़ ने जीत के बाद बुरी तरह घेर लिया था। एक्टर कई सालों से इंटरनेशनल रेसिंग इवेंट्स में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और लोगों का प्यार बटोर रहे हैं। उन्हें हाल के दिनों में कई बार चोट भी आई लेकिन बावजूद इसके उन्होंने मजबूती से कमबैक किया और सबको चौंका दिया।

अजीत कुमार की जीत का जश्न न सिर्फ उनक् फैंस ने मनाया। बल्कि इंडस्ट्री के दोस्त और टीम ने भी खूब एक्साइटमेंट दिखाई। उनके मैनेजर सुरेश चंद्रा का तो गर्व से सीना चौड़ा हो गया था। वह खुशी से फूले नहीं समा रहे थे। सोशल मीडिया पर उन्होंने ही इस गुड न्यूज को शेयर किया था। लिखा था, 'मोटरस्पोर्ट के लिए गर्व का पल। अजीत कुमार और उनकी टीम ने बेल्जियम के स्पा फ्रैंकोरचैम्प्स सर्किट में शानदार झ2 पोडियम फिनिश हासिल की।'

'गुड बैड अग्ली' के डायरेक्टर आदिक रविचंद्रन ने भी लिखा, 'भारतीय मोटरस्पोर्ट के लिए ये गर्व का पल है। अजीत सर और उनकी

टीम की जीत हुई।' मैनेजर सुरेश ने तो एक और पोस्ट किया और उसमें एक्टर और उनकी टीम का दिल छू लेने वाला वीडियो शेयर किया, जिसमें वह पोडियम पर कदम रखते हुए उस पल को इंजॉय कर रहे थे। हालांकि जिस जीत ने ज्यादा दिल जीता वो था अजीत का अपने से आगे वाले रेसर्स के लिए ताली बजाना।

अजीत कुमार पर्दे के साथ-साथ पर्सनल लाइफ में भी लोगों पर अपनी गहरी छाप छोड़ रहे हैं। एक्टर की रेसिंग टीम ने भी सोशल मीडिया पर इस एतिहासिक जीत की खबर शेयर की है। उन्होंने एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वो पोडियम पर खड़े होकर तिरंगा थामे हुए थे। साथ ही उन्होंने बताया कि फैंस उनसे मिलने के लिए लाइन में लग गए थे। स्पेन में प्रैक्टिस सेशन के दौरान एक्टर दो बार दुर्घटना का शिकार हो गए थे। लेकिन हिम्मत और प्यार ने उन्हें सफल कर दिया।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आर्थिक हालात के चलते कोई अहम काम बीच में अटक सकता है। आपके दोस्त आपको ऐसे वक़्त पर दग़ा दे सकते हैं, जब आपको उनकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत हो। दूसरों को ख़ुशियाँ देकर और पुरानी ग़लतियों को भुलाकर आप जीवन को सार्थक बनाएंगे। आपको महसूस होगा कि आपके परिवार का सहयोग ही कार्यक्षेत्र में आपके अच्छे प्रदर्शन के लिए ज़िम्मेदार है। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और प्रगति निश्चित है। लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। दूसरों को ख़ुशियाँ देकर और पुरानी ग़लतियों को भुलाकर आप जीवन को सार्थक बनाएंगे। आपके अंदर नेतृत्व का गुण और लोगों की ज़रूरतों को समझने की संवेदनशीलता है। अगर आप ख़ुद को अभिव्यक्त करने पर ज़ोर देंगे, तो सफलता आपके क़दम चूमेगी। घर के छोटे सदस्यों को साथ लेकर आज आप किसी पार्क या शॉपिंग मॉल में जा सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

कारोबारियों को आज के दिन बहुत सोच समझकर पैसा निवेश करने की जरुरत है। आपकी ज्ञान की प्यास आपको नए दोस्त बनाने में मददगार साबित होगी। किसी से आँखें चार होनी की काफ़ी संभावना है। रचनात्मक काम में लगे लोगों के लिए सफलता से भरा दिन है, उन्हें वह शौहरत और पहचान मिलेगी जिसकी उन्हें एक अरसे से तलाश थी। खाली समय का पुरा आनंद उठाने के लिए आपको लोगों से दूर होकर अपने पसंदीदा काम करने चाहिए। ऐसा करके आपमें सकारात्मक बदलाव भी आएंगे। आज के दिन कुछ भी करने के लिए अपने साथी पर दबाव न डाले।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज घर में किसी फंक्शन के होने की वजह से आज आपको बहुत धन खर्च करना पड़ेगा जिसके कारण आपकी आर्थिक स्थिति खराब हो सकती है। बच्चों के साथ समय बिताना ख़ास होगा। रोमांस के लिहाज़ से रोमांचक दिन है। शाम के लिए कोई ख़ास योजना बनाएँ और जितना हो सके, इसे उतना रुमानी बनाने की कोशिश करें। आईटी से जुड़े लोगों को अपना जौहर दिखाने का मौक़ा मिल सकता है। आपको क़ामयाबी पाने के लिए केवल काम पर एकाग्र होकर जी–तोड़ मेहनत करने की ज़रूरत है। खाली समय का पुरा आनंद उठाने के लिए आपको लोगों से दूर होकर अपने पसंदीदा काम करने चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर आज आप भविष्य के लिए कोई आर्थिक योजना बना सकते हैं और उम्मीद है कि यह योजना सफल भी होगी। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। काम में आपकी दक्षता की आज परीक्षा होगी। इच्छित परिणाम देने के लिए आपको अपनी कोशिशों पर एकाग्रता बनाए रखने की ज़रूरत है। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपने शरीर की थकान मिटाने और ऊर्जा–स्तर को बढ़ाने के लिए आपको पूरे आराम की ज़रूरत है, नहीं तो शरीर की थकावट आपके मन में निराशावादिता को जन्म दे सकती है। निश्चित तौर पर वित्तीय स्थिति में सुधार आएगा– लेकिन साथ ही ख़र्चों में भी इज़ाफ़ा होगी। अपने घर के वातावरण में कुछ बदलाव करने से पहले आपको सभी की राय जानने की कोशिश करनी चाहिए। वरिष्ठ सहकर्मी और रिश्तेदार मदद का हाथ बढाएंगे। चीज़ें आपकी इच्छा के मुताबिक़ नहीं चलेंगी, लेकिन अपने हमदम के साथ आप अच्छा समय गुज़ारेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

बीते दिनों में जितना धन आपने आज को बेहतर बनाने के लिए इनवेस्ट किया था उसका फायदा आज आपको फायदा मिल सकता है। परिवार के सदस्यों का आपके जीवन में विशेष महत्व होगा। किसीकी दख़लअंदाज़ी के चलते आपके और आपके प्रिय के रिश्ते में दूरियाँ आ सकती हैं। इस राशि के कारोबारी आज किसी करीबी की गलत सलाह के कारण परेशानी में आ सकते हैं। जॉब करने वाले जातकों को आज कार्यक्षेत्र में सोच–समझकर चलने की जरुरत है। जरुरी कामों को समय न देना और फिजूल के कामों पर वक्त जाया करना आज आपके लिए घातक सिद्ध हो सकता है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

सट्टेबाज़ी से फ़ायदा हो सकता है। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। कार्यक्षेत्र में आप अच्छा महसूस करेंगे। आज आपके सहकर्मी आपके काम की तारीफ करेंगे और आपका बॉस भी आपके काम से खुश होगा। कारोबारी भी आज कारोबार में मुनाफा कमा सकते हैं। आज के दिन आपके कुछ दोस्त आपके घर में आ सकते हैं और उनके साथ आप समय बिता सकते हैं अपने जीवनसाथी के साथ आप आज एक शानदार शाम गुज़ार सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आपको अपना धन खर्च करने की जरुरत नहीं पड़ेगी क्योंकि घर का कोई बड़ा आज आपको धन दे सकता है। जिनसे आप प्यार करते हैं, उनसे आज सारी ग़लतफ़हमी दूर हो सकती है। आज आपका प्रेमी अपने मनोभावों को आपके सामने खुलकर नहीं रख पाएगा जिसकी वजह से आपको खिन्नता होगी। अपने काम और प्राथमिकताओं पर ध्यान एकाग्र करें। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा। आपको या आपके जीवनसाथी को बिस्तर में चोट लग सकती है। इसलिए एक–दूसरे का ख़याल रखें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा–ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। बच्चे कोई दिल ख़ुश करने वाली ख़बर ला सकते हैं। बीते दिनों की मीठी यादें आपको व्यस्त रखेंगी। कार्यक्षेत्र में आपके प्रतिद्वन्द्वियों को अपने ग़लत कामों का फल मिलेगा। दिक़्क़तों का तेज़ी से मुक़ाबला करने की आपकी क्षमता आपको ख़ास पहचान दिलाएगी। आप एक बेहतरीन जीवनसाथी होने की ख़ुशक़िस्मती को शिद्दत से महसूस कर पाएंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। काम–काज में ज़रूरत से ज़्यादा तनाव के चलते परिवार की ज़रूरतों और इच्छाओं को दरकिनार न करें। आपका प्यार न सिर्फ़ परवान चढ़ेगा, बल्कि नई ऊँचाइयों को भी छूएगा। दिन की शुरुआत प्रिय की मुस्कान से होगी कार्यक्षेत्र में किसी विशेष व्यक्ति से आपकी मिलाक़ात हो सकती है जीवनसाथी से निकटता आज आपको ख़ुशी देगी। देव मंदिर मे श्रीफल अर्पित करें मानसिक शान्ति का अहसास होगा कार्य सिद्धि भी होगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपको अपनी संतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभावना नजर आ रही है। इससे आपको काफी खुशी होगी। विद्यालय का काम पूरा करने के लिए बच्चे आपसे मदद ले सकते हैं। आज का दिन रोमांस से भरपूर होने की पूरी संभावना है। यह उन उम्दा दिनों में से एक दिन है जब कार्यक्षेत्र में आप अच्छा महसूस करेंगे। आज आपके सहकर्मी आपके काम की तारीफ करेंगे और आपका बॉस भी आपके काम से खुश होगा। कारोबारी भी आज कारोबार में मुनाफा कमा सकते हैं। इस राशि के छात्र छात्राओं को आज के दिन पढ़ाई में मन लगाने में दिक्कतें आ सकती हैं। आज आप अपना कीमती समय दोस्तों के चक्कर में बर्बाद कर सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 24 अप्रैल 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : वैशाख ,कृष्ण पक्ष
तिथि : एकादशी रात्रि 02:25 तक
नक्षत्र : शतभिषा प्रातः 10:50 तक
योग : ब्रह्म सायं 03:55 तक
करण : बालव दोपहर 02:35 तक
चन्द्रराशि : कुंभ रात्रि 03:26 तक
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:34 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:02, सूर्यास्त 06:33 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:26 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:46, सूर्यास्त 06:24 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : वरुथिनी एकादशी व्रत ,
वल्लभाचार्य जयंती, पंचक चालू है।

✻ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ✻
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

अधिकारी जनता की समस्याओं का स्वत: संज्ञान लेते हुए शीघ्रता से करें समाधान : सैनी

चंडीगढ़,23 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जनता की बातों को ध्यान से सुनना और समय पर उनका निवारण करना हम सभी की जिम्मेवारी है। उन्होंने कहा कि अधिकारी जनमानस की समस्याओं पर स्वत: संज्ञान लेंगे तो उनका समाधान भी शीघ्रता से सुनिश्चित हो सकेगा। मुख्यमंत्री बुधवार को गुरुग्राम में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे । बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, पटौदी की विधायक बिमला चौधरी, सोहना के विधायक तेजपाल तंवर और गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा भी मौजूद रहे।

बैठक में 19 परिवाद रखे गए, जिसमे से मुख्यमंत्री ने 18 परिवादों का निपटारा करते हुए एक मामले को आगामी बैठक तक लंबित रखने के निर्देश दिए और संबंधित अधिकारियों से आगामी बैठक में स्टेट्स रिपोर्ट लेकर आने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता को किसी भी प्रकार की कोई समस्या नहीं आनी चाहिए। शहर में स्वच्छता की तरफ़ विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि ऋगुरुग्राम को स्वच्छ और सुंदर बनाया जा सके। नायब सिंह सैनी ने बैठक से पहले दो मिनट का मौन रख कर जम्मू कश्मीर में एक दिन पहले हुई दुखद आतंकी घटना के मृतकों को श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री ने बैठक में सेक्टर 29 स्थित लेजर वैली ग्राउंड में सी एंड वेस्ट के उठान से संबंधित व डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन के संदर्भ में निगमायुक्त को एचकेआरएनएल से अतिरिक मैनपॉवर भर्ती करने के निर्देश देते हुए कहा कि गुरुग्राम को एक सुंदर व स्वच्छ तथा सुव्यवस्थित शहर बनाना सरकार की प्राथमिकता है। ऐसे में निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति में संसाधनों की कमी नही रहनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने बैठक में गांव बेगमपुर खटोला से संबंधित सीवर ओवरफ्लो की शिकायत का निवारण तथा सीवर ओ–वरफ्लो के लिए दोषी औद्योगिक इकाइयों पर कार्रवाई ना करने पर नगर निगम के कार्यकारी अभियंता पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी जनता की समस्याओं के निवारण के लिए अपनी कार्यशैली में बदलाव करें अन्यथा कार्रवाई के लिए तैयार रहे। उन्होंने निगम अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे इस कार्य को 3 सप्ताह में पूरा कर संबंधित क्षेत्र की अपडेटेड फ़ोटो उनके कार्यालय भिजवाना सुनिश्चित करें। बैठक में गांव कादरपुर से आए एक बुजुर्ग शिकायकर्ता ने बताया कि उसके भाई ने पैतृक जमीन में से अपना हिस्सा बेच दिया है। लेकिन खरीददार के साथ मिलकर उसकी जमीन पर नाजायज रूप से कब्जा किया गया है। इस संबंध में संबंधित अधिकारियों द्वारा अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। मुख्यमंत्री ने बुजुर्ग की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए पुलिस अधिकारियों को खरीददार तथा जमीन बेचने वाले दोनों व्यक्तियों पर एफआईआर दर्ज करने तथा संबंधित तहसीलदार को रेवेन्यू से सम्बंधित कार्रवाई में तीव्र गति से प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने सोहना क्षेत्र से संबंधित एक किसान के खेत मे बने कमरे को तोडक़र अवैध कब्जे की शिकायत पर एसडीएम को 10 दिनों के भीतर कब्जा दिलवाने व जांच में लापरवाही बरतने वालों पर कारवाई करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने गुरुग्राम में जलभराव तथा रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की सफाई ना होने की शिकायत पर अधिकारियों को निर्देश दिए कि संबंधित विभाग जिला के सभी 404 रेन वाटर हार्वेस्टिंग की सफाई बरसात से पहले करवाना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने इस दौरान सेक्टर 4 से संबंधित विकास कार्यो को लेकर अगली बैठक तक की समय सीमा निर्धारित की। गांव मुबारकपुर के सरपंच द्वारा जलघर को एक साल से बिजली का कनेक्शन नहीं मिलने की शिकायत पर डीसी अजय कुमार को निर्देश दिए कि वे स्वयं इस मामले की जांच कर लापरवाही करने वाले अधिकारियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें।इस अवसर पर जिला परिषद की चैयरपर्सन दीपाली चौधरी, गुरुग्राम की मेयर राज रानी मल्होत्रा, डीसी अजय कुमार, सीपी विकास अरोड़ा, एचएसवीपी की प्रशासक वैशाली सिंह, नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त अशोक गर्ग सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

सैनी ने दिखाई सख्ती: नगर निगम एक्सईएन और आरोपियों पर कार्रवाई के आदेश

चंडीगढ़,23 अप्रैल (एजेंसियां)। जिला लोक संपर्क एवं शिकायत निवारण समिति की आज की बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने एक्शन मोड दिखाया। उन्होंने कॉन्फ्रेंस के दौरान नगर निगम एक्सईएन को जमकर फटकार लगाई और सीवर संबंधी समस्याओं को लेकर सख्त कार्रवाई के आदेश दिए। साथ ही मुख्यमंत्री ने पुलिस को कथित अवैध भूमि कब्जाने वाले के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए।स्वतंत्रता सेनानी जिला परिषद हॉल में आज हुई शिकायत निवारण समिति की बैठक में 19 समस्याओं का समाधान किया गया, जिसमें एक अहम मुद्दा बेगमपुर खटोला में सीवर ओवरफ्लो की समस्या का रहा। इस गांव में पिछले चार साल से सीवर का पानी सड़क पर बह रहा था और नगर निगम को लगातार विरोध के बावजूद कोई समाधान नहीं हुआ। मुख्यमंत्री ने सबसे पहले इस बात को माना और नगर निगम एक्सईएन के खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए।

सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा एजेंसियों के साथ रखें तालमेल

विशेष सजगता के साथ कानून व्यवस्था हो सुनिश्चित : भजनलाल

जयपुर,23 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश में चाक–चौबंद सुरक्षा व्यवस्था के लिए राज्य सरकार संकल्पित है। उन्होंने कहा कि जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के मद्देनजर प्रदेश में सभी जगह माकूल सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जिला कलक्टर एवं पुलिस अधीक्षक विशेष सतर्कता बरतते हुए अपने जिलों में कानून–व्यवस्था पर सतत निगरानी बनाए रखें। शर्मा ने बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संभागीय आयुक्त, पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस आयुक्त, जिला कलक्टर एवं जिला पुलिस अधीक्षकों के साथ बैठक कर प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने प्रदेश के अंतर्राष्ट्रीय सीमा से लगते जिलों में विशेष सजगता बरतने के निर्देश देते हुए कहा कि सीमा पर तैनात सुरक्षा एजेंसियों के साथ निरंतर तालमेल बनाते हुए काम करें।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि छोटी से छोटी घटना और सूचना को गम्भीरता से लिया जाए तथा तत्काल उच्चाधिकारियों को अवगत कराया जाए। इस सम्बन्ध में कानून–व्यवस्था को लेकर गृह विभाग द्वारा जारी विस्तृत दिशा–निर्देशों की कड़ाई से व अक्षरशः पालना सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि एडीजी रेंज प्रभारी जिला प्रशासन एवं पुलिस से नियमित संपर्क में रहें तथा अपनी प्रभार वाली रेंज का दौरा भी करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि सार्वजनिक स्थानों, पर्यटन स्थलों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पर्याप्त पुलिस जाप्ता नियोजित करते हुए विशेष निगरानी की जाए। जिससे कि पर्यटकों एवं आमजन के मन में सुरक्षा की भावना को मजबूत किया जा सके। उन्होंने निर्देश दिए कि होटल, धर्मशाला जैसे स्थानों की लगातार चैकिंग की जाए, ताकि संदिग्ध गतिविधियों वाले व्यक्तियों को समय रहते चिन्हित किया जा सके। शर्मा ने सोशल मीडिया पर गहन निगरानी के निर्देश देते हुए कहा कि भ्रामक एवं आपत्तिजनक टिप्पणियों तथा अफवाह फैलाने वालों पर सख्ती बरती जाए। साथ ही, सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों से सही सूचना प्रसारित की जाए तथा भ्रामक सूचना फैलाने वालों व्यक्तियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई करें।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमला निंदनीय एवं कायरतापूर्ण घटना है तथा इससे पूरा देश स्तब्ध है।

उन्होंने कहा कि इस दुखद घटना की गंभीरता को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विदेश यात्रा बीच में छोड़कर वापस भारत लौट आए हैं एवं केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू–कश्मीर में घटना स्थल पर पहुंचकर जायजा लिया है। उन्होंने कहा कि इस जघन्य हमले को अंजाम देने वाला कोई भी आतंकी सुरक्षा बलों से बच नहीं पाएगा। मुख्यमंत्री ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के शोक संतप्त परिव–ारजनों को इस दुःख को सहने के लिए शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की। शर्मा ने इस हादसे में जान गंवाने वाले जयपुर निवासी स्व. नीरज उदवानी के परिजनों से दूरभाष पर वार्ता कर संवेदनाएं व्यक्त की।

अमेरिकी उप राष्ट्रपति का जयपुर सिटी पैलेस दौरा रद्द

सुरक्षा चिंताओं के चलते लिया गया फैसला

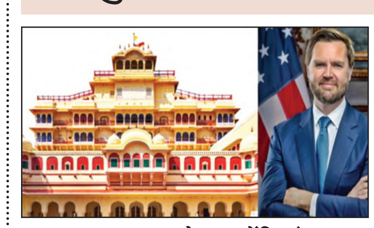

जयपुर,23 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अपने परिवार के साथ चार दिवसीय (21–24 अप्रैल) भारत दौरे पर हैं। उनके यात्रा कार्यक्रम में बुधवार को जयपुर के सिटी पैलेस जाना भी शामिल था, लेकिन इस दौरे को रद्द कर दिया गया। सिटी पैलेस दौरा रद्द करने का कोई आधिकारिक कारण नहीं बताया गया है। हालांकि सूत्रों का कहना है कि आगरा से लौटने के तुरंत बाद ही सिटी पैलेस जाने का प्लान रद्द किया गया। उन्होंने बताया कि यह फैसला पहलगाम आतंकवादी हमले से प्रभावित था।

इससे पहले बुधवार को वेंस और उनके परिवार ने आगरा में प्रतिष्ठित ताजमहल का दौरा किया और जयपुर लौटने से पहले वहां लगभग तीन घंटे बिताए। वे फिलहाल रामबाग पैलेस होटल में ठहरे हुए हैं और गुरुवार सुबह 6.30 बजे वाशिंगटन के लिए रवाना होंगे। उपराष्ट्रपति वेंस और उनका परिवार सोमवार रात जयपुर पहुंचे। 22 अप्रैल को, उन्होंने आमेर किले का दौरा किया और ऐतिहासिक स्थल में एक घंटे से अधिक समय बिताया। सिटी पैलेस म्यूजियम के निदेशक वैभव चौहान ने पहले घोषणा की थी कि वेंस के दौरे के सिलसिले में 23 अप्रैल को सिटी पैलेस पर्यटकों के लिए बंद रहेगा। अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों ने भी सुरक्षा व्यवस्था का आकलन करने के लिए मंगलवार को आयोजन स्थल का गहन निरीक्षण किया था। चौहान ने मंगलवार को कहा, जयपुर का सिटी पैलेस 23 अप्रैल, 2025 को अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उनके परिवार का स्वागत करने के लिए गौरवान्वित महसूस कर रहा है। महाराजा सवाई मान सिंह द्वितीय संग्रहालय, सिटी पैलेस 23 अप्रैल 2025 को पर्यटकों के लिए बंद रहेगा। बुधवार को ही अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बात की। उन्होंने पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की और कहा कि अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त लड़ाई में 'सभी तरह की मदद' देने के लिए तैयार है।विदेश मंत्रालय के अनुसार, बुधवार को आगरा के दौरे पर आए वेंस ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ फोन पर बातचीत के दौरान जम्मू–कश्मीर में हुए नृशंस आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की।विदेश मंत्रालय ने कहा, उन्होंने जानमाल के नुकसान पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और दोहराया कि संयुक्त राज्य अमेरिका इस कठिन घड़ी में भारत के लोगों के साथ खड़ा है।

श्री बाबा गंगाराम धाम, झुंझुनू में स्वर्ण जयंती विशाल मेला हुआ सम्पन्न

भजन सम्राट अनूप जलोटा ने बहायी भजनों की सुर सरिता

पूरा झुंझुनू नगर श्रद्धा और भक्ति में डूबा

झुंझुनू ,23 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। झुंझुनू नगर स्थित विश्वविख्यात मंदिर श्री बाबा गंगाराम धाम, श्री पंचदेव मंदिर के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में दो दिवसीय स्वर्ण जयंती विशाल मेला विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के साथ श्रद्धा, भावना व उल्लास के साथ समारोह पूर्वक सम्पन्न हुआ। मेले में भव्य शोभायात्रा, भजन सम्राट अनूप जलोटा द्वारा भजन संध्या, सैन्ड आर्ट द्वारा लीला मंचन, बनारस के पंडितों द्वारा गंगा आरती, धार्मिक झांकियां, देश के विख्यात भजन गायकों द्वारा भजन संध्या आदि कई मनभावन आयोजनों के दौरान संपूर्ण झुंझुनू नगर श्रद्धा, भक्ति और प्रेम के अद्भुत संगम में गोते लगाता रहा। इस शुभ अवसर पर देश विदेश से हजारों भक्तजन पधारे। बाहर से आए प्रवासियों ने पूजा अर्चना की और मनौतियाँ मांगीनगर की प्रमुख संस्थाओं द्वारा विभिन्न स्थानों पर यात्रियों के लिए सेवा शिविर लगाए गए।

मेले का शुभारंभ श्री पंचदेव मंदिर में विशाल शोभायात्रा से हुआ। ट्रस्टी श्रद्धेय श्री अनिलजी मोदी द्वारा बाबा गंगाराम, भक्त शिरोमणि देवकीनंदन एवं शक्तिस्वरुपा देवी गायत्री के उत्सव विग्रह की रथ पर विशेष पूजा अर्चना और आरती की गई। शोभायात्रा को देखने के लिए जनसमूह उमड़ पड़ा। एक समान परिधान में सबसे आगे महिलाए मंगल कलश लेकर चल रही थी और पुरुष केसरिया ध्वज हाथ में लेकर जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। नासिक का सुप्रसिद्ध पथक ढोल, केरल से आई हुयी एक से बढ़कर एक सचेतन झांकियां, भी निकाली।

शोभायात्रा में देश के कोने–कोने से आए हुए हजारों प्रवासी भक्त विशेष रूप से शामिल हुए। रास्ते में जगह–जगह नगर की संस्थाओं द्वारा तोरण द्वार बनाये गए थे, जहाँ शोभा यात्रा को रोककर सभी भक्तों का स्वागत किया गया। महावीर इंटरनेशनल के तत्वाधान में गांधी चौक में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।

भजन सम्राट पद्मश्री अनूप जलोटा ने कार्यक्रम प्रस्तुत कर श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। खचाखच भरे पंडाल में विशाल मंच पर उन्होंने भजनों की ऐसी सुर सरिता बहायी की सभी मंत्र मुग्ध हो गए। उन्होंने कहा कि मैंने देश भर में श्री बाबा गंगारामजी के कई प्रोग्राम दिए है, पर मुख्य धाम झुंझुनू में पहली बार प्रोगाम करके बहुत रोमांचित हूँ। उन्होंने पंचदेव मंदिर के त्याग तपस्या और भक्ति को समर्पित भजन बन्दे भजले बाबा गंगाराम......, हे विष्णु के अवतारी बाबा गंगाराम........, आदि सुनाए। इसके पूर्व उन्होंने मंदिर में विष्णु अवतारी बाबा गंगाराम की पूजा–अर्चना कर पुष्प चढ़ाए और देश की समृद्धि की कमाना की। मंदिर ट्रस्ट की ओर से श्री अशोक जी केजड़ीवाल हैदराबाद और गोरीशंकर जी गुप्ता बैंगलोर ने उन्हें शाल उढ़ाकर मंदिर का प्रतीक चिन्ह भेट किया। उनको सुनने के लिए उमड़े सैलाब के लिए विशाल पंडाल भी छोटा पड़ गया। इसके अलावा सौरभ केशव मधुकर द्वारा बाबा गंगाराम लीला मंचन, कोलकाता के श्री श्याम अग्रवाल द्वारा धुनुची नृत्य एवं श्री रासा बैंड का अद्भुत प्रदर्शन, श्री नवीन जोशी कोलकाता द्वारा अमृतवानी पाठ सहित एक से बढ़कर एक आयोजनों ने भक्तों का मन मोह लिया। बनारस की विख्यात गंगा आरती से मेले का समापन हुआ। बनारस से पधारे हुए पंडितों ने एक कतार में खड़े होकर आरती शुरू की, मंत्र गूंजने लगे, ढोल–घड़ियाल बजने लगे और मानों बाबा गंगर्म धाम पंचदेव मंदिर परिसर में बनारस का गंगाजी का घाट साकार हो उठा हो। मेले में अतिथि के रूप देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री श्री जोराराम जी कुमावत एवं सहकारिता व नागरिक उड्डयन मंत्री श्री गौतम दक, लोकप्रिय विधायक श्री राजेन्द्र भाम्बू, भिवानी (हरियाणा) विधायक एवं पूर्व मंत्री श्री घनश्याम सर्राफ सहित जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी आदि विशेष रूप से उपस्थित थे। भोग प्रसाद के रूप में भंडारा का आयोजन हुआ, जिसमें हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया.. टीवी चैनल एवं यूट्यूब पर कार्यक्रम का सीधा प्रसारण हो रहा था। विदेशों से भी आये प्रवासी देश के हर प्रान्त से ही नहीं बल्कि विदेशों में अमेरिका, लंदन, काठमांडू, सिंगापुर, दुबई से भी प्रवासी भक्त बाबा के दरबार में हाजिरी लगाने पधारे । चारों तरफ श्रद्धा उल्लास एवं भक्ति का वातावरण फैला हुआ था । समारोह की व्यवस्था में अशोक केजरीवाल, मनीष अग्रवाल, सत्यनारायण सरावगी, गिरीश सर्राफ, चंद्रप्रकाश छावछरिया, संजय जालान, राजकुमार मोदी, जुगलकिशोर पोद्दार, सुनील मोदी, राजकुमार खेमानी, अरविंद जालान एवं स्थानीय प्रमोद खंडेलिया, गणेश हलवाई, नेमी अग्रवाल, प्रदीप पाटोदिया, नारायण जालान, विमल टमकोरिया, संजय नांगलिया, निर्मल मोदी, बंटी टिबड़ा, अंजनी जालान, सी ए लोकेश अग्रवाल, अजीत राणासारिया, विनोद जालान, अमित जगनानी, डा. डी. एन. तुलस्यान, सुरेश मोदी, अनूप गाडिया, अमित जगनानी, सुभाष जालान, संदीप गोयल, विपिन राणासारिया, प्रमोद मोदी, सुभाष हंसासरिया, आशीष तुलस्यान, राजेश ढेधिया, महेश मोदी, रूपेश तुलस्यान, सुनील मोदी, महेंद्र टीबडा, दीपक केडिया, अशोक तुलस्यान, दीपक मस्करा, रवि राणासारिया, प्रमोद तुलस्यान, संजीव मोदी आदि लगे हुए हैं। श्री बाबा गंगाराम धाम के दो दिवसीय भव्य मेले की सुचारू व्यवस्था एवं सक्रिय सहयोग के लिए मंदिर ट्रस्ट के प्रमुख ट्रस्टी श्री अनिल कुमार मोदी ने सभी का आभार जताया।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

आसमान में करतब दिखा रहे एयरफोर्स के लड़ाकू विमान

सीएम नीतीश कुमार भी पहुंचे एयर शो देखने

पटना (एजेंसियां)। आज यानी बुधवार को बिहार स्वतंत्रता सेनानी वीर कुंवर सिंह की जयंती मना रहा है। इस खास अवसर पर पहली बार पटना में एयर शो हुआ। आज सुबह सवा दस बजे से सवा 12 बजे तक दो घंटे लगातार एयरफोर्स के 9 लड़ाकू विमान हजार फीट की ऊंचाई पर करतब दिखाया। इसके लिए सारी तैयारी पहले ही पूरी हो चुकी है। भारतीय वायु सेना की सूर्यकिरण एरोबेटिक्स टीम आसमान में अद्भुत करतब दिखाने के तैयार है।

पटना जिला प्रशासन की मानें तो आज केवल एयर शो नहीं, बल्कि वीरता, अनुशासन और देशभक्ति का जीवंत प्रदर्शन भी हुआ। यह नजारा देखने के लिए सीएम नीतीश कुमार, उमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, मंत्री अशोक चौधरी, विजय चौधरी समेत हजारों की संख्या में लोग पटना के सभ्यता द्वार के सामने जुटे। इधर, एयर शो को लेकर सुरक्षा सारी तैयारी पूरी कर ली गई। पटना जिला प्रशासन ने 140 पुलिस अफसर और 400 से ज्यादा जवान तैनात किए गए। इसमें महिला सुरक्षाकर्मियों भी शामिल हैं।

नीतीश सरकार की ओर से महान स्वतंत्रता सेनानी बाबू वीर कुंवर सिंह की जयंती को शौर्य दिवस के रूप में मनाने की पहल को एक ऐतिहासिक रंग मिल रहा है। नौ हॉक-132 जेट विमानों ने पटना के नीले आकाश को अपनी लहरदार फॉर्मेशन, लूप्स और धमाकेदार डाइव्स से सजा दिया। इस रोमांचक प्रदर्शन को देखने के लिए हजारों की संख्या में छात्र, बच्चे और आमजन सभ्यता द्वार के सामने उमड़े। बच्चों की आंखों में उत्साह था, युवाओं के चेहरों पर देशभक्ति की चमक और हर दिल में भारतीय वायु सेना के प्रति गर्व का भाव दिखाई दे रहा था। जब आकाश में सूर्यकिरण विमान दिखाई दिए तो हर कोई इस पल को अपने कैमरे में कैद करने की कोशिश करते दिखा।

इधर, एयर शो लेकर सारी तैयारी पूरी हो चुकी है। कार्यक्रम स्थल सभ्यता द्वार के पास बनाया गया है। यहां लोग खुले आसमान में एयर शो का आनंद लेंगे। पटना पुलिस ने अलग ट्रैफिक रूट बनाया है। इस दिन जेपी गंगा पथ का एक लेन पूरी तरह से बंद रहेगा। गंगा नदी में नाव के परिचालन पर भी रोक रहेगी। पटना ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, 23 अप्रैल को गायघाट की ओर से दीघा गोलंबर की ओर जाने वाले वाहन कृष्णा घाट अंडरपास से अशोक राज पथ होते हुए जा सकेंगे।वहीं दीघा गोलंबर से गायघाट की ओर जाने वाले वाहन एलसीटी घाट अंडरपास से अशोक राज पथ होते हुए जा सकते है। आयुक्त कार्यालय के सामने से जेपी गंगा पथ पर सामान्य वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बंद की गई है। दानापुर से अशोक राजपथ की ओर जाने वाले व्यावसायिक वाहन पुलिस लाइन तिराहा तक चलने की अनुमति दी गई। एलसीटी एप्रोच रोड वन बंद रहा। शो के दौरान जेपी गंगा पथ आम वाहनों के लिए बंद रहा।

अपराजित लोहान ने कहा कि शौर्य दिवस का यह आयोजन पटना के लिए गर्व का पल है। इसे सुव्यवस्थित यातायात से यादगार बनाएं।

प्रशासन की ओर से एयर शो और बापू सभागार में शामिल होने वालों की सुविधा का पूरा ध्यान रखा गया है। इसके लिए ट्रैफिक रूट में बदलाव और पार्किंग की विशेष व्यवस्था की गई है। पटना के हर दिशा से आने वाले वाहनों के लिए अलग-अलग मार्ग बनाए गए हैं, ताकि पार्किंग में भीड़ न हो। हमारी अपील है कि लोग प्रशासन का सहयोग करें और ट्रैफिक नियमों का पालन करें। ऐसा न करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने बीपीएससी रीएग्जाम की याचिका खारिज की, ठोस सबूत पेश नहीं कर पाए अभ्यर्थी

पटना (एजेंसियां)। बिहार लोक सेवा आयोग की परीक्षा की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए काम की खबर है। सुप्रीम कोर्ट ने 13 दिसंबर 2024 को ली गई 70वीं प्रारंभिक परीक्षा पर रोक लगाकार दुबारा परीक्षा लेने की याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि हमें परीक्षा रद्द करने के लिए ठोस सबूत नहीं मिले। अभ्यर्थियों ने परीक्षा में गड़बड़ी का दावा किया था, इसके भी ठोस सबूत कोर्ट के सामने नहीं पेश किए गए। इसलिए कोर्ट ने रीएग्जाम की याचिका को खारिज कर दिया। यानी अब किसी भी कीमत पर 70वीं प्रारंभिक परीक्षा दुबारा नहीं हो पाएगी।

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और मनमोहन की पीठ ने 70वीं बीपीएससी संयुक्त प्रारंभिक परीक्षा को रद्द करने की मांग करने वाली याचिकाओं का एक समूह खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा किसभी उम्मीदवारों के लिए पुनः परीक्षा कराने के लिए ठोस सबूतों की कमी है।

याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अंजना प्रकाश ने तर्क किया कि डिजिटल साक्ष्य, जिसमें व्हाट्सएप संदेश और वीडियो क्लिप शामिल हैं, यह दर्शाते हैं कि परीक्षा से पहले प्रश्न पत्र लीक हो गए थे। उन्होंने बताया कि एक वीडियो में कथित तौर पर परीक्षा केंद्र पर उत्तरों की घोषणा लाउडस्पीकर के माध्यम से की जा रही थी। सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश पटना हाई कोर्ट के निर्णय के खिलाफ दायर याचिकाओं पर आया, जिसने याचिकाओं को खारिज करते हुए कहा था कि विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर किसी तरह की अनियमितता का कोई निर्णायक सबूत नहीं है। इस निर्णय ने बीपीएससी को मुख्य परीक्षा आयोजित करने की अनुमति दी।

बता दें कि पहले सात जनवरी को, मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने परीक्षा में अनियमितता और प्रदर्शनकारियों पर पुलिस कार्रवाई के संबंध में दायर याचिका की सुनवाई करने से इनकार कर दिया। पीठ ने याचिकाकर्ताओं को अपनी शिकायतों के साथ पटना हाईकोर्ट जाने के लिए कहा। बिहार पुलिस ने कथित तौर पर उन सिविल सेवा उम्मीदवारों को नियंत्रित करने के लिए बल का उपयोग किया, जिन्होंने 13 दिसंबर, 2024 को आयोजित बीपीएससी परीक्षा की रद्दीकरण की मांग की थी।

सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने से पहले अभ्यर्थियों ने पटना हाईकोर्ट से गुहार लगाई थी। बीपीएससी 70वीं प्रारंभिक परीक्षा के खिलाफ दायर याचिका पटना हाइकोर्ट ने खारिज कर दी है। अब पूर्व में जारी किया गया रिजल्ट लागू रहेगा। इससे पहले कुछ शर्तों के साथ बिहार लोक सेवा आयोग ने गुरुवार को 70वीं संयुक्त प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा का परिणाम जारी किया था। उसमें शर्तें थीं कि एकीकृत 70वीं संयुक्त (प्रा.) प्रतियोगिता परीक्षा से सम्बन्धित माननीय उच्च न्यायालय, पटना में दायर याचिका पारित आदेश के फलाफल से परीक्षा परिणाम प्रभावित होगा। साथ ही जिन अभ्यर्थियों को आयोग द्वारा प्रतिवारित किया गया है और भविष्य में प्रतिवारित किया जाना है उनकी भी अभ्यर्थिता प्रभावित होगी। लेकिन, कोर्ट से अब आए फैसले ने सभी शर्तों को खत्म कर दिया है और रिजल्ट पहले वाला ही लागू रहेगा।

आतंकवादियों ने पत्नी-बच्चों के सामने बिहार के मनीष रंजन को मार डाला

पटना (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकी हमले में मारे गए इंटेलिजेंस ब्यूरो के एक अधिकारी मनीष रंजन रोहतास जिले के निवासी हैं। मनीष रंजन मूल रूप से जिले के करगहर थाना क्षेत्र अंतर्गत अरूही गांव के रहने वाले हैं और सासाराम के गौरक्षणी मोहल्ले में भी इनका एक निजी मकान है, जहां इनके चाचा-चाची रहते हैं। मनीष रंजन अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ कश्मीर घूमने गए थे जहां आतंकवादियों ने पहलगाम में उन्हें बच्चों और पत्नी के सामने ही गोली मारकर हत्या कर दी।

मनीष के चाचा आलोक कुमार ने बताया कि मनीष रंजन की शादी वर्ष 2010 में हुई थी और इनका एक पुत्र और पुत्री है। उन्होंने बताया कि मनीष हैदराबाद में आईबी कार्यालय में सेक्शन ऑफिसर के पद पर कार्यरत थे। अपने माता-पिता के साथ बंगाल के झालदा में रहते थे। चाचा ने कहा कि सभी लोग बंगाल जा रहे हैं और उसके बाद ही जानकारी दी जाएगी कि शव को पैतृक गांव लाया जाएगा या बंगाल में ही दाह संस्कार होगा। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि वह न्याय चाहते हैं और आतंकियों को खत्म कर देना चाहिए।

मनीष के पिता मंगलेश मिश्रा एक सेवानिवृत्त शिक्षक हैं, जो बंगाल के पुरुलिया जिला अंतर्गत झालदा हाई स्कूल में पढ़ाते थे। मनीष अपने माता-पिता के साथ बंगाल में हीं रहते थे, लेकिन इनकी पोस्टिंग हैदराबाद में थी। हैदराबाद में तैनात आईबी अधिकारी मनीष रंजन अपने परिवार के साथ छुट्टी पर कश्मीर घूमने गए थे। परिवार और अन्य टूरिस्ट 'मिनी स्विट्जरलैंड' कहे जाने वाले पहलगाम की बैसरन घाटी में थे, जब आतंकियों ने उन पर हमला किया।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी इस घटना पर दुःख जताया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा है कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में पर्यटकों की मृत्यु की सूचना दुःखद। यह घटना निंदनीय है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना है। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना है। आतंक के विरुद्ध पूरा देश एकजुट है।

बिहार-झारखंड के बार्डर के पास युवक को मारी गोली, हालत गंभीर

गया (एजेंसियां)। बिहार में अपराधी इतने बेखौफ हो गए हैं कि एक के बाद एक आपराधिक वारदातों को अंजाम देने में लगे हैं। इस बार अपनी उपस्थिति गया में दर्ज करायी है। अपराधियों ने लूटपाट के दौरान अपराधियों को गोली मार दी।

गया के बाराचट्टी थाना क्षेत्र में बिहार-झारखंड पर स्थित छिनारी पुल के पास लूटपाट के दौरान अपराधियों ने युवक को गोली मार दी। युवक की हालत गंभीर है। उसका इलाज चल रहा है। इधर, गोलीबारी के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। बिहार पुलिस पूरे मामले की छानबीन में जुटी है। घायल युवक की पहचान गया शहर के डेल्हा थाना क्षेत्र के रहने वाले स्व. लाला राम के 40 वर्षीय पुत्र विजय प्रसाद के रूप में हुई है।

मिली जानकारी के मुताबिक, युवक मंगलवार देर रात पिकअप वाहन से गया की ओर आ रहा था। जैसे ही पिकअप वाहन छिनारी पुल के समीप पहुंची तो पहले से घात लगाए बाइक सवार तीन अपराधियों ने लूट-पाट के नियत से वाहन को रोकने का इशारा किया। लेकिन, वाहन चालक वाहन को तेजी से भगाने लगा। अपराधियों ने सबसे पहले पिकअप वाहन के टायर में गोली दाग दी। वाहन आगे जाकर रुक गया। जब अपराधियों ने लूट-पाट करने लगे तो युवक ने विरोध करने लगा। उसके बाद अपराधियों ने युवक को मौके पर तीन गोली दाग दी।

इस संबंध में सीनियर एसपी आनंद कुमार ने बताया कि बीती रात्रि डायल 112 को सूचना मिली कि बाराचट्टी थाना क्षेत्र में स्थित छिनारी पुल के पास अज्ञात अपराधियों ने एक व्यक्ति को गोली मार दी। उक्त सूचना के आधार पर पुलिस वारदात स्थल पर पहुंचे और गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया है। जहां इलाज किया जा रहा है। मामले की छानबीन की जा रही है। जल्द ही अपराधियों की पहचान कर ली जाएगी। घटना की खुलासा के लिए विशेष टीम गठित कर वारदात स्थल पर एफएसएल और तकनीकी टीम भेजा गया है।

डांसर शानू की हत्या मामले में दूल्हा और उसके पिता गिरफ्तार

दरभंगा (एजेंसियां)। दरभंगा जिले में एक शादी समारोह के दौरान हुई हर्ष फायरिंग ने एक डांसर की जान ले ली। यह वारदात अब संगीन मोड़ ले चुकी है।

दरभंगा के जाले थाना क्षेत्र के जोगियारा गांव में शादी से ठीक पहले पुलिस ने दूल्हा राजन कुमार सिंह और उसके पिता रामविनय सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों पर मुजफ्फरपुर की एक डांसर शानू खान की हत्या का गंभीर आरोप है।

जाले थानाध्यक्ष संदीप कुमार पॉल ने इस गिरफ्तारी की पुष्टि कर बताया कि दोनों आरोपियों को 21 अप्रैल को बेनीबाद थाना क्षेत्र के कोदई गांव से गिरफ्तार किया गया। ये दोनों फरार चल रहे थे और अपने रिश्तेदार के घर में छिपे हुए थे। रामविनय सिंह पूर्व सैनिक हैं और घटना के बाद पूरा परिवार भूमिगत हो गया था।

जानकारी के मुताबिक, घटना 19 अप्रैल की रात की है, जब रामविनय सिंह के बेटे की हल्दी और मेहंदी की रस्म चल रही थी। इस मौके पर मुजफ्फरपुर के मिठनपुरा थाना क्षेत्र के तीनकोठिया मुहल्ला से चार डांसरों को बुक किया गया था। रात करीब 11 बजे जब कार्यक्रम चरम पर था, उसी दौरान हर्ष फायरिंग शुरू हो गई। डांस कर रही शानू को अचानक पेट में गोली लग गई। आनन-फानन में उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

इस मामले में जाले थानाध्यक्ष के बयान पर 10 नामजद और आठ से 10 अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। नामजद आरोपियों में दूल्हे राजन कुमार सिंह, उसके पिता रामविनय सिंह, भाई रंजन कुमार सिंह, मां अनिता देवी, साथ ही मुजफ्फरपुर के कटरा थाना क्षेत्र के निवासी प्रभात सिंह और अमित सिंह सहित अन्य शामिल हैं।

बाइक सवार अपराधियों ने अधेड़ को मारी गोली, इलाज के दौरान मौत

सहरसा (एजेंसियां)। बिहार में अपराध का ग्राफ थमने का नाम नहीं ले रहा है। सहरसा जिले के सदर थाना क्षेत्र में एक बार फिर अपराधियों ने खुलेआम दिनदहाड़े खूनखराबा कर पुलिस प्रशासन को खुली चुनौती दी है।

मंगलवार की शाम त्रिमूर्ति चौक के पास बाइक सवार बदमाशों ने एक 45 वर्षीय व्यक्ति मोहम्मद फखरुद्दीन को गोली मार दी, जिसने इलाज के दौरान बुधवार को दम तोड़ दिया। इस सनसनीखेज वारदात के बाद इलाके में दहशत फैल गई है।

जानकारी के अनुसार, मोहम्मद फखरुद्दीन हकपाड़ा वार्ड-5 के निवासी थे। मंगलवार की शाम वे रजिस्ट्री ऑफिस में अपना कुछ निजी काम निपटाकर बाजार से होते हुए बाइक से घर लौट रहे थे। जैसे ही वह त्रिमूर्ति चौक के पास पहुंचे, पहले से घात लगाए दो अज्ञात बाइक सवार बदमाशों ने उन्हें गोली मार दी। गोली पेट के दाहिने हिस्से में लगी और आर-पार हो गई।

घटना के तुरंत बाद आसपास मौजूद लोगों ने जख्मी फखरुद्दीन को शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनकी स्थिति लगातार नाजुक बनी रही। डॉ विजय शंकर ने बताया कि गोली लगने से शरीर के कई हिस्सों में गंभीर जख्म हुए थे। डॉक्टरों ने उन्हें बचाने की हरसंभव कोशिश की, लेकिन बुधवार को उन्होंने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

पीड़ित की पत्नी नाजिया परवीन ने बताया कि घटना से ठीक दस मिनट पहले पति से आखिरी बार बात हुई थी, जिसमें उन्होंने कहा था कि वे घर लौट रहे हैं। लेकिन इसके कुछ ही देर बाद गोली मारने की सूचना मिली। यह खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

परिवार वालों ने घटना को अंजाम देने के पीछे पुराने आपसी विवाद की आशंका जताई है। उनका कहना है कि मोहल्ले के कुछ लोगों से पूर्व से विवाद चल रहा था और उन्हीं लोगों द्वारा इस घटना को अंजाम दिया गया है। हालांकि पुलिस ने अभी तक इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं की है।

सदर एसडीपीओ आलोक कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी गई है। सदर थानाध्यक्ष को पूरे मामले की जांच का निर्देश दिया गया है। इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि हमलावरों की पहचान की जा सके। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी का भरोसा दिलाया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com